राष्ट्रीय मुख्यधारा PRESS
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, गुरुवार
06.03.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 34

हिन्दी दैनिक
mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

भारत एआई अनुसंधान के लिए एक राष्ट्रीय वृहद भाषा मॉडल स्थापित करेगा: प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

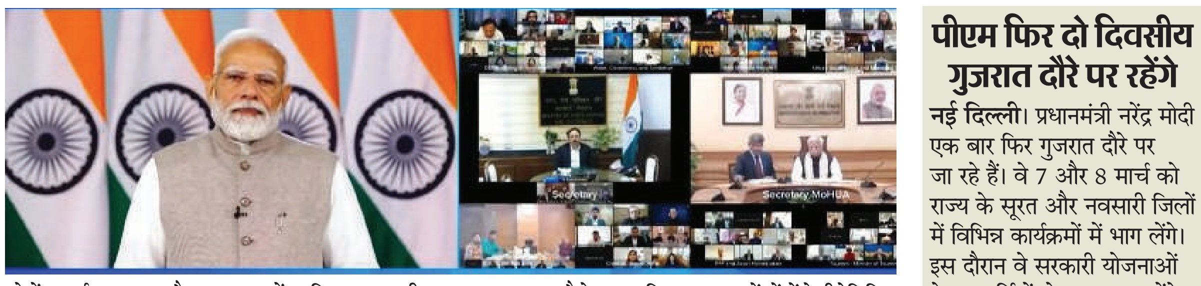

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) अनुसंधान के लिए एक राष्ट्रीय वृहद भाषा मॉडल (एलएलएम) स्थापित करेगा। उन्होंने उद्योगों से इस क्षेत्र में निवेश के लिए कहा। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार सृजन पर बजट के बाद वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का केन्द्रीय बजट मजबूत कार्यबल और बढ़ती अर्थव्यवस्था का मार्ग प्रशस्त करता है। मोदी ने कहा कि देश का भविष्य इनोवेशन में किए जा रहे निवेश से निर्धारित होता है। भारत की अर्थव्यवस्था में एआई कई लाख करोड़ रुपये की ग्रोथ दे सकती है। उन्होंने कहा कि भारत एआई की क्षमताओं को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय वृहद भाषा मॉडल (एलएलएम) की स्थापना भी करेगा। इस दिशा में हमारे प्राइवेट सेक्टर को भी दुनिया से एक कदम आगे रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक विश्वसनीय, सुरक्षित और लोकतांत्रिक देश जो एआई में किफायती समाधान दे सके विश्व को उसका इंतज़ार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों, अर्थव्यवस्था और नवाचार में निवेश एक ऐसी थीम है, जो विकसित भारत के रोडमैप को परिभाषित करती है। इस साल के बजट में इसका प्रभाव भी बहुत बड़े स्तर पर दिख रहा है। इसलिए ये बजट भारत के भविष्य का ब्लूप्रिंट बनकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि हमने निवेश में जितनी प्राथमिकता बुनियादी ढांचे और उद्योगों को दी है, उतनी ही प्राथमिकता लोगों, अर्थव्यवस्था और इनोवेशन को भी दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों में निवेश का विजन शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य सेवा जैसे तीन स्तंभों पर खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि आज भारत का शिक्षा प्रणाली कई दशक के बाद कितने बड़े परिवर्तन से गुजर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, आईआईटी का विस्तार, शिक्षा में तकनीक को शामिल करना, एआई का इस्तेमाल और 22 भारतीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना जैसे बड़े कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2014 से अब तक 3 करोड़ से ज्यादा युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया है। हमने एक हजार आईटीआई संस्थानों को अपग्रेड करने और 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने का ऐलान किया है। हमारा लक्ष्य युवाओं को ऐसी ट्रेनिंग देना है, जो इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा कर सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने युवाओं को नए अवसर और व्यावहारिक कौशल देने के लिए पीएम इंटर्नशिप योजना शुरू की है। इस योजना में हर स्केल पर ज्यादा से ज्यादा उद्योगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि हमने इस बजट में 10 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा की है। हम अगले 5 सालों में मेडिकल लाइन में 75 हजार सीटें जोड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में टेलीमेडिसिन सुविधा का विस्तार हो रहा है। डे-केयर कैंसर सेंटर और डिजिटल हेल्थकेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर के जरिए हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को लास्ट माइल तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में हमने अर्थव्यवस्था में निवेश को भविष्योन्मुखी सोच के साथ देखा है। 2047 तक भारत की शहरी आबादी लगभग 90 करोड़ तक होने का अनुमान है। ऐसे में इतनी बड़ी आबादी के लिए शहरीकरण की योजना की जरूरत है। इसके लिए एक लाख करोड़ रुपये का अर्बन चैलेंज फंड बनाने की पहल की है। प्रधानमंत्री ने पर्यटन की संभावनाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि देश की जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र का 10 प्रतिशत तक योगदान रहने की संभावना है।

पीएम फिर दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर गुजरात दौरे पर जा रहे हैं। वे 7 और 8 मार्च को राज्य के सूरत और नवसारी जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात करेंगे और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 7 मार्च को सूरत के लिंबायत इलाके के नीलगिरी ग्राउंड में एक भव्य जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के तहत वृद्ध लाभार्थियों को विशेष किट वितरित करेंगे। इसके बाद वे सूरत के सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन, 8 मार्च को पीएम मोदी नवसारी जाएंगे, जहां वे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस मौके पर वे महिलाओं के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं का शुभारंभ कर सकते हैं।

सीएफएस ने लांच की नेत्र चिकित्सा की क्रांतिकारी तकनीक

10 सेकंड से भी कम समय में विज़न करेक्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में एडवांस आई केयर का नेतृत्व करने वाले सेंटर फॉर साइट (सीएफएस) ने दुनिया की सबसे तेज़ और सुरक्षित लेसिक लेजर सर्जरी तकनीक एएमएआरआईएस 1050आरएस को फॉरसाइट के साथ लॉन्च की है। सीएफएस के अध्यक्ष और चिकित्सा निदेशक डॉ. महिपाल एस सचदेव ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक तकनीक विज़न करेक्शन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी, क्योंकि यह महज़ 10 सेकंड से भी कम समय में प्रति आंख इलाज पूरा कर देती है। इससे सटीकता और रोगियों के परिणामों में जबरदस्त सुधार होगा। उन्होंने बताया कि इस लॉन्च के साथ ही सीएफएस ने दो और आधुनिक विज़न करेक्शन समाधान पेश किए हैं, जिनमें कस्टम आईज और स्मार्ट सर्फ एसीई हैं। ये दोनों ही फॉरसाइट टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित हैं। कस्टम आईज हर व्यक्ति की आंखों की विशेषताओं के अनुसार पूरी तरह पर्सनलाइज्ड लेज़र विज़न करेक्शन है, जिससे बेहतरीन दृष्टि सुधार सुनिश्चित होता है। स्मार्ट सर्फ एसीई एक पूरी तरह टच-फ्री और ब्लेड-फ्री लेसिक प्रक्रिया है, जो मरीजों के लिए अधिक आरामदायक, सुरक्षित और तेज़ रिकवरी प्रदान करती है। डॉ. महिपाल ने बताया कि फॉरसाइट एक एडवांस्ड एआई आधारित सिस्टम है, जो हजारों डेटा पॉइंट्स का विश्लेषण कर हर मरीज के लिए सर्जरी की सटीक भविष्यवाणी करने में मदद करता है। इससे डॉक्टर सर्जरी से पहले ही संभावित परिणामों को देख सकते हैं, जिससे सर्जरी की सटीकता और सुरक्षा बढ़ती है और विज़न करेक्शन के नतीजे पहले से कहीं बेहतर होते हैं। उन्होंने बताया कि लेसिक से आगे बढ़ते हुए सीएफएस ने केराटोकोनस जैसी जटिल कॉर्नियल स्थितियों के इलाज के लिए भी फॉरसाइट संचालित समाधान पेश किए हैं। इनमें विशेष तौर पर ट्रेक (टोपोग्राफी गाइडेड रिमूवल ऑफ एपिथेलियम फॉर केराटोकोनस) तकनीक एक साथ एपिथीलियम और स्ट्रोमा को हटाने में सक्षम बनाती है, जिससे खासतौर पर केंद्रीकृत शंकु वाले मरीजों को फायदा होता है और कॉर्नियल शेपिंग बेहतर होती है। टीसीएटी (टोपोग्राफी-गाइडेड कस्टम एब्लेशन ट्रीटमेंट) की उन्नत लेज़र तकनीक के जरिए कॉर्निया के असमान भागों को ठीक किया जाता है, जिससे केराटोकोनस से पीड़ित मरीजों को अधिक स्पष्ट दृष्टि मिलती है और उनके स्पेशल कॉन्टैक्ट लेंस पर निर्भरता कम हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

अब सैटेलाइट से चलेगा इंटरनेट, देश के कोने-कोने से समुद्र तक में मिलेगी स्पीड

नई दिल्ली। भारत में जल्द सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस का शुरु होने वाली है। इस साल जून की शुरूआत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू हो सकती है। दूरसंचार नियामक इस सर्विस के लिए बेस तैयार कर रहा है, जो दूरदराज और समंदर तक में इंटरनेट पहुंचाने में सक्षम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) सैटेलाइट कम्युनिकेश के प्राइसिंग और उपयोग पर सिफारिशों के एक सेट को अंतिम रूप दे रहा है, जिसे पिछले दो सालों से तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे ही इसकी रूपरेखा तैयार होगी उसके बाद स्पेक्ट्रम एलोकेट किया जाएगा। रिलायंस जियो इन्फोकॉम, भारती एयरटेल और स्टारलिंक द्वारा सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज से जुड़ी सिफारिशें अंतिम रूप दिए जाने के करीब हैं। ब्रॉडबैंड की तुलना में यह सर्विस बहुत आगे है। खास बात है कि यह उन इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी देती है जहां केबल या मोबाइल टावर की सुविधा नहीं है। सैटेलाइट इंटरनेट में स्पेस में मौजूद सैटेलाइट्स का इस्तेमाल किया जाता है।

तेज हवाओं ने दिल्ली-एनसीआर में घोली ठंडक, राजस्थान भी हुआ सर्द

नई दिल्ली। देशभर में मौसम का मिजाज बहुत तेजी से बदल रहा है। उत्तर भारत में ठंडी हवाओं ने एक बार फिर सर्दी का एहसास कराया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी और बारिश जारी है, जिससे मैदानी इलाकों में भी ठंडक बढ़ गई है। दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के कारण मौसम ठंडा बना हुआ है। 5 से 8 मार्च तक आसमान साफ रहेगा, लेकिन ठंडी हवाओं का असर महसूस किया जाएगा।

यूपी में हल्की ठंड : उत्तर प्रदेश में ठंड और कोहरा लगभग खत्म हो चुका है। दिन में तेज धूप से गर्मी महसूस हो रही है, लेकिन शाम को ठंडी हवाएं राहत देती हैं। मौसम विभाग ने 20 से 30 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना व्यक्त की है।

बिहार में गर्मी : बिहार में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है और ठंड पूरी तरह खत्म हो गई है। हालांकि, 8-9 मार्च को कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है, लेकिन गर्मी का असर तब भी जारी रहेगा।

राजस्थान के दिन गर्म और रात सर्द : राजस्थान में मौसम लगातार बदल रहा है। दिन में तेज धूप पड़ रही है, लेकिन रात में ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। 6 मार्च तक ठंडी हवाओं का असर रहने का अनुमान है, लेकिन 7 मार्च के बाद तापमान तेजी से बढ़ सकता है।

कैबिनेट ने पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के संशोधन को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई। इस योजना के तीन घटक हैं, जिसमें राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी), एलएचएंडडीसी और पशु औषधि शामिल है। एलएचएंडडीसी के भी तीन उप-घटक हैं, जिसमें गंभीर पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (सीएडीसीपी), मौजूदा पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण - मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई (ईएसवीएचडी-एमवीयू) और पशु रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी) शामिल है। पशु औषधि एलएचडीसीपी योजना में जोड़ा गया नया घटक है। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक में किए गए निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना पर कुल परिव्यय दो वर्षों अर्थात 2024-25 और 2025-26 के लिए 3,880 करोड़ रुपये है। इसमें पशु औषधि घटक के तहत अच्छी गुणवत्ता और सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा दवा उपलब्ध कराने और दवाओं की बिक्री हेतु प्रोत्साहन के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान शामिल है। खुरपका-मुंहपका रोग (एफएमडी), ब्रुसेलोसिस, पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (पीपीआर), सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड (सीएसएफ), लम्पी स्किन डिजीज आदि बीमारियों के कारण पशुधन की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह योजना मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (ईएसवीएचडी-एमवीयू) के उप-घटकों के माध्यम से पशुधन स्वास्थ्य देखभाल की डोर-स्टेप डिलीवरी और पीएम-किसान समृद्धि केंद्र और सहकारी समितियों के नेटवर्क के माध्यम से जेनेरिक पशु चिकित्सा दवा- पशु औषधि की उपलब्धता में सुधार का भी समर्थन करती है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे निर्माण को दी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में उत्तराखंड में दो रोपवे परियोजनाओं के विकास को मंजूरी दी गयी। इसमें सोनप्रयाग से केदारनाथ तक 12.9 किमी लंबी और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जी तक 12.4 किमी लंबी रोपवे परियोजनाओं के विकास को मंजूदी दी गयी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोनप्रयाग से केदारनाथ तक 12.9 किमी लंबी परियोजना को 4,081.28 करोड़ रुपये की कुल पूंजी लागत पर डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) मोड पर विकसित किया जाएगा। रोपवे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी में विकसित करने की योजना है और यह सबसे उन्नत ट्राई-केबल डिटैचेबल गोंडोला (3एस) तकनीक पर आधारित होगा, जिसकी डिजाइन क्षमता 1,800 यात्री प्रति घंटा प्रति दिशा (पीपीएचपीडी) होगी और यह प्रतिदिन 18,000 यात्रियों को ले जाएगा। वैष्णव ने बताया कि रोपवे परियोजना केदारनाथ आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए एक वरदान साबित होगी क्योंकि यह पर्यावरण के अनुकूल, आरामदायक और तेज़ कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे यात्रा का समय लगभग 8 से 9 घंटे से घटकर लगभग 36 मिनट हो जाएगा। रोपवे परियोजना निर्माण और संचालन के साथ-साथ पूरे वर्ष आतिथ्य, यात्रा, खाद्य और पेय पदार्थ (एफ एंड बी) और पर्यटन जैसे संबद्ध पर्यटन उद्योगों में पर्याप्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। रोपवे परियोजना का विकास संतुलित सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, पहाड़ी क्षेत्रों में अंतिम मील कनेक्टिविटी को बढ़ाने और तेजी से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केदारनाथ मंदिर की यात्रा गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है और वर्तमान में इसे पैदल या टट्टू, पालकी और हेलिकॉप्टर से तय किया जाता है। केदारनाथ उत्तराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में 3,583 मीटर (11968 फीट) की ऊंचाई पर स्थित 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर अक्षय तृतीया (अप्रैल-मई) से दीपावली (अक्टूबर-नवंबर) तक साल में लगभग 6 से 7 महीने तीर्थयात्रियों के लिए खुला रहता है और इस मौसम के दौरान सालाना लगभग 20 लाख तीर्थयात्री यहां आते हैं।

म्यांमार में 4.7 तीव्रता का भूकंप लोगों में दहशत का माहौल

यांगून। दुनियाभर में भूकंप की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसी कड़ी में, 5 मार्च की सुबह म्यांमार में 4.7 तीव्रता के भूकंप से धरती हिली है। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन लगातार आ रहे भूकंपों ने दुनियां के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र म्यांमार में 32 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप का असर आसपास के इलाकों में भी महसूस किया गया। अब तक म्यांमार में आए इस भूकंप से किसी बड़ी हानि की खबर नहीं आई है, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वैज्ञानिकों की सलाह है कि भूकंप के दौरान घबराने की बजाय सावधानी बरतें और सुरक्षा उपायों का पालन करें। इससे पहले हाल ही में दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, फरीदाबाद, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, तिब्बत और बिहार में भी भूकंप के झटके दर्ज किए गए थे, जिससे लोग आशंकित हैं कि कहीं यह किसी बड़े खतरे का संकेत तो नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार, बार-बार आ रहे भूकंप के झटके टेक्टोनिक प्लेट्स की सक्रियता को दर्शाते हैं।

आंदोलनरत किसानों के चंडीगढ़ कूच को देखते हुए सभी बॉर्डर सील

एजेंसी। चंडीगढ़

पंजाब के किसान अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसके चलते आज किसान चंडीगढ़ कूच करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेतृत्व में यह आंदोलन हो रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर चंडीगढ़ पुलिस ने सभी बॉर्डर को सील कर दिया गया है और यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है। भारतीय किसान यूनियन (एकता-उघराहां) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उघराहां ने किसानों से अपील की है कि वे सड़कों, राजमार्गों और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध न करें और जहां उन्हें रोका जाता है, वहीं सड़क किनारे धरना दें। एसकेएम ने पंजाब सरकार पर विरोध के अधिकार को दबाने का आरोप लगाया है।

किसानों की प्रमुख मांगें : आंदालनरत किसानों की प्रमुख मांगों में कृषि नीति के क्रियान्वयन, भूमिहीन मजदूरों को भूमि वितरण और किसानों की कर्ज माफी शामिल हैं। प्रशासन ने प्रदर्शन के लिए अभी तक कोई निर्धारित स्थान आवंटित नहीं किया है, जिससे तनाव बढ़ने की आंशका व्यक्त की जा रही है।

अभिनेत्री रान्या राव तस्करी करती पकड़ाई, बेल्ट में छिपा रखी थी सोने की छड़ें

एजेंसी। बेंगलुरु

पुलिस ने गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

सैंडलवुड अभिनेत्री रान्या राव को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय की टीम ने सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। रान्या दुबई से बेंगलुरु पहुंची थीं और उनके पास 14 किलोग्राम सोने की छड़ें मिलीं जो एक बेल्ट में छुपा कर रखी गई थीं। ये बेल्ट उनके शरीर से बंधी थी। इसके अलावा, उनके पास 800 ग्राम सोने के आभूषण भी मिले हैं। मंगलवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच अधिकारियों को शह है कि वह बेंगलुरु हवाईअड्डे के जरिए सक्रिय रूप से संचालित एक सोने की तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं। फिल्मों में कर चुकी रान्या राव (32) आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव की बेटी हैं, जोकि कर्नाटक में पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के डीजीपी हैं। अभिनेत्री ने कन्नड़ फिल्मों माणिक्य और पटाखी में काम किया है। इसके अलावा, वह तमिल फिल्म वागाह में विक्रम प्रभु के साथ नजर आई थीं। सूत्रों के हवाले से लिखा है कि रान्या की बार-बार की गई अंतरराष्ट्रीय यात्राओं ने अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया है। इस साल की शुरुआत से उन्होंने 10 से ज्यादा बार विदेश यात्राएं की हैं। एक अधिकारी ने बतायाकि डीआरआई को शक हुआ जब उन्होंने देखा कि रान्या लगातार छोटे-छोटे अंतराल में गल्फ देशों की यात्राएं कर रही हैं। इस कारण उन्हें ट्रैक किया गया। जब वह सोमवार को दुबई से एमिरेट्स की उड़ान से बेंगलुरु पहुंचीं, तो डीआरआई टीम ने उन्हें रोकने की योजना बनाई। जांच में पाया गया कि पिछले 15 दिनों में वह चार बार विदेश यात्रा कर चुकी थीं और हर बार एक जैसी वेशभूषा में थीं, जिसमें उनकी बेल्ट में छिपा रखी थी।

गर्मी का रौद्र रूप दिखाने को तैयार मौसम, मार्च में तापमान में जबरदस्त उछाल की संभावना

एजेंसी। नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन का असर अब मौसम पर स्पष्ट रूप से नजर आने लगा है। इस साल गर्मी जल्द ही अपना रौद्र रूप दिखाने वाली है। विशेष रूप से मध्य प्रदेश के मालवा अंचल में जहां सामान्य से कम सर्दी पड़ी और औसत से कम बारिश हुई, वहां मार्च की शुरुआत से ही तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 7 मार्च के बाद तापमान में 5 से 6 डिग्री की वृद्धि देखी जाएगी। इंदौर और उज्जैन सहित आसपास के क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक (16-18 डिग्री सेल्सियस) बना रहेगा, वहीं दिन का तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

ला-नीना और हिंद महासागर द्विध्रुव का असर : मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में कमजोर हो रहे ला-नीना और तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव की स्थिति के कारण इस पूरे महीने सामान्य से कम वर्षा और सामान्य से अधिक तापमान देखने को मिलेगा।

मार्च के अंत में भीषण गर्मी की चेतावनी : कृषि मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मार्च के दूसरे सप्ताह में रात्रि तापमान 17-19 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। दिन का तापमान और अधिक बढ़कर 35-36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। मार्च के अंत में 3-4 दिनों तक भीषण गर्मी पड़ने की आशंका जताई गई है।

बारिश की संभावना नहीं, लेकिन बादल छाए रहेंगे : फिलहाल पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ दिनों तक बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में गर्मी की शुरुआत इस साल पहले और अधिक तीव्र हो सकती है।

गर्मी से बचाव के लिए तैयारी जरूरी : मौसम वैज्ञानिकों की इस चेतावनी के बाद लोगों को गर्मी से बचाव के लिए अभी से सावधानी बरतनी होगी। खासतौर पर किसानों, बच्चों और बुजुर्गों को गर्मी के प्रभाव से सतर्क रहने की जरूरत है।

विविधता का अमृत महोत्सव राष्ट्रपति भवन परिसर में 6-9 मार्च तक होगा आयोजित

नई दिल्ली। विविधता का अमृत महोत्सव" के तहत इस वर्ष दक्षिण भारत के रंग देखने को मिलेंगे। राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन बुधवार शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी। यह उत्सव 6 से 9 मार्च तक सुबह 10 से शाम 8 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा। इस उत्सव में प्रवेश निःशुल्क है। इस उत्सव के दूसरे संस्करण में दक्षिण भारत को दर्शाया गया है, जिसमें कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। इसके साथ इस उत्सव में लक्षद्वीप और पुडुचेरी को भी शामिल किया गया है। इस उत्सव में दक्षिण भारत के 500 से अधिक कारीगर और बुनकर पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा का प्रदर्शन करेंगे, जिसमें कांजीवरम और कसावु साड़ियां, पोचमपल्ली इकत, मैसूर सिल्क और जटिल पीतल और लकड़ी के शिल्प शामिल हैं। 400 से अधिक कलाकार लोक और शास्त्रीय नृत्य और संगीत प्रस्तुत करेंगे, जिससे दक्षिण भारत की सांस्कृतिक झलक दिखाई देगी। पिछले साल आयोजित पहले संस्करण में पूर्वोत्तर भारत पर ध्यान केंद्रित किया गया था और इसे 1.3 लाख आगंतुकों और कारीगरों के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री के साथ जबरदस्त समर्थन मिला था।

टैरिफ पर ट्रूडो के ट्रंप को जवाब से लोग खुश, चुनाव में लिबरल को मिलेगा फायदा

ओटावा। कनाडा में इस साल आम चुनाव होना है जिसकी काउंटडाउन जारी है। मौजूद पीएम जस्टिन ट्रूडो की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है कि उनकी सरकार बरकरार रहेगी या नहीं यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन उससे पहले सत्तारुढ़ लिबरल पार्टी के लिए एक अच्छी खबर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार का फायदा खालिस्तानी प्रेमी पार्टी लिबरल को मिलता दिख रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नए सर्वे में जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को बढ़त मिलती नजर आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महीने पहले 2025 का चुनाव जस्टिन ट्रूडो की सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी हारती नजर आ रही थी। जनमत सर्वेक्षणों में पीएम जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी विपक्षी कंजर्वेटिव से 26 फीसदी पीछे थी। महंगाई संकट और जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ गुस्से के कारण लिबरल पार्टी का समर्थन घट गया था। लोग उसके खिलाफ थे। इतना ही नहीं, आगामी चुनावों से पहले ट्रूडो के इस्तीफे की मांग बढ़ गई थी लेकिन अब पासा पलटता हुआ दिख रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गोला रेंजर को मिला पतरातु का प्रभार

रामगढ़। गोला वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह को पतरातु वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।उनकी अनुशंसा बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी दे द्वारा प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पास किया गया था।जिसके बाद राकेश कुमार सिंह को पतरातु का भी प्रभार दे दिया गया है।इससे पूर्व वन प्रमंडल पदाधिकारी रामगढ़ ने भी मुख्य वन संरक्षक पदाधिकारी को पतरातु में प्रतिनियुक्ति हेतु अनुशंसा की थी।लेकिन उस अनुशंसा को दरकिनार करते हुए छह रेंज के प्रभार में रहने वाले सुरेश राम को प्रतिनिक्ति कर दिया गया था । इसके बाद विधायक के अनुशंसा पर राकेश कुमार सिंह को प्रतिनिक्त किया गया है।वे पिछले तीन वर्षो से गोला क्षेत्र में हाथियों के प्रकोप को कम संसाधन रहने के बावजूद अपनी सूझ बूझ से इसे नियंत्रित करने में काफी सफलता पाई है।जिससे ग्रामीण काफी राहत की सास ले रहे है । जिसे देखते हुए विधायक ने उसकी अनुशंसा की है।उनके प्रभार लेते ही वन प्रक्षेत्र में अवैध कारोबार करने वाले लोगों में खलबली मच गया है।

EVM वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया

साहिबगंज : जिला उपायुक्त हेमंत सती ने समहरणालय स्थित EVM वेयरहाउस में रखे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा एवं प्रबंधन का जायजा लिया।उपायुक्त ने वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन किया और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि EVM और वीवीपैट मशीनें चुनाव प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वेयरहाउस में उपकरणों की उपलब्धता और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की। साथ ही उन्होंने कर्मिँयो को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

होमगार्ड मैदान में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

एजेंसी : रांची। झारखंड होमगार्ड और अग्निशमन विभाग की खेलकूद प्रतियोगिता छह मार्च से शुरू होगी। यह प्रतियोगिता तीन दिनों तक चलेगी और इसका आयोजन धुर्वा स्थित होमगार्ड मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार शामिल होंगे, जबकि समापन समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति रहेगी। इस प्रतियोगिता में कुल 450 प्रतिभागी भाग लेंगे और एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल सहित 10 खेलों का आयोजन किया जाएगा।

विधानसभा: भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरा

एजेंसी : रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के सातवें दिन बुधवार को सदन की कार्यवाही 11 बजकर 8 मिनट बजे शुरू हुई। सत्ता पक्ष के विधायकों ने मंत्री योगेंद्र प्रसाद को घेरा। कांग्रेस के प्रदीप यादव ने अवैध निकासी से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में तत्कालीन कार्यपालक अभियंता सहित अन्य पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग की जांच रिपोर्ट में दोषियों पर एफआईआर करने की अनुशंसा की गई है। यदि भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह सदन में धरने पर बैठ जाएंगे।

बाबूलाल ने पथ निर्माण विभाग की पारदर्शिता पर उठाए सवाल, सूची नहीं मिलने पर जताई नाराजगी

एजेंसी : रांची। विधायक और पूर्व भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने विधानसभा में पथ निर्माण विभाग से जुड़े सवाल उठाते हुए 2020-21 से 2024-25 तक के सभी स्थानांतरित पदों की सूची उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने उन सड़कों की सूची भी मांगी, जिन्हें पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित किया गया है। हालांकि विभाग की ओर से दिए गए लिखित जवाब में सूची संलग्न करने की बात कही गई थी, लेकिन सूची उपलब्ध नहीं कराई गई। इस पर नाराजगी जताते हुए बाबूलाल ने कहा कि सभी विधायकों को इस जानकारी का अधिकार है, लेकिन विभाग गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने इसे गलत परिपाटी करार देते हुए सदन से संज्ञान लेने की मांग की। इस पर जवाब देते हुए विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि यह एक लिपिकीय त्रुटि हो सकती है और जल्द ही सभी सदस्यों को पूरी सूची उपलब्ध करा दी जाएगी।

स्वस्थ समाज का निर्माण मारवाड़ी युवा मंच का उद्देश्य : राहुल अग्रवाल

रामगढ़ । एक स्वस्थ समाज का निर्माण करने की परिकल्पना मारवाड़ी युवा मंच ने की है। इसी सपने को साकार करने के लिए हर दिन पहल की जा रही है। इसी उद्देश्य से रामगढ़ शहर में मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में 150 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। मंगलवार की देर रात तक लोग जांच कराने आते रहे। मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित शिविर का उद्घाटन डॉक्टर और मंच के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में रांची के ऑर्किड मेडिकल सेंटर के कार्डियोलॉजिस्ट एवं मधु रोग विशेषज्ञ डॉ विनय कुमार, किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ शालिनी प्रिया, जनरल फिजिशियन डॉ एस कुमार, आईरिस हॉस्पिटल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अंशुकिता, यूरोलॉजिस्ट डॉ अभिषेक अग्रवाल, हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ राहुल बेरलिया और दंत चिकित्सक डॉ पूजा शर्मा बंसल ने 150 से अधिक मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिए। साथ ही शिविर में मरीज के लिए निःशुल्क मधुमेह, ब्लड प्रेशर और ईसीजी की जांच की गई। मौके पर युवा मंच के कार्यक्रम संयोजक राहुल अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच समाज हित के लिए निरंतर कार्य करते आ रही है और आगे भी करते रहेगी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज की परिकल्पना करना ही मारवाड़ी युवा मंच का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समाज के लिए किए जा रहे कार्य एक उद्देश्य के साथ किए जा रहे है।

100 करोड़ के घोटाले पर विधानसभा में हंगामा, मंत्री ने मांगा सात दिन का वक्त

एजेंसी : रांची

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के सातवें दिन कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 100 करोड़ रुपये के घोटाले का मुद्दा उठाया। इसके बाद विभागीय मंत्री और सदन के सदस्यों के बीच जमकर खींचतान हुई। विधायक प्रदीप यादव ने सवाल किया कि स्वर्णरखा परियोजना के अधीन शीर्ष कार्य प्रमंडल में फर्जी खाता खोलकर करोड़ों रुपये की फर्जी निकासी का मामला वित्त विभाग की जांच रिपोर्ट में आया है। रांची और लोहरदगा में कार्यपालक अभियंता ने एल एंड टी कंपनी की जगह रोकड़पाल के खाते में बिल भुगतान कर बंदरबांट किया है। इस मामले में मुख्य अभियंता प्रभात कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर समेत अन्य अभियंताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि चलते सत्र में जांच कर सभा को अवगत कराया जायेगा। इस पर सत्ता पक्ष की ओर से झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने कहा कि कार्यपालक अभियंता को बचाने की साजिश चल रही है। स्टीफन मरांडी का साथ देते हुए कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव ने कहा कि कार्रवाई को तीन तरीके से पेश किया जाता है। पहला फंसा दो, दूसरा धंसा दो और तीसरा दूध का दूध और पानी का पानी कर दो। उन्होंने कहा कि इस मामले में धंसा दो वाला काम हो रहा है। इसका मतलब है कि अधिकारी को बचाया जा रहा है। पूरे मामले को सिर्फ संतोष कुमार रोकड़पाल पर सिर्फ एफआईआर कर मामले को समाप्त नहीं किया जा सकता। इस पर झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो और झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने प्रदीप यादव का पक्ष लेते हुए कहा कि विभागीय जांच का मतलब लीपापोती है। इसलिए प्राथमिकी होनी चाहिए, क्योंकि इस मामले में सिर्फ रोकड़पाल संतोष कुमार पर कार्रवाई की गयी है। जब वित्त विभाग ने सभी को दोषी पाया है तो कार्रवाई एक पर क्यों। इस बीच पूरे मामले में चुटकी लेते हुए भाजपा विधायक नवीन जयसवाल ने कहा कि यदि सत्ता पक्ष के विधायकों को दोषियों पर कार्रवाई करने में इतनी मशक्कत करनी पड़ रही है, तो विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर कार्रवाई करने में क्या स्थिति होगी। फिर प्रभारी मंत्री द्वारा एफआईआर नहीं कराने पर प्रदीप यादव ने कहा कि ऐसे में वह सदन में धरना पर बैठ जायेंगे। वहीं हेमलाल मुर्मू ने कहा कि बिना कार्यपालक अभियंता के रोकड़पाल गबन नहीं कर सकता है। प्रभारी मंत्री के रूख से लग रहा है कि वह कार्यपालक अभियंता को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी नीयत पर सवाल उठता है। देर तक चली बहस में प्रभारी मंत्री ने कहा कि सात दिन के भीतर कार्रवाई कर अवगत कराया जायेगा। इस पर प्रदीप यादव ने आसन से आग्रह किया कि इस प्रश्न को सात दिन के लिए स्थगित कर दिया जाये। जिसके बाद स्पीकर ने इस प्रश्न को सात दिन के लिए स्थगित कर दिया। अब इस प्रश्न पर सात दिन के बाद चर्चा होगी।

रांची में अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन 12 को

एजेंसी : रांची

रांची में कवि सम्मेलन आयोजन समिति की ओर से 12 मार्च की रात 9 बजे से हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में होली के अवसर पर होने वाले आयोजन को लेकर कवि सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक नारसरिया और मुख्य संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बुधवार को बताया कि इस वर्ष भी उत्साह एवं उमंग के पावन पर्व होली के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित की जाएगी। इसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त हास्य कवि सुनील पॉल (लाफ्टर चैलेंजर), ठहाको के सरदार जानी बैरागी, हास्य व्यंग कवि रमेश मुस्कान, इटावा वीर रस के कवि गौरव चौहान, श्रृंगार रस की प्रसिद्ध कवयित्री डॉ. भुवन मोहिनी और हास्य-व्यंग्य के कवि शशिकांत यादव पहुचेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार आयोजन में समिति की ओर से चार नए सदस्यों अंजय सरावगी, हरिशंकर कनोडिया, निर्भय शंकर हरित एवं चंद्र प्रकाश धेलिया को जोड़ा गया है। वहीं समिति के सचिव अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि कवि सम्मेलन मे प्रवेश निःशुल्क है और महिलाओं के बैठने की विशेष व्यवस्था की गई है। दर्शकों के लिए एलईडी भी मैदान में लगाए जाएंगे।

बोकारो के राहुल रंजन कापरी ने UGC NET JRF में देशभर में तीसरा स्थान हासिल किया

सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने किया सम्मानित

बोकारो: सेक्टर 9, बड़ा खटाल निवासी राहुल रंजन कापरी ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से UGC NET JRF परीक्षा में 99.92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देशभर में तीसरा और झारखंड में पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस सफलता से उनका परिवार और पूरा झारखंड गर्व महसूस कर रहा है।

राहुल के पिता ललन प्रसाद यादव, जो एक पशुपालक सेवक हैं, ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक गोबर काटने वाले का बेटा राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करेगा।

उनकी इस उपलब्धि पर बोकारो सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राहुल ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को दिया। उन्होंने साबित किया कि कठिन परिश्रम और समर्पण से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि झारखंड के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है।

नक्सली आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल, रांची में चल रहा इलाज

एजेंसी : रांची

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले में सुरक्षाबलों के सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी विस्फोट में तीन जवान घायल हो गए। चाईबासा एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि बुधवार को छोटानागरा थाना क्षेत्र के वनग्राम बालीबा के पास जंगल और पहाड़ी इलाके में नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए पहले से आईईडी प्लांट किया था। इसके अलावा, नक्सलियों ने रास्ते में गड्ढा कर लोहे का तीर (स्पाइक होल) भी लगाए थे, जिसकी चपेट में आने से सीआरपीएफ 197 बटालियन के एसी जीजे साई, एचसी/आरओ वीटी राव और सीटी/जीडी धर्मेंद्र कुमार घायल हो गए। घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हेलीकॉप्टर से रांची लाकर राज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल जवानों से झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता और आईजी अखिलेश झा ने राज अस्पताल में मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य का हाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।एसपी ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, नोछू, अनल, असीम मडल, अजय महतो, सागेन अगरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हासदा उर्फ अपटन, जयकांत और रापा मुंडा अपने दस्ते के साथ सारंडा-कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सक्रिय हैं।इन नक्सली गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिस, कोबरा 203 बटालियन, 209 बटालियन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की 26, 60, 134, 174, 193 और 197 बटालियन का संयुक्त अभियान जारी है।

बोकारो विधायक ने झारखंड विधानसभा अध्यक्ष को डीसी के खिलाफ की शिकायत

बोकारो: बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने झारखंड विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर बोकारो की उपायुक्त विजया जाधव के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला उठाया है।

क्या है पूरा मामला- विधायक श्वेता सिंह के अनुसार, जनसमस्याओं को लेकर उन्होंने उपायुक्त से दूरभाष पर बातचीत की, लेकिन इस दौरान उपायुक्त ने जनविरोधी कार्यप्रणाली अपनाते हुए अनुचित व्यवहार किया और यहां तक कि विधायक को "अपने दायरे में रहने" की हिदायत तक दे डाली।

विधायक ने कहा कि इस तरह का व्यवहार जनता द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधियों के सम्मान को ठेस पहुंचाता है और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

विधानसभा अध्यक्ष से की उचित कार्रवाई की मांग- विधायक श्वेता सिंह ने झारखंड विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले को गंभीरता से लेने और जनप्रतिनिधियों के विशेषाधिकार की रक्षा के लिए उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

पहले भी आ चुके हैं ऐसे मामले- गौरतलब है कि इससे पहले धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने भी उपायुक्त पर इसी तरह के आरोप लगाए थे और मामले को संसद में उठाने की बात कही थी।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार और विधानसभा अध्यक्ष इस मामले पर क्या रुख अपनाते हैं और क्या बोकारो की उपायुक्त के खिलाफ कोई कार्रवाई होती है?

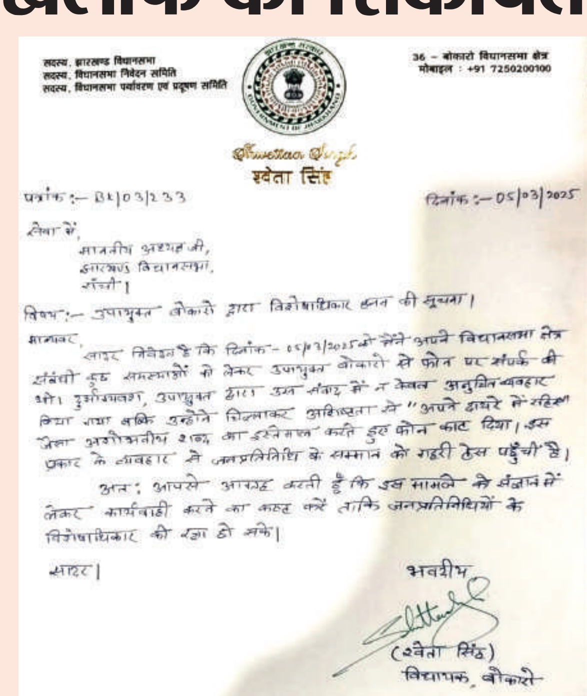

सदस्य, झारखण्ड विधानसभा
सदस्य, विधानसभा निवेदन समिति
सदस्य, विधानसभा पर्यावरण एवं प्रदूषण समिति

36 - बोकारो विधानसभा क्षेत्र
मोबाइल : +91 7250200100

Shweta Singh
श्वेता सिंह

पत्रांक :- BL/03/233
दिनांक :- 05/03/2025

सेवा में,
माननीय अध्यक्ष जी,
झारखण्ड विधानसभा,
रांची।

विषय :- उपायुक्त बोकारो द्वारा विशेषाधिकार हनन की सूचना।

महाशय,
सादर निवेदन है कि दिनांक - 05/03/2025 को मैंने अपने विधानसभा क्षेत्र संबंधी कुछ समस्याओं को लेकर उपायुक्त बोकारो से फोन पर संपर्क की थी। दुर्भाग्यवश, उपायुक्त द्वारा उस संवाद में न केवल अनुचित व्यवहार किया गया बल्कि उन्होंने चिल्लाकर अशिष्टता से "अपने दायरे में रहिए" जैसा अशोभनीय शब्द का इस्तेमाल करते हुए फोन काट दिया। इस प्रकार के व्यवहार से जनप्रतिनिधि के सम्मान को गहरी ठेस पहुँची है।
अतः आपसे आग्रह करती हूँ कि इस मामले को संज्ञान में लेकर कार्यवाही करने का कष्ट करें ताकि जनप्रतिनिधियों के विशेषाधिकार की रक्षा हो सके।

सादर।

भवदीय
(श्वेता सिंह)
विधायक, बोकारो

जंगली हाथियों ने वृद्ध को कुचला, मौत

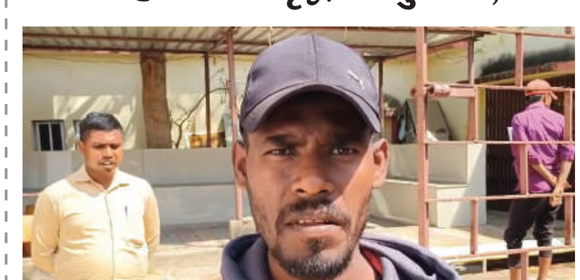

एजेंसी : रांची

लातेहार । जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत मरमर गांव के आसपास जंगली हाथियों का आतंक कायम है। जंगली हाथियों ने यहां एक वृद्ध की जान ले ली। मृतक की पहचान मरमर गांव निवासी टकलू गंझु (72) के रूप में हुई है। इधर इस संबंध में जानकारी देते हुए मृतक टकलू गंझु के पुत्र विनय गंझू ने बताया कि उनके पिता घर से शौच करने के लिए निकले थे। परंतु काफी देर तक घर नहीं लौटे तो अन्य ग्रामीणों के साथ जंगल में उन्हें ढूंढने के लिए गए। वहां उनका शव पड़ा हुआ था। बाद में इसकी जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को दी गई। इसके बाद वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया । वही इस संबंध में रेंजर नंदकुमार महतो ने बताया कि मृतक के परिजनों को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मृतक का पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृत्यु प्रमाण पत्र मिल जाने के बाद विभाग मुआवजा की राशि मृतक के परिजनों को उपलब्ध करा देगी।

पावर टिलर पलटने से किसान की मौत

एजेंसी : रांची

खूंटी। खेत की जुताई करने के दौरान पावर टिलर मिनी टैक्टर के पलट जाने से तोरपा थाना क्षेत्र के बड़का टोली निवासी टाई टोपनो (52)की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जानकारी के अनुसार, टाई टोपनो बुधवार की सुबह पावर टिलर से अपने खेत की जुताई कर रहा था। उसी दौरान पावर टिलर पलट गया और टाई टोपनो उसमें दब गया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हालांकि आनन फानन में परिजन उसे रेफरल अस्पताल तोरपा ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर तोरपा थाना के पुलिस सब इंस्पेक्टर संजीव कुमार अस्पताल पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

समिति की बैठक में लिया गया निर्णय, आपसी समन्वय से होगी छापेमारी

एजेंसी : रांची

पलामू। डालटनगंज के सर्किट हाउस में बुधवार को अंतरराज्यीय समन्वय समिति की बैठक हुई। इसमें पलामू और औरंगाबाद के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में आगामी पर्व-त्योहार, नगर निकाय चुनाव, बिहार विधानसभा आम चुनाव, सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थ, शराब, स्प्रीट, आग्नेयास्त्र आदि प्रतिबंधित सामग्री-वस्तुओं की आवाजाही, नक्सली गतिविधि, ओवरलोड और बिना चालान बालू, पत्थर एवं अन्य खनिजों का परिवहन, नक्सली गतिविधियों आदि की रोकथाम को लेकर कड़े कदम उठाते हुए आपसी समन्वय से छापेमारी अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। दोनों जिलों के जिलाधिकारियों की ओर से संयुक्त अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने का दिया गया। पलामू के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और औरंगाबाद जिले जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। होली के पूर्व तक अवैध शराब, स्प्रीट को लेकर संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंध लगाने के लिए सक्रिय तथा सकारात्मक प्रयास किये जाएंगे। पर्व-त्योहारों के मद्देनजर निकलने वाली जुलूस के निर्धारित मार्ग का संयुक्त रूप से सत्यापन करने और संवेदनशील स्थानों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके लिए अभी से ही सकारात्मक दृष्टिकोण से प्रयास करने की बात कही गयी। बालू सहित अन्य खनिजों की आवाजाही, माल ढुलाई पर जीएसटी का भुगतान किए जाने संबंधी विशेष रणनीति के तहत कार्य करने की सहमति बनी। बैठक में पलामू उपायुक्त शशि रंजन, औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, पलामू की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहू, पलामू के वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, औरंगाबाद के वन पदाधिकारी, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, छतरपुर एसडीओ आशीष गंगवार, हुसैनाबाद के गौरांग महतो, औरंगाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी, पलामू एवं औरंगाबाद के परिवहन पदाधिकारी, छतरपुर, हुसैनाबाद एवं मेदिनीनगर के एसडीपीओ, उत्पाद अधीक्षक, जिला खनन पदाधिकारी सहित सीमावर्ती थानों के थाना प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरुवार, 06 मार्च, 2025

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब चास ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा पीपीएच कार्यक्रम के अंतर्गत आम लोगों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की गई। जांच शिविर बाईपास रोड स्थित डीएस प्लाजा में लगाया गया। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि अब लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक शिक्षित और जागरूक हो रहे हैं। जांच शिविर में डॉक्टर सुमन ने कहा कि किसी बीमारी का इलाज करने की तुलना में उसे रोकना बेहतर होता है। इसलिए नियमित जांच जरूरी है। डॉक्टर सुमन ने कहा कि नियमित जांच बेहतर परिणाम और लंबी उम्र में योगदान देता है।

डॉ श्रवण ने जांच करते हुए कहा कि लोग समस्या होने पर डॉक्टर के पास जाते हैं, लेकिन नियमित जांच से समस्या का निदान संभव है। डॉ श्रवण ने कहा कि समग्र स्वास्थ्य के लिए नियमित जांच आवश्यक है, लेकिन अक्सर इसे हम अनदेखा कर देते हैं। नियमित जांच से समस्याओं का जल्द पता चल जाता है। कार्यक्रम के संयोजक भवनीत सिंह बिंद्रा ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ नियमित जांच आवश्यक हो जाती है और नियमित जांच का प्रकार भी बदल जाता है। सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य जांच अभियान के तहत यह चौहदवा जांच शिविर है। मुकेश अग्रवाल ने बताया कि शिविर में 60 लोगों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की गई। कई लोगों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्या पाई गई। उन्हें चिकित्सीय सलाह भी दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय बैद, पूजा बैद, डिंपल कौर, मंजीत सिंह, ललिता चोपड़ा, जसप्रीत कौर, शैल रस्तोगी, श्वेता रस्तोगी, हरबंस सिंह, प्रेम कुमार, मनोज चौधरी, विनय सिंह आदि का सराहनीय योगदान रहा।

आयुष्मान भारत योजना के तहत DGRC बैठक, एक अस्पताल पर आर्थिक दंड, चार को चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारोः बोकारो में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत जिला शिकायत निवारण समिति (DGRC) की बैठक बुधवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर इस बैठक की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न डॉक्टर और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में NAFU (National Anti Fraud Unit) द्वारा चिन्हित 16 निजी अस्पतालों से जुड़े मामलों पर चर्चा की गई। इनमें से 5 अस्पताल अभी भी सक्रिय हैं, जबकि 10 अस्पतालों को असूचीबद्ध कर दिया गया है और 1 अस्पताल को निलंबित किया गया है। इन 16 अस्पतालों में इलाज से जुड़ी त्रुटियों की समीक्षा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सक्रिय 5 अस्पतालों में से 1 अस्पताल पर आर्थिक दंड लगाया जाएगा, जबकि अन्य 4 अस्पतालों को सख्त चेतावनी दी गई। वहीं, निलंबित अस्पतालों में जिनका आर्थिक पुनर्प्राप्ति (Recovery) नहीं हुआ, उनके संबंध में JSAS, रांची को परामर्श देने पर चर्चा की गई।

चिन्हित 16 निजी अस्पतालों की सूचीः- मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, भारत हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, वृत्ति डायलिसिस, जैन हॉस्पिटल, सेवा सदन, आशा हॉस्पिटल, आशा शशि हॉस्पिटल, सिटी केयर हॉस्पिटल एंड हार्ट सेंटर, ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, लीला जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, नीलम हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड, प्रुडेंस हॉस्पिटल, आरएनबी हॉस्पिटल और पाल आई रिसर्च सेंटर, संजीवनी हेल्थ केयर सेंटर, सेंट ओपल हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर, सुखुशी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल।

बैठक में तय किया गया कि अस्पतालों की सेवाओं की सतत निगरानी की जाएगी और किसी भी अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बोकारो स्टील प्लांट में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा। बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (BSL) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम "Accelerate Action" के तहत महिला कर्मियों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाना और उनके योगदान को प्रोत्साहित करना था।

महिला समिति संचालित स्वावलंबन केंद्र में कार्यरत महिलाओं के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा, ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में 'आकांक्षा' नामक एक टॉक शो आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं के अधिकारों पर चर्चा की गई।

महिला दिवस समारोह के अंतर्गत "सुडोकू", "गोलमाल है", "खेलकूद" और "उड़ान" जैसी प्रतियोगिताएं कराई गईं। "सुडोकू" प्रतियोगिता प्रतिभागियों की संख्यात्मक और तार्किक क्षमता पर केंद्रित थी, जबकि "गोलमाल है" प्रतियोगिता ने टीम वर्क और संवाद कौशल को बढ़ावा दिया।

"गोलमाल है" प्रतियोगिता में सुश्री चित्रा पराशर, सुश्री प्रीति कुमारी और सुश्री प्रेरणा कुमारी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुश्री आभा कुमारी, सुश्री स्नेहलता और सुश्री संगीता धर की टीम दूसरे स्थान पर रही, जबकि सुश्री आयुषी कुमारी, सुश्री भवानी हांसदा और सुश्री शालिनी प्रसाद की टीम तीसरे स्थान पर रही।

खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत 100 मीटर दौड़ में सुश्री नीता ने प्रथम, डॉ. नंदा प्रियदर्शनी ने द्वितीय और सुश्री बबिता कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नीडल एवं थ्रेड रेस में सुश्री बबिता कुमारी प्रथम, सुश्री सीता सिंह द्वितीय और सुश्री देवाश्री टोप्पो तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं, डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में सुश्री बबिता कुमारी ने प्रथम, सुश्री देवाश्री टोप्पो ने द्वितीय और सुश्री नीता बा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इन आयोजनों ने महिलाओं को टीम वर्क, सहयोग और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर दिया। बीएसएल ने इस पहल के माध्यम से कार्यस्थल पर महिलाओं को प्रेरित करने और उनकी भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

इंस्पायर मानक अवार्ड में डीपीएस बोकारो का दबदबा बरकरार, 4 विद्यार्थियों ने फिर मारी बाजी

नवोन्मेषी आविष्कार पूरा करने को भारत सरकार देगी प्रोत्साहन-राशि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर अपनी कुशल वैज्ञानिक प्रतिभा का परचम लहराया है। स्कूली छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता और वैज्ञानिक नवोन्मेषता (नवीन सोच) को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित इंस्पायर मानक अवार्ड योजना में लगातार इस साल भी डीपीएस बोकारो का दबदबा बरकरार रहा। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए विद्यालय के चार विद्यार्थियों को चयनित किया गया है। इनमें सातवीं कक्षा की छात्रा श्रेष्टा चतुर्वेदी, कक्षा - 8 की आयुषी शर्मा, नौवीं कक्षा के छात्र आरुष प्रियदर्शी तथा 10वीं के कृष वर्मा के नाम शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक विद्यार्थी को भारत सरकार की ओर से जिला-स्तरीय प्रदर्शनी सह प्रोजेक्ट प्रतियोगिता के लिए अपना नवोन्मेषी आविष्कार तैयार करने के निमित्त 10 हजार रुपए की प्रोत्साहन सह सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। सभी को

सरकार की तरफ से प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं।

बच्चों ने किए एक से बढ़कर एक आविष्कार- इस वर्ष इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालय के चारों छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आविष्कार कर समाजहित, राष्ट्रहित व जनहित की दिशा में महत्वपूर्ण नवाचार का प्रदर्शन किया है। श्रेष्टा चतुर्वेदी ने वेब एवं मोबाइल आधारित वाटर मैपिंग मॉनिटरिंग सिस्टम इजाद किया है। सैटेलाइट तकनीक के जरिए इसकी मदद से जल-संसाधन तथा इसकी कमी आदि का पता लगाया जा सकेगा। इसी प्रकार आयुषी शर्मा ने बीच रास्ते वाहन चालकों को झपकी आ जाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण आविष्कार किया है। दृष्टि दीपक- एंटी स्लीप ग्लासेज व्हाईल ड्राइविंग नामक इस प्रोजेक्ट के लिए उसे योजना में चुना गया, जिसमें चालकों की आंखों की पलक झपकने की गतिविधि पर सेंसर काम करता है। आयुषी इसके पहले भी स्कूली छात्राओं के लिए बायोमेट्रिक तकनीक आधारित सैनिटरी पैड बॉक्स प्रोजेक्ट के लिए इंस्पायर मानक में चयनित हो चुकी है। वहीं, आरुष प्रियदर्शी ने दोपहिया वाहन चालकों को बारिश और धूप से बचाव के लिए मोड़ने योग्य छाता बनाने का प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया है। जबकि, कृष वर्मा ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए एक ऐसा हेडबैंड तैयार किया है, जो उसे पहनने वाले को रास्ते में पड़ने वाले अवरोधक, शरीर से उसकी दूरी, उसके आकार और लंबाई आदि के बारे में कान में छोटे स्पीकर के जरिए बता देगा।

बच्चों की वैज्ञानिक प्रतिभा निखारने को ले विद्यालय कटिबद्ध : प्राचार्य डॉ. गंगवार- अपने स्कूल के विद्यार्थियों को पुनः यह सुअवसर मिलने पर प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने प्रसन्नता व्यक्त की है। बुधवार को उन्होंने चयनित सभी छात्र-छात्राओं को उक्त योजना के आगामी चरणों के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए पूरे मनोयोग के साथ काम करने और विद्यालय का नाम रोशन करने का संदेश दिया। प्राचार्य ने कहा कि डीपीएस बोकारो परिवार अपने अनुभवी व दक्ष शिक्षकों की सहायता से विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने का हर अवसर प्रदान करता रहा है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि हमारे छात्र-छात्राओं में नवाचार, रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की विद्यालय की प्रतिबद्धता दर्शाती है। इस अवसर पर उक्त विद्यार्थियों के गाइड टीचर मो. ओबैदुल्लाह अंसारी भी उपस्थित थे। विदित हो कि विगत चार वर्षों से लगातार डीपीएस बोकारो के विद्यार्थी इंस्पायर मानक के लिए चयनित हो रहे हैं। स्कूल का छात्र रहे रूपेश कुमार को इंस्पायर मानक के तहत जापान टूर और प्रोजेक्ट पेटेंट के लिए हाल ही में चयनित किया गया है। गत वर्ष अभिनीत शरण नामक छात्र भी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा था।

क्या है इंस्पायर मानक अवॉर्ड योजना- इंस्पायर (इनोवेशन इन साइंस परसुट फॉर इंसपायर्ड रिसर्च) मानक (मिलियन माइंड्स ऑगुमेंटिंग नेशनल एसपिरेशन एंड नॉलेज) अवॉर्ड योजना, भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की एक महत्ती योजना है। इसके तहत विद्यार्थी कोई भी नया और रचनात्मक आइडिया भेज सकते हैं। व्यावहारिकता, सामाजिक उपयोगिता, पर्यावरण की अनुकूलता, नवीनता और वर्तमान तकनीक से बेहतरी के आधार पर चयनित छात्रों को वैज्ञानिक अविष्कारों और मॉडल के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। जिला के बाद राज्य स्तर की प्रदर्शनी सह- प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर चुना जाता है। शीर्ष 60 नए आइडिया वाले मॉडल को राष्ट्रपति भवन में प्रदर्शित किया जाता है। फिर उन्हें राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है और इसके साथ ही चयनित विद्यार्थियों को जापान टूर का अवसर भी मिलता है।

चिन्मय विद्यालय बोकारो में नैतिकता एवं सत्यनिष्ठा पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में (एथिक्स एंड इंटीग्रिटी) विषय पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस विषय का मुख्य उद्देश्य था नैतिकता के प्रयोग द्वारा विद्यालय के छात्रों को एक-दूसरे के साथ अच्छा व्यवहार द्वारा मदद करना तथा विशिष्ट तरीके से एकजुट करना। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सह रिसोर्स पर्सन सूरज शर्मा, शिव शंकर यादव प्राचार्य, बी.आई.एस.एस. एस सेक्टर-11डी सह- रिसोर्स पर्सन एवं उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने किया। दोनों ही रिसोर्स पर्सन को पौधा एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में कुल 52 प्रतिभागियों को 8 समूह में बांटकर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की प्रस्तुति रिसोर्स पर्सन प्राचार्य सूरज शर्मा एवं प्राचार्य शिव शंकर यादव के द्वारा की गई। इसमें प्रतिभागियों ने हर सत्र को प्रसन्नतापूर्वक पूरा किया।

प्राचार्य सूरज शर्मा ने बहुत ही सरल भाषा का प्रयोग करते हुए शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते है, हम अपने व्यवहार और कार्यशैली से उनके जीवन पर अमिट छाप छोड़ते हैं। किसी बच्चे का पहला स्कूल घर और पहले शिक्षक माता-पिता होते हैं। यह अति महत्वपूर्ण है कि हम अपने बच्चे और विद्यार्थियों के समकक्ष कैसा आचरण करते हैं। ईमानदारी, नैतिकता और सत्यनिष्ठा के गुण हमें अपने विद्यार्थियों में प्रारंभ से ही समावेशित करना चाहिए। यह उस नैतिक आचरण को संदर्भित करता है, जो मानवीय मूल्यों का सम्मान करता है और विद्यार्थियों के बीच विश्वास को प्रेरित करता है।

रिसोर्स पर्सन शिव शंकर यादव ने अपने अनोखे अंदाज से सभी को कार्यशाला में बांधे रखा। उन्होंने कई गतिविधियां भी शिक्षकों से करवाई। उन्होंने कहा कि बचपन से ही लाईफ स्किल के माध्यम से शिक्षा देनी चाहिए। समाज में विद्यालय वह स्थान है, जहां छात्र भविष्य के धरोहर के रूप में होते हैं।

विद्यालय प्रबंधन द्वारा दोनों रिसोर्स पर्सन को सम्मानित किया गया। कार्यशाला में झारखंड-बिहार के पटना, रांची, रामगढ़, सरायकेला, हजारीबाग व बोकारो के शिक्षकों ने भाग लिया।

चिन्मय विद्यालय के उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने विद्यालय प्रबंधन, दोनो रिसोर्स पर्सन प्राचार्य सूरज शर्मा, शिव शंकर यादव सहित सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद किया। रणधीर नारायण ने तकनीकी सहयोग दिया, साथ ही रजनीश चौधरी, रणविजय ओझा, नितेश पांडेय, स्मृति वोहरा, अंजनी ने भी कार्यशाला को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग किया। मंच का संचालन सुप्रिया चौधरी ने किया।

बोकारोः डीसी के व्यवहार से असंतुष्ट सांसद और विधायक, विधानसभा में गूंजा मामला

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो

बोकारो की उपायुक्त (DC) विजया जाधव के व्यवहार को लेकर धनबाद के सांसद, बोकारो की विधायक और चंदनकियारी के विधायक नाराज हैं। यह मामला झारखंड विधानसभा में भी गूंजा, जहां बोकारो विधायक श्वेता सिंह और चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने डीसी के व्यवहार की कड़ी आलोचना की।

विधानसभा में चर्चा के दौरान विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि उपायुक्त ने फोन पर उनसे जिस अमर्यादित तरीके से बातचीत की, वह अस्वीकार्य है। इस पर विधायक उमाकांत रजक ने भी सहमति जताई और कहा कि डीसी का व्यवहार असहनीय है। दोनों विधायकों ने सदन से इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार सभी विधायकों के सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायत करने वाले विधायकों से बातचीत कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि धनबाद सांसद ढुल्लू महतो भी कुछ महीने पहले उपायुक्त विजया जाधव के खिलाफ इसी तरह की शिकायत कर चुके हैं। उन्होंने इसे संसद में उठाने की बात कही थी और यहां तक दावा किया था कि डीसी को विशेषाधिकार हनन का नोटिस भेजा जाने वाला है। हालांकि, तब डीसी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि उन्हें अब तक ऐसी कोई नोटिस नहीं मिली।

अब देखना होगा कि इस मामले में सरकार क्या कदम उठाती है और सत्ता पक्ष के इन दो विधायकों के नाराजगी के घाव पर सरकार कैसे मरहम लगाती है।

श्यामा माई मंदिर में होली महोत्सव के साथ बहने लगी भागवत-ज्ञान की रसधार

भागवत दृष्टि रखकर ही जीवन में सुखी हो पाना संभव : गोविंद कृष्ण शास्त्री

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : मैथिली कला मंच, कालीपूजा ट्रस्ट के तत्वावधान में एक बार फिर फाल्गुन में श्रीमदभागवत कथा का अनूठा सम्मिलन शुरू हुआ। नगर के सेक्टर-2डी स्थित काली मंदिर (श्यामा माई मंदिर) में होली महोत्ससव के साथ-साथ श्रीमद्भागवत कथा रस वृष्टि का आयोजन बुधवार को विधिवत शुरू हो गया। इसके पूर्व, मंगलवार को कलशयात्रा के साथ अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ था। रंगों की फुहार वाले त्योहार होली में एक बार फिर भागवत ज्ञान के रस में सराबोर करने भागवत भास्कर कृष्णचंद्र ठाकुर जी महाराज के कृपापात्र शिष्य व्यास विग्रह गोविंद कृष्ण शास्त्री जी महाराज मथुरा के वृंदावन धाम से पहुंचे हैं। मंदिर प्रांगण में 10 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 3 से संध्या 7 बजे तक भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। 11 मार्च को प्रातः 9 बजे से कथा का पूर्णाहुति होगी।

बुधवार को कार्यक्रम में पहुंचे श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गोविंद कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने गीत-संगीत के साथ आत्मदेव नामक ब्राह्मण और उसकी पत्नी धुंधली की कथा का वर्णन करते हुए भागवत ज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीवन में अगर हम सुखी होना चाहते हैं, तो हमें भागवत दृष्टि रखनी होगी। इसके लिए उक्त प्रसंग सुनाते हुए श्री शास्त्री ने कहा कि तुंगभद्रा नदी के किनारे के एक गांव था, जहां आत्म देव नाम का एक ब्राह्मण और उसकी

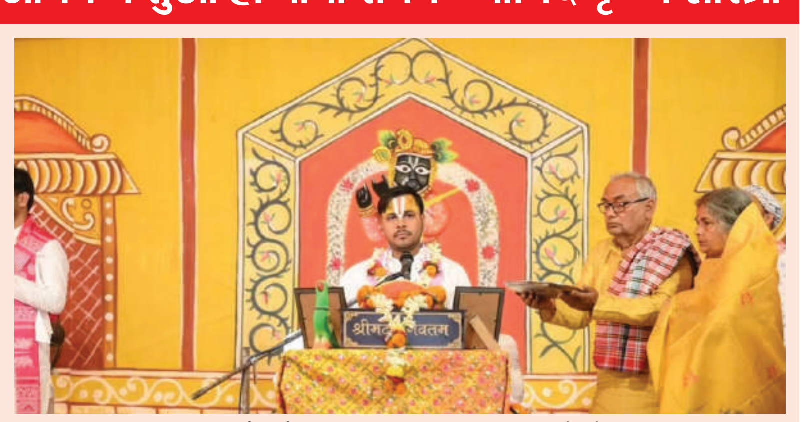

पत्नी धुंधली रहती थी। आत्म देव तो सज्जन था, लेकिन उसकी पत्नी दुष्ट प्रवृत्ति की थी। आत्म देव बहुत उदास रहता था, क्योंकि उसकी कोई संतान नहीं थी। इससे वह हताश रहते थे। एक दिन जंगल की तरफ वह आत्महत्या करने निकल गए। रास्ते में उन्हें में एक ऋषि मिले। उन्हें आत्म देव अपनी कहानी सुनाकर रोने लगा। बाद में कैसे ऋषि ने उसे फल दिया, किस प्रकार धुंधली ने गर्भवती होने का नाटक किया, अपनी बहन की संतान को अपना बताया और छल से गाय को ऋषि द्वारा दिया गया फल खिलाए जाने के बाद गाय द्वारा मनुष्य बालक गोकर्ण के जन्म देने की कहानी का उन्होंने वर्णन किया। धुंधली की बहन का पुत्र धुंधकारी, जिसे वह अपनी संतान बता रही थी, किस प्रकार अनैतिक कार्यों में रहता था और अपने पिता को ही मारता-पीटता था, इसका सुंदर व मार्मिक तरीके से संगीतमय प्रस्तुतीकरण शास्त्रीजी ने किया। अपने दुखी पिता आत्म देव को देख गोकर्ण उनके पास आया और उनको वैराग्य जीवन जीने के लिए कहा। उसी ने बताया कि संसार में हम बस भागवत दृष्टि रखकर ही सुखी हो सकते है। गोकर्ण की बात मानकर आत्म देव गंगा के किनारे आकर भागवत के दशम स्कंध का पाठ करने लगे थे और उसी जीवन में उन्हें भगवान श्री कृष्ण की प्राप्ति हो गयी थी।

कथा में मुख्य रूप से मैथिली कला मंच, काली पूजा ट्रस्ट के महामंत्री सुनील मोहन ठाकुर, मुख्य यजमान मंजू मिश्र, गोविंद मिश्र, श्यामानंद मिश्र, इंदु मिश्र, ममता सिंह, सतीश सिंह, सुशील कुमार झा, पं. गोविन्द झा आदि उपस्थित रहे। इस क्रम में राधा-कृष्ण की मनोरम झांकी भी प्रस्तुत की गई।

डालमिया भारत फाउंडेशन के सॉफ्ट टॉय मेकिंग कार्यक्रम के माध्यम से सशक्त हो रहीं महिलाएं

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डीबीएल की सीएसआर शाखा, डालमिया भारत फाउंडेशन ने ग्रामीण आजीविका प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई), बोकारो के साथ मिलकर गोराबाली उत्तरी पंचायत भवन में 13 दिन का सॉफ्ट टॉय बनाने का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को हस्तकला कौशल सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। इस प्रशिक्षण में कुल 35 महिलाओं ने भाग लिया, जिन्हें प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए गए।

समारोह में डीसीबीएल बोकारो के यूनिट हेड सुनील कुमार के भुसारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही, आरसेटी बोकारो के निदेशक सुमन प्रभात एक्का और गोराबली उत्तरी पंचायत के मुखिया बालेश्वर सिंह राठौर भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इसके अलावा, डीसीबीएल बोकारो के प्रगति क्लब के सभी सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और प्रशिक्षार्थियों को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम को लेकर सुनील भुसारी ने कहा कि डालमिया भारत ग्रामीण समुदायों को कौशल-आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने नगर परिषद कार्यालय का निरीक्षण किया नगर निकाय चुनाव को लेकर

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंज : नगर परिषद में आने वाले नगर निकाय चुनाव चुनाव की तैयारी को लेकर उपायुक्त हेमंत सती ने मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदाता सूची विखंडीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।मतदाता सूची में पारदर्शिता और शुद्धता बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि मतदाता सूची में कोई त्रुटि न रह जाए। उन्होंने पदाधिकारियों को समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के लिए निर्देशित किया संबंधित पदाधिकारियों से अब तक हुई प्रगति की जानकारी ली और नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन कार्य की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए मतदाता सूची का शुद्ध होना आवश्यक है।

जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह मौजूद थे।

आजीविका उत्पाद प्रदर्शनी मेला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा। साहिबगंजः जिला के बोरियो प्रखंड में आजीविका उत्पाद प्रदर्शनी मेला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण उत्पादक समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के प्रदर्शन, विपणन और ब्रांडिंग को बढ़ावा देना था।

इस प्रदर्शनी में कृषि उत्पाद, जैविक खाद्य सामग्री, हर्बल गुलाल, हर्बल उत्पाद, अचार, मसाले और अन्य स्वदेशी उत्पादों की स्टॉल लगाई गईं। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से की गई।

कार्यक्रम के दौरान उत्पादक समूहों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, ताकि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता और नवाचार में सुधार कर सकें। यह सम्मान महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए दिया गया, जिससे वे अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हों।

कार्यक्रम में वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और महिला उत्पादक समूहों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही, वित्तीय सहायता और आधुनिक विपणन तकनीकों से अवगत कराते हुए बाजार से जोड़ने की पहल की गई।

स्थानीय लोगों ने इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे भविष्य में और बड़े स्तर पर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

अनुमंडल पुस्तकालय का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंज : जिला उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय टाउन हॉल स्थित अनुमंडल पुस्तकालय का निरीक्षण किया।उन्होंने पुस्तकालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, साफ-सफाई एवं बैठने की व्यवस्था की जानकारी ली।लाइब्रेरी में अध्ययनरत विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में आवश्यक संसाधनों की कमी को जल्द पूरा किया जाएगा ताकि विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण मिल सके।

बोकारो में सुपरफूड की खेती को बढ़ावा देने के लिए नवाचार पर हुई बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः 05 मार्च, 2025 को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव की अध्यक्षता में कृषि क्षेत्र में नवाचार को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्विनोआ, स्पिरुलिना और चिया बीज जैसी उच्च मूल्य वाली सुपरफूड फसलों की पायलट खेती पर चर्चा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य बोकारो में कुपोषण की समस्या को दूर करना और किसानों को कम जल की आवश्यकता वाली लाभदायक फसलों की खेती के लिए प्रेरित करना है। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, PRADAN NGO के विशेषज्ञ एवं JSLPS के जिला परियोजना प्रबंधक उपस्थित रहे।

कम लागत में अधिक लाभ देने वाली फसलों पर जोर- बैठक के दौरान उपायुक्त विजया जाधव ने बताया कि बोकारो के किसानों के पास सीमित कृषि भूमि और संसाधन हैं, इसलिए उन्हें ऐसी फसलों की ओर रुख करना चाहिए जो कम लागत में अधिक मुनाफा दें और बाजार में जिनकी अच्छी मांग हो।

KVK पेटरवार में चिया बीज की सफल पायलट खेती- बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) पेटरवार द्वारा 80 डिसमिल भूमि पर चिया बीज की पायलट खेती के सफल परिणामों पर चर्चा की गई। ये बीज रांची में बेचे जा रहे हैं और KVK एक खरीदार के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत ऑनलाइन बिक्री शुरू करने की योजना बना रहा है। इस सफलता को देखते हुए, KVK पेटरवार इस वर्ष 10 एकड़ भूमि में चिया बीज की खेती का विस्तार करने का लक्ष्य रख रहा है, जिसमें प्रगतिशील किसान और किसान उत्पादक संगठन (FPOs) भाग लेंगे।

सिंचाई सुविधाओं और व्यापक प्रचार पर जोर- बोकारो में कई किसान और FPO कार्यरत हैं, जिनमें से कई को कृषि स्मार्ट गांवों के तहत संगठित किया गया है। इसके अलावा, जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) के माध्यम से सोलर लिफ्ट सिंचाई इकाइयों जैसी सुविधाएँ भी स्वीकृत की गई हैं। इस अनुकूल वातावरण को देखते हुए, क्विनोआ, स्पिरुलिना और चिया बीज की खेती के लिए कसमार, पेटरवार और जरीडीह प्रखंडों में एक व्यापक योजना तैयार की जा रही है।

इस संदर्भ में उपायुक्त विजया जाधव ने संबंधित अधिकारियों को मृदा परीक्षण, किसानों के मध्य जागरूकता और बेहतर विपणन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, PRADAN NGO, कृषि विभाग और JSLPS को इस योजना को सफलतापूर्वक लागू करने में सहयोग करने को कहा गया। जिला कृषि पदाधिकारी ने इस संबंध में तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने पर सहमति जताई।

पोषण सुधार और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में अहम कदम- यह पहल स्थायी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ बोकारो जिले में पोषण सुधार और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन और विभिन्न संगठनों के सहयोग से, सुपरफूड की खेती को प्रोत्साहित करने की यह योजना स्वास्थ्य और आर्थिक विकास, दोनों को गति देने में सहायक साबित होगी।

साहिबगंज के पत्रकार ने गर्भवती महिला को रक्तदान कर बचाई जान, परिजनों ने जताया आभार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के सूतियारपाड़ा जोंका निवासी गर्भवती महिला द्रौपदी कुमारी को प्रसव पीड़ा के चलते सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने बताया कि महिला के शरीर में खून की कमी होने के कारण प्रसव नहीं हो पा रहा था और उसे तुरंत रक्त चढ़ाने की आवश्यकता थी। लेकिन उसके परिवार में कोई भी रक्तदाता मौजूद नहीं था, जिससे परिजन बेहद परेशान थे।

इसी बीच, राष्ट्रीय मुख्यधारा के हिंदी दैनिक समाचार पत्र के जिला ब्यूरो और तालबन्ना निवासी पत्रकार दीपक कुमार केशरी को इस घटना की जानकारी मिली। बिना देर किए उन्होंने ओ पॉजिटिव रक्तदान कर गर्भवती महिला की जान बचाई। हालांकि, समय पर रक्त नहीं मिलने के कारण गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई, जिसे ऑपरेशन कर बाहर निकाला गया।

परिजनों ने जताया आभार- गर्भवती महिला के परिजनों ने पत्रकार दीपक कुमार केशरी का दिल से आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके इस मानवीय कार्य से एक जीवन बच गया।

रक्तदान को लेकर जागरूकता की अपील- पत्रकार दीपक कुमार केशरी ने कहा कि आज भी विकट परिस्थितियों में लोग अपने परिवार या सगे-संबंधियों को रक्तदान करने से डरते हैं, जबकि रक्तदान से किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता। इसके विपरीत, रक्तदान करने से कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है और यह समाज के लिए एक महत्वपूर्ण सेवा है। उन्होंने लोगों से रक्तदान के प्रति जागरूक होने और अधिक से अधिक रक्तदान करने की अपील की।

आईजी डॉ माइकेलराज एस ने अपार्टमेंट्स में पुलिस वेरिफिकेशन और सीसीटीवी अनिवार्य करने का दिया निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधाराः धनबाद

बोकारो प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) डॉ माइकेलराज एस ने बुधवार को धनबाद जिला समाहरणालय सभागार में रेसिडेंशियल सोसायटी एसोसिएशन के साथ एक बैठक की। इस बैठक में शहर के सभी रेसिडेंशियल अपार्टमेंटों में सुरक्षा उपायों को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस महानिरीक्षक ने अपार्टमेंट्स में सुरक्षा को लेकर कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने सभी रेसिडेंशियल अपार्टमेंट्स में गार्ड, नौकर, किरायेदार, और ड्राइवर का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से करवाने की बात कही। साथ ही, अपार्टमेंट्स में सीसीटीवी कैमरे और विजिटर रजिस्टर रखने की आवश्यकता जताई, जिससे हर व्यक्ति का विवरण दर्ज किया जा सके। उन्होंने किरायेदारों के बारे में पूरी जानकारी लेने और संदिग्ध आचरण वाले व्यक्तियों पर निगरानी रखने की सलाह दी। यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध लगे, तो नजदीकी थाना को सूचित करने का निर्देश भी दिया।

डिजिटल अरेस्ट और आपातकालीन हेल्पलाइन से सतर्क रहने के लिए भी उन्होंने एसोसिएशन के सदस्यों को जागरूक किया। उन्होंने अपील की कि साइबर अपराध की जानकारी 1930 नंबर पर दी जाए और फ्रॉड कॉल आने पर उसका स्क्रीनशॉट लेकर चक्षु वेबसाइट पर शिकायत की जाए। इसके अलावा, अपार्टमेंट में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की सूचना थाना को देने और डिलीवरी पर्सन व अन्य लोगों का सत्यापन करने की बात भी कही।

बैठक में धनबाद एसएसपी एचपी जनार्दनन ने सीएसआर फंड से जिले के प्रमुख चौक-चौराहों पर ट्रैफिक लाइट और एआई कैमरे लगाने का ऐलान किया, ताकि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों का ऑटोमेटिक चालान कट सके। उन्होंने अपार्टमेंट्स और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे और अग्निशमन यंत्र लगाने के साथ-साथ 112 और 1930 नंबर को डिस्प्ले करने का निर्देश दिया।

इस बैठक में ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, डीएसपी डीएन बंका, नौशाद आलम, शंकर कामती, धनबाद व सरायढेला थाना प्रभारी और एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे।

बोकारोः तेतुलिया की वन भूमि के फर्जी दस्तावेज मामले में सीआईडी ने शुरू की जांच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो जिले के तेतुलिया मौजा में स्थित करीब 100 एकड़ से अधिक वन भूमि की फर्जी खरीद-बिक्री के मामले में सीआईडी ने जांच शुरू कर दी है। सीआईडी ने बोकारो के सेक्टर-12 थाना में दर्ज कांड संख्या 32/2024 को टेकओवर कर जांच की प्रक्रिया शुरू की है।

यह भूमि जंगल-साल प्रकार की है और गैरमजरुआ मालिक के तहत आती है। इसका खतियान संख्या 59, थाना संख्या 38, प्लॉट संख्या 426 और 450 है, जिसकी कुल रकबा 100 एकड़ है।

जंगल-साल भूमि होने के कारण इस पर अतिक्रमण या बिक्री की स्थिति में सबसे पहले वन विभाग को कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से यह भूमि बिकती रही और इस पर निर्माण भी होता रहा, जबकि वन विभाग के अधिकारियों ने चुप्पी साधे रखी।

इस भूमि को लेकर कानूनी लड़ाई भी लड़ी गई, जिसमें जिला प्रशासन ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक मामले को पहुंचाया, लेकिन इस मामले में जिला प्रशासन के पक्ष में कोई आदेश नहीं आया।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बोकारो वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने हाईकोर्ट में लिखित माफीनामा देकर तेतुलिया की भूमि की खरीद-बिक्री पर रोक के लिए दिए गए पत्र को वापस ले लिया।

12 मार्च 2021 को बोकारो के चास वन क्षेत्र पदाधिकारी ने जिला अवर निबंधक को पत्रांक संख्या 895 के माध्यम से यह निर्देश दिया था कि तेतुलिया मौजा की भूमि की रजिस्ट्री नहीं की जाए। लेकिन बाद में वन विभाग ने हाईकोर्ट में पलटी मारते हुए अपना पत्र वापस ले लिया और अदालत को सूचित किया।

इस पूरे मामले में सीआईडी की जांच अब यह साफ करने की कोशिश करेगी कि कैसे और किन परिस्थितियों में वन विभाग के अधिकारियों ने इस मामले में चुप्पी साधी और तेतुलिया की वन भूमि की खरीद-बिक्री संभव हो पाई।

गोला में प्रेस क्लब रामगढ़ का परिचय पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ः प्रेस क्लब रामगढ़ (पीसीआर) का परिचय पत्र वितरण कार्यक्रम बुधवार को गोला के रजरप्पा रोड स्थित द्वारिका पैलेस में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रेस क्लब रामगढ़ के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार बीरू एवं कोषाध्यक्ष दुर्वेज आलम उपस्थित थे। इस दौरान अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार बीरू ने गोला क्षेत्र के पीसीआर सदस्यों के गले में परिचय पत्र डाला और कोषाध्यक्ष दुर्वेज आलम ने उन्हें सदस्यता शुल्क की रसीद दी। इस दौरान पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं, पीसीआर की मजबूती, नए सदस्यों को जोड़ने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। साथ ही होली मिलन समारोह आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। इसके लिए तिथि की घोषणा करते हुए अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार बीरू ने कहा कि आगामी 9 मार्च को होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2 वर्षों के कार्यकाल में हमलोग नया कीर्तिमान हासिल करेंगे। मौके पर मनोज कुमार मिश्रा,जितेंद्र कुमार ,लालकिशोर महतो,मोबिन अख्तर ,कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार रविदास, मनोहर लहेरी, श्रीकांत महतो,ओमप्रकाश गुप्ता,सुजीत सिन्हा ,अशफाक अहमद,अंजनी कुमार ,पंकज पाठक,सुरेश राम थे।

कनारी पश्चिम पंचायत में बाहा बोंगा (सरहूल पूजा) संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के चास प्रखंड अंतर्गत कनारी पश्चिम पंचायत के ग्राम बरुआ टांड़ में माराड़ बुरू बाहा बोंगा समिति द्वारा फागुन चांदो मुलूअ मोड़े माह में बाहा बोंगा (सरहूल पूजा) का आयोजन किया गया। यह धार्मिक अनुष्ठान ग्राम प्रधान (माझी हाड़म) उपेन्द्र हेम्बरम और नायके विजय मार्डी के नेतृत्व में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

पूजा के दौरान नायके विजय मार्डी ने सखुआ और महुआ के फूलों को माराड़ बुरू, जाहेर आयो, मोड़ेको, तुरय को और सभी देवी-देवताओं को अर्पित किया। इसके बाद, उन्होंने सभी सरना धर्म और प्रकृति पूजकों को सखुआ फूल प्रदान कर माराड़ बुरू और जाहेर आयो का आशीर्वाद दिया।

माराड़ बुरू बाहा बोंगा समिति के अध्यक्ष और ग्राम प्रधान (माझी हाड़म) उपेन्द्र हेम्बरम ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है। उन्होंने आदिवासी समुदाय की संस्कृति, भाषा, भूमि, रोजगार, चास-वास और सामाजिक पहचान को सुरक्षित एवं समृद्ध करने के लिए व्यापक सामाजिक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बाहा पूजा (सरहूल पूजा) को आदिवासी समाज में राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक एकजुटता का प्रतीक बताया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि आदिवासी सेंगेल अभियान के प्रदेश संयोजक करमचंद हांसदा ने कहा कि बाहा बोंगा (सरहूल पूजा) जल, जंगल और जमीन बचाने का महान पर्व है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि आदिवासी समाज को सरना धर्म कोड प्रदान किया जाए ताकि उनकी धार्मिक पहचान को मान्यता मिले। साथ ही, झारखंड सरकार से संताली भाषा को प्रथम राजभाषा का दर्जा देने की अपील की।

इस धार्मिक अनुष्ठान में कालीचरण किस्कू, बुकानन बेसरा, नारायण हेम्बरम, गुहिराम हेम्बरम, भीम मुर्मू, सुखदेव मुर्मू, विंतोष टुडू, रखो किस्कू, हरीराम हेम्बरम, संजूल मुर्मू, कृष्णा किस्कू, गोपिनाथ मुर्मू, जयराम सोरेन, नेपाल किस्कू, दिलशान टुडू और वीरेंद्र सोरेन सहित सैकड़ों ग्रामीण पुरुष एवं महिलाएं शामिल हुईं।

विस्थापितों की समस्याओं पर विधायक श्वेता सिंह ने विधानसभा में उठाई आवाज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने बुधवार को रांची स्थित झारखंड विधानसभा में लंबे समय से चली आ रही विस्थापितों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने प्रश्न के माध्यम से कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र के निर्माण के बाद से इसने न केवल झारखंड बल्कि पूरे भारत के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन इस विकास के पीछे विस्थापितों की अनदेखी की एक दर्दनाक कहानी भी छुपी हुई है।

विस्थापित गांवों की समस्या और उनकी स्थिति- विधायक ने बताया कि बोकारो में 19 विस्थापित गांवों को अब तक पंचायती राज व्यवस्था में शामिल नहीं किया गया है। इन गांवों में लगभग 60,000 की आबादी निवास करती है, जिन्होंने अपनी निजी जमीन औद्योगिक विकास के लिए दी, लेकिन आज ये खानाबदोश जैसी स्थिति में जीवन जीने को मजबूर हैं।

उन्होंने कहा कि विस्थापित क्षेत्र के लोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदान कर सकते हैं, लेकिन पंचायती राज व्यवस्था से बाहर होने के कारण पंचायत चुनावों में भाग नहीं ले सकते। इसका सीधा असर उनके गांवों के विकास और मूलभूत सुविधाओं पर पड़ता है।

सरकारी योजनाओं से वंचित विस्थापित परिवार- विधायक श्वेता सिंह ने यह भी बताया कि राज्य सरकार की कोई भी योजना इन विस्थापित क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रही है। यहां के लोग अपने मूलभूत दस्तावेज, जैसे निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड आदि, प्रखंड कार्यालय से बनवाने में असमर्थ हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि विस्थापितों ने अपनी जमीन देश के औद्योगिक विकास में योगदान देने के लिए दी, लेकिन बदले में सरकारी सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों से पूरी तरह वंचित हैं।

राज्य सरकार का आश्वासन- इस मुद्दे पर झारखंड के पंचायती राज मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार विस्थापितों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बोकारो इस्पात संयंत्र से सहमति प्रमाण पत्र मिलने के बाद विस्थापित गांवों में पंचायती राज लागू करने के लिए नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अब देखना होगा कि सरकार विस्थापितों की इन पुरानी और जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कब और कैसे ठोस कदम उठाती है।

संक्षिप्त समाचार

आपसी संघर्ष में दो हाथियों की मौत, विभाग ने शुरू की हाथियों के कॉरिडोर पर निगरानी

पलामू, एजेंसी। हाथियों का प्रजनन काल शुरू हो गया है. इस काल में हाथी हिंसक हो जाते हैं और हाथियों के बीच वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो जाती है. झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व में पिछले 20 दिनों में हाथियों के आपसी संघर्ष में दो हाथी की मौत हुई है. 16 फरवरी को पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में हाथियों का एक ग्रुप आपस में भिड़ गया था. इस संघर्ष में एक हाथी की मौत हो गई थी. शनिवार को पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला नेशनल पार्क के इलाके में हाथियों का आपसी संघर्ष हुआ था. इस संघर्ष में एक हाथी गंभीर रूप से जख्मी हो गया था. दो दिनों तक इलाज चलने के बाद उसकी मौत हो गई थी. दोनों हाथी की मौत के बाद विभाग के अधिकारियों ने हाथियों के हिंसक होने के पीछे के कारण का पता लगाया. जिसमें पाया गया कि प्रजनन काल शुरू होने से हाथी हिंसक हुए हैं. हालांकि पलामू टाइगर रिजर्व के हाथी बेहद कम हिंसक होते हैं. वर्ष में एक बार हाथियों का प्रजनन काल होता है. इस दौरान उनकी आंखों और सिर के पास से गीला पदार्थ निकलता है. जिससे यह पता चलता है कि उनका प्रजनन काल शुरू हुआ है. दोनों हाथियों की मौत प्रजनन काल के दौरान आपसी संघर्ष में हुई है. हाथियों के प्रजनन को लेकर विभाग अलर्ट पर है. वही हाथी का यह प्राकृतिक दौर है. इस दौरान हाथियों का कभी-कभी हिंसक स्वरूप देखने का मिलता है.÷ -प्रजेशकांत जेना, उप निदेशक, पीटीआर झारखंड में हाथियों के कई कॉरिडोर हैं. पलामू टाइगर रिजर्व और दलमा के इलाके में सबसे अधिक हाथियों की संख्या है. पलामू टाइगर रिजर्व में 180 से 200 के बीच हाथियों की संख्या है. वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट की एक टीम ने पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में कैंप कर हाथियों के व्यवहार का आकलन किया है. वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट हाथियों के व्यवहार के आकलन से जुड़ी सर्वे रिपोर्ट जारी करेगी. दरअसल, पीटीआर के हाथी बेहद ही कम हिंसक होते हैं और इनका एक ही दांत होता है. पीटीआर में मौजूद हाथी कहां के हैं इसका भी जेनेटिकल आकलन किया गया है.

रांची में बार और रेस्टोरेंट मालिकों को मिली राहत, हाईकोर्ट ने नगर निगम के ऑर्डर पर लगाई रोक

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट से शहर के दो रूफ टाप बार और रेस्टोरेंट संचालकों को बड़ी राहत मिली है। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ में ग्रीका किचन एवं बार और प्राना लाउंज की याचिका पर सुनवाई करते हुए रांची नगर निगम के आदेश पर रोक लगाई दी है। कोर्ट ने मौखिक कहा कि

इनसे लोगों को रोजगार और सरकार को राजस्व की प्राप्ति हो रही है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि रांची नगर निगम का आदेश समानता के अधिकार और व्यवसाय करने की स्वतंत्र का उल्लंघन है। नगर निगम ने दोनों पर अवैध निर्माण का आरोप लगाकर रूफ टाप बार एंड रेस्टोरेंट बंद करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ इनकी ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। सुनवाई के दौरान प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने अदालत को बताया कि दोनों बार एवं रेस्टोरेंट जिस भवन में चल रहे हैं, उसका नक्शा रांची नगर निगम से स्वीकृत है। रूफ टाप पर केवल बार एवं रेस्टोरेंट संचालित है। जहां कुर्सी टेबल के अलावा अस्थाई संरचना बनाई गई है। इसका किचन और स्टोर स्वीकृत नक्शा के अंदर संचालित है। दोनों रेस्टोरेंट अग्निशमन सुरक्षा के मापदंड को पूरा कर रहे हैं। विभाग से भी इन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया है। फूड सेफ्टी लाइसेंस, बार लाइसेंस आदि भी सक्षम पदाधिकारी से प्राप्त है। रांची नगर निगम के पास रूफ टाप बार एवं रेस्टोरेंट के संचालन को लेकर कोई नियमावली नहीं है।

प्रदेश में सिर्फ 6.8 प्रतिशत आदिवासी परिवारों के पास अस्थायी नौकरी

रांची, एजेंसी। झारखंड में बड़ी संख्या में आदिवासियों की आबादी निवास करती है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक राज्य की कुल जनसंख्या का 26.2 प्रतिशत जनजातीय समुदाय है। हालांकि यह भी एक विडंबना है कि आदिवासियों की हिस्सेदारी सरकारी और स्थायी नौकरियों में नगण्य है।वास्तविकता यह है कि सिर्फ 6.8 प्रतिशत आदिवासी परिवारों के पास अस्थायी नौकरी है।

सरकारी नौकरियों में तो इनकी भागीदारी सिर्फ 3.49 प्रतिशत है। इनकी आजीविका मुख्य तौर पर अस्थायी काम और कृषि पर निर्भर है। इसके मुकाबले अनुसूचित जाति की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है।

अनुसूचित जाति परिवारों में 8.2 प्रतिशत के पास स्थायी नौकरी है, जबकि सरकारी नौकरियों में 5.08 प्रतिशत अनुसूचित जाति समुदाय के लोग कार्यरत हैं। राज्य सरकार की ताजा आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में इससे संबंधित खुलासा किया गया है। सर्वेक्षण के मुताबिक आदिवासियों में सर्वाधिक 31.86 प्रतिशत संथाल जनजाति है। उसके बाद उरांव 19.85 प्रतिशत, मुंडा 14.21 प्रतिशत, और हो जनजाति 10.73 प्रतिशत है। राज्य में नौ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) हैं, जिसमें असुर, बिरहोर,

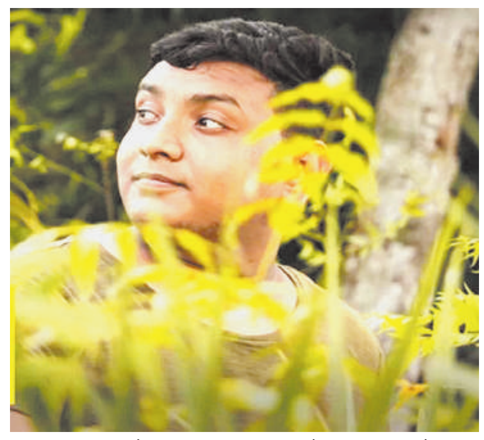

माल पहाड़िया, सौरिया पहाड़िया प्रमुख तौर पर शामिल हैं। यह समुदाय अत्यधिक सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासी परिवारों का प्रतिशत 29 फीसद है, जो राष्ट्रीय औसत 11 प्रतिशत और पूर्वी क्षेत्र के औसत 10 प्रतिशत से अधिक है। खूंटी में 75 प्रतिशत, सिमडेगा में 67 प्रतिशत, पश्चिमी सिंहभूम में 62 प्रतिशत और लोहरदगा जिले में 61 प्रतिशत आदिवासी हैं। जबकि कोडरमा में सिर्फ एक प्रतिशत और पलामू में नौ प्रतिशत इनकी आबादी है।

राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में आदिवासियों का महत्वपूर्ण योगदान है। गरीबी, शिक्षा की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की कम पहुंच और बुनियादी सेवाओं की सीमित पहुंच से वे चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में इनके उत्थान के लिए सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण पर केंद्रित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं आरंभ की है, जिससे हालात तेजी से बदलने के संकेत हैं।

छात्रवृति योजनाओं के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देने, महिला सशक्तीकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय करने, स्वास्थ्य सेवाओं में आशातीत सुधार लाने और सतत आजीविका के विकास पर ध्यान केंद्रित करने संबंधी पहल से महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। जनजातीय समेत अन्य वंचित समुदाय के लिए सरकार ने शिक्षा में छात्रवृति से लेकर फेलोशिप तक के कार्यक्रम धरातल पर उतारे हैं। टाप-क्लास छात्रवृति योजना से इंजीनियरिंग, मानविकी प्रबंधन और विज्ञान पाठ्यक्रमों से अबतक 304 छात्र लाभ उठा चुके हैं। राष्ट्रीय फेलोशिप योजना के जरिए पीचएडी और एमफिल छात्रों को आर्थिक सहायता दी जाती है। ओवरसीज छात्रवृति योजना के तहत यूके, यूएस और आस्ट्रेलिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता मिलती है। इसका लाभ उठाने के लिए छात्र-छात्राएं आगे आ रहे हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को सब्सिडी वाले खाद्यान्न के लिए पीवीटीजी डाकिया योजना के तहत खाद्य सुरक्षा। गुमला में रागी (फिंगरमिलेट) की खेती में 219 प्रतिशत की वृद्धि को रागी क्रांति कहा जा रहा है। इससे महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से पोषण एवं आय में सुधार हुआ। बिरसा आवास निर्माण योजना से आर्थिक रूप से कमजोर जनजातियों को गुणवत्तापूर्ण आवास और अबुआ आवास योजना के तहत आठ लाख घरों के निर्माण का लक्ष्य, प्रत्येक लाभार्थी को दो लाख रुपये की वित्तीय सहायता।

ब्लाक स्तरीय ग्रामीण कौशल अधिग्रहण संस्थान (बिरसा) के तहत 24 जिलों के 80 प्रखंडों में स्थानीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम। मुख्यमंत्री सारथी योजना के जरिए युवाओं को रोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण में सहायता। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना से वंचित समुदायों को चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय मदद।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को मिलेगी मुफ्त कोचिंग, बिरसा कॉलेज में बनेगा सेंटर

खूंटी, एजेंसी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे ग्रेजुएट आदिवासी छात्र-छात्राओं के लिए खुशखबरी है. आदिवासी कल्याण विभाग ने उन छात्रों की मदद करने का फैसला लिया है जो प्रतिभा के बावजूद अच्छी कोचिंग से वंचित रह जाते हैं. आदिवासी कल्याण विभाग ऐसे छात्रों के लिए विशेष कोचिंग की व्यवस्था करने जा रहा है. अब खूंटी में 100 आदिवासी छात्रों को कोचिंग की सुविधा दी जाएगी. नई पहल के तहत बिरसा कॉलेज में कोचिंग संचालित की जाएगी.

संपूर्ण शिक्षा कवच के नाम से जिला प्रशासन कमजोर आय वाले छात्रों को फ्री में नीट और जेईई की तैयारी करा रहा है. यहां हर साल दर्जनों छात्र क्वालीफाई कर रहे हैं और बड़े संस्थाओं में दाखिला ले रहे हैं. इस बीच कल्याण विभाग गरीब छात्रों को निःशुल्क कोचिंग की सुविधा मुहैया कराने जा रहा है. जल्द ही बिरसा कॉलेज में इसकी शुरुआत होने जा रही है.

कल्याण विभाग ने इसके लिए पूरी तैयारी शुरू कर दी है. उद्देश्य है कि ग्रेजुएशन के बाद गरीब परिवार के बच्चे उच्च शिक्षा हासिल नहीं कर पाते हैं और प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी नहीं कर पाने के कारण वह रोजगार से वंचित रह जाते हैं, जिसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है.

खास उपहार: सीएम को मिला बूढ़ापहाड़ का सरसों तेल, हर्बल धूप और हेनार मधु

पलामू, एजेंसी। जिले के बूढ़ापहाड़ के इलाके में तैयार सरसों का तेल, नक्सलियों के गढ़ से निकला मधु और हर्बल धूप को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, सीएम हेमंत सोरेन और मंत्री को दिया गया है. झारखंड बजट से पहले राज्य के वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने यह पहल की है ताकि वन्य जीव के संरक्षण एवं कुटीर उद्योग को बढ़ावा दिया जा सके. पलामू टाइगर रिजर्व के तरफ से राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्री को बजट से पहले एक किट दिया गया है. इस किट में बूढ़ा पहाड़ के इलाके में तैयार कोयल सरसों तेल, प्राकृतिक हेनार हनी, यूकेलिप्टस, नीम, तुलसी, कपूर, गाय के गोबर से बना हर्बल धूप दिया गया है. बजट से पहले यह अनोखी उपहार पहली बार दी गई है. पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना ने बताया कि जन भागीदारी के तहत यह किट सभी को दिया गया है. उन्होंने बताया कि कोयल ब्रांड के नाम से सरसों तेल को मंडल में तैयार किया गया है. प्राकृतिक उत्पादन से जुड़े हुए किट सभी को दिए गए. इस दौरान पलामू टाइगर रिजर्व से जुड़े उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी गई. वित्त मंत्री की ओर से यह इनोवेटिव आइडिया दिया गया था. साथ ही राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को बाघ का हैंपर मॉडल भी दिया गया. राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को पलामू टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों के संरक्षण और उससे जुड़े योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई है. ईको डेवलपमेंट समिति के माध्यम से सभी प्राकृतिक उत्पादों को तैयार किया जा रहा है।

गढ़वा में बंद पड़े बायोगैस प्लांट को चालू करने की उठी मांग, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था उद्घाटन

गढ़वा, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा 2 गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन होने के बावजूद लाभुकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है. पेयजल स्वच्छता विभाग की ओर से गढ़वा के दो प्रखंडों में गोबर धन योजना के तहत 50 लाख की लागत से 2 गोबर गैस प्लांट का निर्माण कराया गया था. लेकिन कुछ ही दिन चलने के बाद लाभुक इसके लाभ से वंचित हो गए. हालांकि विभाग इसे फिर से संचालित करने की बात कर रहा है.

ग्रामीणों को नहीं खरीदना पड़ रहा था एलपीजी सिलेंडर: दुर्भाग्य की बात यह है कि इतनी अच्छी योजना की ओर किसी का ध्यान नहीं गया. हालांकि योजना के शुरू होने के बाद यह योजना 15 दिनों तक स्थानीय लोगों को लाभ पहुंचाती रही. ग्रामीणों का कहना है कि इस योजना से उन्हें लाभ मिल रहा था. उन्हें महंगे दामों पर एलपीजी सिलेंडर नहीं खरीदना पड़ रहा था. लेकिन योजना के बंद होते ही उन्हें सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है. वहीं, कुछ ग्रामीण ठप हुई योजना के लिए प्रशासन के अधिकारियों को जिम्मेदार मान रहे हैं.

गोबर की उपलब्धता कम के कारण बंद करना पड़ा प्लांट: कार्यापालक अभियंता: पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यापालक अभियंता अभय कुमार सिंह इस योजना के बारे में कहते हैं कि जिस-जिस जगह इस योजना को लागू किया गया था, वहां गाय की संख्या ज्यादा थी, मकसद एक ही था कि हर दिन गोबर की उपलब्धता

रहेगी तो प्लांट भी सुचारू रुप से चलेगा लेकिन पशु मालिकों ने पशु को ही बेच दिया है, जिसके चलते इस प्लांट को गोबर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है. जिसकी वजह से इसे बंद करना पड़ा लेकिन इसे फिर से संचालित करने की कोशिश की जा रही है.

आधुनिक वैज्ञानिक विधि से निर्मित है प्लांट: गोबर धन योजना एक ऐसी योजना है जो गोबर से गैस बनाती है और इसे घरों तक पहुंचाने का काम करती है. इसके घरों में पहुंचने से लोगों को एलपीजी गैस की जरूरत नहीं पड़ती है. इसलिए इस प्लांट को वैज्ञानिक विधि से बनाया गया है. जिसमें गांव के 20 से 25 ग्रामीण परिवारों को इसका सीधा लाभ पहुंचता है. ग्रामीण गोबर को इकट्ठा करके प्लांट में जमा कर देते हैं. जिसके बाद उसे रिसाइकल करके उसे बड़े ड्राम में डाला जाता है. जिसके बाद सूरज की किरणों से गैस का रूप लेता है और इसी गैस को गांव में बने समूह के घरों को कनेक्शन के माध्यम सप्लाई की जाती है और यही गैस खत्म होने के बाद खाद्य का रूप ले लेती है. जिसका किसान इसका उपयोग खेतों में खाद्य के लिए कर लेते हैं.

सदन में गूंजा सरकारी कोल कंपनियों पर 1.36 लाख करोड़ बकाया का मामला, विधायक सरयू राय के सवाल पर खींचतान

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश होने से पूर्व प्रश्नकाल के दौरान विधायक सरयू राय के सवाल पर खूब खींचतान होती दिखी. सरयू राय ने सरकार से पूछा था कि अगर राज्य सरकार का कोयला कंपनियों पर 1.36 लाख करोड़ बकाया है तो क्या राशि का मदवार प्रतिवेदन केंद्र सरकार को भेजा गया है. उन्होंने यह भी पूछा कि क्या वित्त विभाग बकाया राशि पर ब्याज मांग रहा है. इसपर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद के जवाब पर पूरक प्रश्न पूछे जाने पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर को हस्तक्षेप करना पड़ा. प्रभारी मंत्री ने कहा कि भारत सरकार की कोयला कंपनियों पर अलग-अलग मद में कुल 1,36,042 करोड़ रुपये 2022 तक का बकाया है. बकाया राशि की वसूली के लिए सीएम और मुख्य सचिव के स्तर पर 26 जून 2020, 2 मार्च 2022, 11 अप्रैल 2022, 23 जनवरी 2023 और 23 सितंबर 2024 को कोयला मंत्रालय के सचिव, मंत्री प्रल्हाद जोशी और पीएम को अर्द्धसरकारी पत्र निर्गत कर अनुरोध किया जा चुका है. उन्होंने बकाया राशि के ब्रेकअप के तौर पर बताया कि जमीन अधिग्रहण के बकाया मद में 1,01,142 करोड़, कॉमन कॉज मद में 32,000 करोड़ और वास्ड कोल मद में 2,900 करोड़ बकाया है. जमीन अधिग्रहण का मामला राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित है. इस पर विधायक सरयू राय ने कहा कि मुख्य सचिव के 22 मार्च 2022 को केंद्र को भेजे गए पत्र के मुताबिक 2009 तक के बकाया का जिक्र है. इसके तहत 41,142 करोड़ को मूलधन के रूप में दिखाया गया है जबकि 60 हजार करोड़ से ज्यादा राशि सूद के तौर पर जोड़ी गई है. इस पर वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ब्याज वसूलने की हकदार है. गरमा गरम बहस के बीच प्रभारी मंत्री ने कहा कि कोल कंपनियों द्वारा कोल ट्रिब्यूनल में पुनरीक्षण वाद दायर किया गया है. ट्रिब्यूनल के पारित आदेश के आलोक में सुनवाई के लिए 1 मार्च 2025 को राज्य सरकार ने एक कमेटी का गठन किया है. इसपर भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कहा कि इससे साबित हो गया कि सरकार अब तक राजनीति कर रही थी. क्योंकि कमेटी का गठन तो सरयू राय द्वारा सवाल डाले जाने के बाद हुई है. वहीं सरयू राय ने कहा कि कमेटी बनाना राजनीतिक निर्णय है. यह वैधानिक नहीं हो सकता.इससे साफ है कि राज्य सरकार बकाया वसूली को राजनीतिक मुद्दा बना रही है।

चतरा के बड़कीटांड़ गांव के लोग आज भी नदी और तालाब का दूषित पानी पीने को विवश

चतरा, एजेंसी। जिले की कबरा पंचायत के बड़कीटांड़ गांव में आजादी के 77 वर्ष बाद भी पेयजल की सुविधा नहीं है. लिहाजा गांव के ग्रामीण नदी, तालाब और कुएं का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं. जिला मुख्यालय से तकरीबन 42 किलोमीटर और प्रखंड मुख्यालय से तकरीबन 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कबरा पंचायत के बड़कीटांड गांव की आबादी लगभग 150 है. गांव में दलित समुदाय के लोग निवास करते हैं.

एक मात्र चापानल दो साल से खराब: गांव में वर्षों पहले पेयजल की व्यवस्था के लिए एक चापानल लगवाया गया था, लेकिन चापानल पिछले एक-दो वर्षों से खराब पड़ा है. इस कारण गांव के ग्रामीण नदी, कुएं और तालाब का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं. सुबह से ही नदी और तालाबों के पास पानी भरने के लिए गांव की महिलाओं की भीड़ लग जाती है. महिलाएं सिर पर पानी ढोकर लाती हैं.

ग्रामीणों की सुनाई पीड़ा: गांव की महिलाओं ने बताया कि सरकार और प्रशासन ने पेयजल की सुविधा मुहैया कराने के लिए अब तक कोई पहल

नहीं की है. गांव के लोग नदी और तालाबों का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं. दूषित पानी पीने के कारण गांव में आए दिन लोग बीमार हो जाते हैं. साथ ही पानी ढोने में भी परेशानी होती है. चुनाव के समय जनप्रतिनिधि समस्या का समाधान कराने का वादा करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद कोई झांकने तक नहीं आता है. आपको बता दें कि कबरा पंचायत और गांव के चंद किलोमीटर की दूरी पर सीसीएल के द्वारा रेलवे साइडिंग संचालित किया जाता है. साथ ही पास में ही कई कोल परियोजनाएं भी चल रही हैं, लेकिन बड़कीटांड़ गांव की समस्या पर किसी ने ध्यान नहीं दिया. केन्द्र और राज्य सरकार हर महीने करोड़ों और अरबों रुपये का मुनाफा कमा रही है.

प्रशासन पर लगाया उपेक्षा का आरोप

गांव की महिलाएं बताती हैं कि पंचायत में रेलवे साइडिंग खुलने के बाद मूलभूत सुविधाओं के बहाल होने की आस जगी थी, लेकिन न तो गांव में अब तक मूलभूत सुविधाएं बहाल हो पाई और न ही गांव के बेरोजगार युवाओं को रोजगार नसीब हुआ. लिहाजा मजबूर होकर गांव के ग्रामीण नदी और कुंए का दूषित पानी पीकर अपना गुजारा कर रहे हैं.ग्रामीणों ने बताया कि अब तक जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कोई पहल नहीं की. आज भी यहां के ग्रामीण प्रशासन की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं. टंडवा के प्रखंड विकास पदाधिकारी देवलाल उरांव ने कहा कि गांव में व्याप्त समस्या को लेकर पंचायत सचिव को जांच के लिए भेजा जाएगा और समस्या का समाधान कराया जाएगा. बहरहाल, अब देखना होगा कि बड़कीटांड़ गांव में व्याप्त पेयजल की समस्या पर जिला प्रशासन की नजर कब तक पड़ती है और कब तक यहां के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नसीब हो पाता है.

ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गोल्ड कार्ड ने पूरी दुनिया को चकमका दिया है। ट्रंप जो कहते हैं वह हमेशा कर भी दें इसकी कोई गारंटी नहीं है। और इसकी भी कोई गारंटी नहीं की जो वह करना चाहते हैं उसे सचमुच कर पाएं, मगर इतना तय है कि उन्होंने पदभार संभालते ही जिस तरह का धूम-धड़ाका किया है उसने कई देशों की नींद उड़ा दी है। कई देशों को चिंता में डाल दिया है तो कई देशों को अपनी अमेरिकी नीति पर पुनर्विचार करने पर बाध्य कर दिया है। भारत भी ट्रंप की घोषणाओं और उसके क्रियान्वयन से अछूता नहीं है। अवैध प्रवासियों की अपमानजनक वापसी की धमक भारत झेल ही रहा था कि अब उसे गोल्ड कार्ड भी परेशानी में डाल रहा है। ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना वास्तव में क्या है किसी के समझ में नहीं आई है। इस योजना के मुताबिक 50 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 44 करोड़ रु पये देकर कोई भी विदेशी नागरिक अमेरिका में बस सकता है और तीव्र गति से अस्थाई नागरिकता प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो सकता है। पहली बात तो यह है कि लोग धन कमाने के लिए लोग धन कमाने के लिए अमेरिका जाना चाहते हैं, अपना धन लेकर अमेरिका में बसना नहीं। यहां ट्रंप अमेरिका को एक बिकाऊ माल की तरह बेचना चाहते हैं जैसे कोई अच्छी जमीन बेची जाती है। यानी ट्रंप अमेरिका को ऐसे स्वर्ग के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं जहां किसी भी देश का कोई व्यक्ति 50 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च कर बसना चाहेगा। क्या सचमुच अमेरिका ऐसा स्वर्ग है? अगर भारत की बात करें तो यहां बहुत बड़ी संख्या धनपतियों की है जिन्होंने अनेकानेक गैर कानूनी तरीकों से धनी इक_ा किया है और वह इसकी सुरक्षा चाहते हैं। ऐसे लोग भारत में सीधे राजनेताओं या राजनीतिक दलों को अपनी सुरक्षा के लिए धन उपलब्ध कराते हैं। चुनावी चंदे में इस तरह के कई मामले उजागर हुए थे। दूसरी बात जो ट्रंप ने प्रतिभावान विदेशी छात्रों के बारे में कही जो अमेरिका में पढ़ाई करने के बाद नागरिकता नहीं मिलने के कारण अपने मूल देश में लौटकर व्यापार करते हैं और करोड़ों में खेलने लगते हैं। सवाल है कि कोई अमेरिकी कंपनी 50 लाख डॉलर देकर ऐसे प्रतिभावान उद्योगों को नौकरी देने में रुचि क्यों दिखाएगी। इसका कोई ठोस तर्क सामने नहीं है।

डोनाल्ड ट्रंप बनाम यूरोपीय यूनियन

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश यह महसूस कर रहा है कि अमेरिका में ट्रंप शासन आने के बाद दुनियाँ की परिस्थितियों में परिवर्तन हो रही है, ट्रंप के अमेरिकी फर्स्ट के विज़न के कारण ट्रंप तेजी से ऐसी परिस्थितियों लाने को आतुर हैं, ताकि अमेरिका की आर्थिक स्थिति मजबूत हो, अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो, यूक्रेन की खनिज में हिस्सेदारी तथा रूस के साथ दोस्ती की पींगे बढ़ाना, व्हाइट हाउस में ट्रंप जेलेंस्की विवाद इत्यादि इसी का ही एक हिस्सा माना जा सकता है, तो उधर 27 देश का संगठन यूरोपीय यूनियन, नाटो, तुर्की इत्यादि पूरी स्थिति कोसमझ रहे हैं, क्योंकि ईयू को पूरी प्रक्रियामें अलग- थलग किया जा रहा है, नतीजा यह है कि शुक्रवार 28 फरवरी 2025 को व्हाइट हाउस में ज़ेलेंसकी व ट्रंप की गहमाग़हमी के बाद जैलेंसकी जब सीधे ब्रिटेन लंदन पहुंचे तो उन्हें हाथों- हाथ लिया गया, ईयू नाटो तुर्की उसके साथ खड़े दिखे जबकि दो अन्य देश विरोध कर रहे थे। लंदन में यूरोपीय यूनियन देशों का यूक्रेन जंग मुद्दे पर डिफेंस समिट हुआ, जिसमें यूक्रेन की मदद की बात कीगई व अमेरिका को युद्ध समझौता प्लान देने पर बातचीत हुई। संयोगवश उसी दौरान यूरोपीय यूनियनकी अध्यक्ष 27-28 फरवरी 2025 को भारत दौरे पर थी, जहां विदेश मंत्री व पीएम से सफल चर्चा के बाद रूस ने तंज कसा कि यूरोप भारत की शरण में जा रहा है,यानें भारत का रुतबा बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है, ऐसा मेरा मानना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप बनाम यूरोपीय यूनियन, यूरोपीय देशों में मतभेदों के बीच यूरोपीय यूनियन अध्यक्ष भारत के साथ पींगे बढ़ाने को आतुर? रूस का तंज, भारत की शरण में पूरा यूरोप? जिससे भारत की अहम भूमिका हो गई है।

साथियों बात अगर हम यूरोपीय यूनियन के चर्चा में आने व यूक्रेन को समर्थन करने की करें तो जेलेंस्की के सपोर्ट में कई यूरोपीय देश यूरोप के कई नेताओं ने जेलेंस्की के लिए अपना समर्थन जताया है। नॉर्वे, नीदरलैंड, पोलैंड, यूरोपीय यूनियन, जर्मनी, ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देशों के अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने भी जेलेंस्की के लिए समर्थन जताया।जेलेंस्की शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे थे। जहां दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। ट्रम्प-वेंस और जेलेंस्की एक-दूसरे की तरफ उंगली दिखाते नजर आए। ट्रम्प ने कई बार जेलेंस्की को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि वो तीसरा विश्वयुद्ध कराने का जुआ खेल रहे हैं।जेलेंस्की ने कहा कि जब आप युद्ध में होते हो, तो सबके साथ परेशानियां होती हैं।भविष्य में इस युद्ध का असर अमेरिका पर भी पड़ेगा।ट्रम्प यह सुनकर झुंझला गए और उन्होंने कहा कि हमें मत बताइए कि हमें क्या महसूस करना चाहिए। यूक्रेन जंग के मुद्दे पर यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट लंदन में हुई, इस बैठक में 15 देशों के राष्ट्र प्रमुख, तुर्की के विदेश मंत्री, नाटो के महासचिव, यूरोपीय संघ और यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट शामिल हुए। ब्रिटिश पीएम ने गले लगाकर जेलेंस्की का स्वागत किया ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने दो बार यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया। सबसे पहले उन्होंने जेलेंस्की के लंदन पहुंचने पर गले लगाकर उनका स्वागत किया, फिर डिफेंस समिट में जेलेंस्की के पहुंचने पर दूसरी बार गले लगाया।इससे पहले जब जेलेंस्की शनिवार को इंग्लैंड पहुंचे तो सड़कों पर लोगों ने जेलेंस्की के सपोर्ट में जोरदार नारे लगाए। स्टार्मर ने उन्हें रिसीव किया और कहा कि आपको पूरे ब्रिटेन का सपोर्ट हासिल है। हम आपके और यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें कितना भी वक्त क्यों न लग जाए। जेलेंस्की ने इस सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। यूक्रेन के सपोर्ट के मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन के अंदर भी दरार नजर आ रही है। स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको का कहना है कि वो यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य तौर पर मदद नहीं देंगे। यूक्रेन कभी भी सैन्य ताकत के दम पर रूस को बातचीत के टेबल पर नहीं ला पाएगा। इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने भी जेलेंस्की के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का सपोर्ट किया है। व्हाइट हाउस में दोनों के बीच हुई बहस के बाद उन्होंने ट्रम्प को मजबूत और जेलेंस्की को कमजोर कहा था। उन्होंने ट्रम्प का धन्यवाद भी किया था। ब्रिटेन ने यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया। इसके लिए शनिवार को ब्रिटिश पीएम स्टार्मर और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समझौते पर साइन किए साथियों बात अगर हम व्हाइट हाउस में ट्रंप से गहमागहमी के बाद जैलेंस्की सीधे लंदन यात्रा पर पहुंचने की करें तो पीएम स्टार्मरने कहा हमारी कोशिश यूक्रेन को मजबूत स्थिति में लाना है। हम यूक्रेन के लिए अपना समर्थन दोगुना कर रहे हैं।स्टार्मर ने कहा कि समिट में शामिल नेताओं ने यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता जारी रखने और रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने पर सहमति जाहिर की है। किसी भी शांति वार्ता में यूक्रेन को शामिल किया जाना चाहिए।स्टार्मर का कहना है कि किसी भी समझौते में रूस को शामिल करना जरूरी होगा, लेकिन रूस ने इससे पहले कई बार समझौतों का उल्लंघन किया है, ऐसे में हमें यह तय करना होगा कि यूक्रेन को दी जाने वाली गारंटी पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। आगे के संघर्ष से बचने के लिए गारंटी की जरूरत है। इस बैठक से पहले स्टार्मर ने कहा था कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन मिलकर रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के प्लान पर काम करने के लिए राजी हुए हैं। ये प्लान अमेरिका के सामने रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि ये प्लान तभी काम करेगा जब अमेरिका अपनी सुरक्षा गारंटी पर टिका रहेगा। साथियों बात अगर हम यूक्रेन के मुद्दे पर हुए डिफेंस समिट में अन्य देशों की प्रतिक्रिया की करें तो, बैठक के बाद किसने क्या कहा, (1)उर्सुला वॉन डेर लेयेनः यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष ने कहा कि हमें यूरोप को तत्काल हथियारबंद करना होगा। हमें डिफेंस निवेश बढ़ाना होगा। यह यूरोपीय यूनियन की सुरक्षा के लिए जरूरी है। हमें फिलहाल सबसे खराब हालात के लिए तैयार रहना चाहिए। इसे लेकर 6 मार्च को यूरोपीय परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया जाएगा। (2) मार्क रूटेः नाटो के महासचिव ने कहा कि यूरोपीय देश सुरक्षा के लिए खर्च और यूक्रेन को सपोर्ट बढ़ाने के लिए कदम उठाएंगे। अभी तक कोई शांति समझौता नहीं हुआ है, लेकिन हमें इसके लिए तैयार रहना होगा और यह तय करना होगा कि यूरोपीय देश सुरक्षा गारंटी के साथ मदद करने के लिए तैयार हैं। (3) डोनाल्ड टस्कः पोलैंड के राष्ट्रपति ने कहा कि यूरोप जाग गया है और अब यूक्रेन के लिए समर्थन और यूरोपीय यूनियन के ईस्ट बॉर्डर को मजबूत करने पर एक स्वर में बोल रहा है। (4) ओलाफ शोल्जः जर्मन चांसलर ने कहा कि आज की बैठक काफी महत्वपूर्ण थी। यह रूसी हमले से जूझ रहे यूक्रेन के लिए यूरोप का समर्थन जाहिर करने का मौका था। साथियों बात अगर हम ट्रंप के जंग से दूर रहने की करें तो,अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कर दिया है कि अगर कोई जंग छिड़ती है तो इससे अमेरिका दूर रहेगा।अब बड़ा सवाल उठता है कि यूक्रेन तो रूस से युद्ध लड़ नहीं पाएगा, तो फिर क्या यूरोपीय देश रूस से सीधा जंग लड़ेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने जेलेंस्की से मुलाकात से पहले यूरोप का प्रतिनिधित्व करने आए ब्रिटेन के प्राइम मिनिस्टर कीर स्टार्मर से भी मुलाकात की थी।डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि पूरे यूरोप की रूस के साथ जंग छिड़ने जा रही है और उसका सेंटर पॉइंट यूक्रेन बनेगा। वहीं इससे पहले उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों से भी मुलाकात की थी। इस दौरान भी दोनों नेता सहज स्थिति में नहीं थे। अमेरिका के युद्ध से पीछे हटने के बाद जेलेंस्की जंग में अकेले पड़ गए हैं। ऐसे में यूरोपियन यूनियन के देशों को साथ आना पड़ेगा। इसके लिए उन्हें सबसे पहले यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी देनी होगी। हालांकि संभावना यह भी है कि अगर वह यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी देने पर सहमत होते हैं तो रूस यूरोपीय देशों पर हमले शुरू कर सकता है। साथियों बात अगर हम यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष की 27-28 फ़रवरी 2025 को भारत यात्रा की करें तो, उनके इस यात्रा के में उनके साथ यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह भी थे। यह यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह की भारत की पहली यात्रा थी और उर्सुला वॉन डेर लेयेन की भारत की तीसरी यात्रा थी। यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह, 27 सदस्य वाली यूरोपीय संघ (ईयू) के देशों के आयुक्तों से बना है। यह पहली बार था कि यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह, यूरोप के बाहर का दौरा कर रहे थे।ईयू अध्यक्ष भारत यात्रा के दौरान, भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक भी नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।ईयूअध्यक्षा ने नई दिल्ली में पीएम के साथ बैठक की और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

सूडोकु नवताल- 7361

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7360 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

तंबाकू सेवन एक वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक संकट

अमरपाल सिंह वर्मा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नेतृत्व में एक ऐसी संधि ने बीस साल पूरे कर लिए हैं, जिसका दुनिया भर में जन स्वास्थ्य को व्यापक लाभ मिला है। विश्व में फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (एफसीटीसी) नामक यह संधि 27 फरवरी 2005 को हुई थी। अब इसे इतिहास की ऐसी पहल के रूप में स्वीकार्यता मिल गई है जिसे न केवल व्यापक रूप से अपनाया गया है बल्कि जिसके अपेक्षित परिणाम भी सामने आए हैं। इस संधि की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी बदौलत लाखों लोगों की जान बचाने में कामयाबी मिली है। मानवता के लिए एक गंभीर संकट बन चुके तंबाकू के दुष्प्रभावों को कम करने में इस संधि की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। यह सर्वविदित है कि तंबाकू मानवता के लिए एक अभिशाप बन चुका है। यह दुनिया में कैंसर, टीबी जैसी बीमारियों और उनकी वजह से होने वाली मौतों कारण बन रहा है। तंबाकू के कारण हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 20 प्रतिशत हृदय रोगियों की मौत के लिए तंबाकू ही जिम्मेदार है। इसके अलावा यह सामाजिक एवं आर्थिक दबाव भी बढ़ाता है जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अधिक प्रभावित होते हैं। संधि के तहत कई प्रभावी उपाय अपनाए गए हैं जिनका सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वर्तमान में दुनिया के 138 देशों में सिगरेट के पैकेटों पर चेतावनियां दी जाती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कई देशों में तंबाकू उत्पादों की पैकेजिंग को साधारण कर दिया गया है, जिससे ब्रांडिंग और आकषर्क डिजाइन की संभावनाओं को समाप्त करने में मदद मिली है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस संधि की बदौलत तंबाकू विज्ञापनों और प्रमोशन पर 66 से अधिक देशों में प्रतिबंध लगाया जा चुका है। सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों और अन्य बंद इमारतों में धूम्रपान निषेध से निष्क्रिय धूम्रपान के कारण होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिली है। इससे ऐसे लोगों का जीवन बचाने में सहायता मिली है, जो खुद सिगरेट का प्रयोग नहीं करते पर धूम्रपान करने वाले अन्य लोगों की वजह से इसका खतरा झेलते हैं। इसके परिणामस्वरूप, वि की एक चौथाई आबादी ऐसी नीतियों

के दायरे में आ चुकी है, जिससे तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई है। डब्ल्यूएचओ ने संधि की 20 वीं वषर्गांठ के मौके पर कहा है कि तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाव पर केंद्रित यूएन संधि ने पिछले दो दशकों में लाखों-करोड़ों जिंदगियों की रक्षा करने में मदद की है। यह एक तथ्य है कि तंबाकू गैर संचारी रोगों का एक बड़ा कारण है जो न केवल असामयिक मौतों का कारण बनता है, बल्कि इससे प्रभावित लोग विकलांगता का भी शिकार हो सकते हैं। जो गरीब लोग तंबाकू जनित बीमारियों से पीड़ित होते हैं, उन पर इलाज का भारी बोझ पड़ता है। ऐसे लोग आम लोगों की तुलना में पोषक आहार से भी वंचित रहते हैं क्योंकि वह अपनी आमदनी का एक बड़ा हिस्सा महंगे तंबाकू उत्पादों पर खर्च कर डालते हैं। तंबाकू उत्पादन के लिए अत्यधिक जमीन एवं पानी की जरूरत पड़ रही है। अगर तंबाकू के प्रति लोग नकारात्मक रवैया अपनाएं तो इस जमीन व पानी का इस्तेमाल जरूरी खाद्यान्न के उत्पादन में किया जा सकता है। यदि तंबाकू का प्रचलन कम हो तो इन संसाधनों का उपयोग अधिक महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। यकीनन, इस संधि के तहत बहुत काम किया गया है पर अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। डब्ल्यूएचओ के और अन्य विशेषज्ञ इस संधि के तहत तंबाकू पर टैक्स बढ़ाने, विज्ञापन व प्रायोजकों पर रोक लगाने, नये तंबाकू व निकोटीन उत्पादों से पैदा हो रही चुनौतियों से निपटने जैसे विभिन्न उपायों को अपनाने पर बल दे रहे हैं। इस दिशा में सक्रियता से काम होना चाहिए। साथ ही, तंबाकू के प्रति नकारात्मक सामाजिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए शिक्षा और जागरूकता अभियानों को और सशक्त करने की आवश्यकता है। लोगों को यह समझाय जाना चाहिए कि तंबाकू सेवन केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं बल्कि यह एक वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक संकट है। यदि सरकारें, समाज और आम लोग मिलकर इस प्रयास को जारी रखें तो एक स्वस्थ और तंबाकू मुक्त विश्व की कल्पना को साकार किया जा सकता है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। इस राशि के जो लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज लाभ का दिन है। आज आपको कुछ सम्मानित लोगों का स्नेह मिलेगा। जीवन में चल रही उलझनों से आज छुटकारा मिलेगा। ऊर्जा के साथ आप काम करेंगे। कार्य शुरू करने से पहले अपने सहकर्मियों की सलाह जरूर ले लें, जिससे आपको काम करने में आसानी हो। सोशल मीडिया पर फेमस लोगों के लिए आज का दिन बेहतर है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें। बेहतर यही होगा की किसी अपनों की काम में मदद लें तो काम आसानी से सफल होंगे। आपकी मेहनत आज आपके जीवन में सफलता के रंग भर देंगे। आज आपका महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा। आज धार्मिक आयोजन में जाने से मानसिक रूप से राहत मिलेगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी कठिन परिस्थितियों में आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपको साहस मिलेगा। आज आपको शहर में जॉब करने के नए अवसर मिलेंगे। लवमेट में पहले से चली आ रही गलतफहमियां आज खत्म होंगी, रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। किस्मत का साथ मिलने में परेशानी आ सकती है, इसलिए मेहनत से काम करें।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर आंख बंद करके विश्वास न करें। आज घर के बड़े-बुजुर्गों का ख़ास ख्याल रखने की जरूरत है, समय से दवाई दे। लेखनों की किताब पब्लिश हो सकती है, जिसको लोगों के द्वारा काफी पसंद किया जाएगा। आज आपको अपने गुस्से पर कंट्रोल रखना होगा अन्यथा बना बनाया काम बिगड़ सकता है।

सिंह राशि :आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे आप प्रभावित होंगे। अगर आपका पैसा कहीं फंसा है तो उसे हासिल करने के लिए आज अच्छा दिन है। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई में विशेष ध्यान देंगे जल्द ही आपकी सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज आपको बड़ी उपलब्धि हासिल होगी। आपके सहयोगी और मित्रों का साथ मिलने से आज आपके बिजनेस में चल रही परेशानियां दूर हो जाएगी। काफी दिनों से चल रही ईएमआई आज पूरी हो जाएगी।

तुला राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड बात करेंगे और फाइनेंस संबंधित कुछ योजनाएं बनेगी। आज आप परिवार को जोड़कर रखने की भूमिका निभाएंगे। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी। आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है मेहनत के अच्छे परिणाम हासिल होंगे। आज शाम को किसी मित्र की बर्थडे पार्टी में जाएंगे जहां आपके अन्य दोस्त भी होंगे। शत्रु पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित होंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से शांति महसूस करेंगे। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज कार्यस्थल पर आपके काम से लोग प्रभावित होकर आपसे काम सीखना चाहेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप ऑफिस में बॉस द्वारा दिये गये काम को अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ करेंगे तो आपका इन्क्रीमेंट होगा। आज अपने व्यस्तता से भरे माहौल से थोड़ा समय निकालकर अपने लिए परिवार के लिए निकालेंगे तो खुशियां बढ़ेगी।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके घर किसी मेहमान के आने से खुशियां ही खुशियां होंगी। लेकिन किसी काम को कुछ देर तक के लिए कैंसिल करना पड़ सकता है। आज किसी भी विपरीत परिस्थितियों में अपने गुस्से को नियंत्रित करके मामले को बखूबी संभाल लेंगे।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति से कुछ नया सीखेंगे, लोगों के लिए आज आपका रवैया अच्छा रहेगा। किसी रिश्तेदार के साथ चल रही गलतफहमियां आज दूर होंगी। आपको किसी बड़ी परेशानी से छुटकारा मिलेगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट -25: समृद्धि, आर्थिक सशक्तिकरण और वैश्विक सम्मान का अद्भुत आयाम

रमेश शर्मा

भोपाल में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल निवेश और औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इससे पूरे भारत के समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के नये द्वार खुले हैं। इसके साथ यह समिट वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश की छवि और सम्मान बढ़ाने का भी माध्यम बनी। यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इसके बहुआयामी लाभ होंगे। जिस प्रकार यह संसार दो प्रकार का है । एक दृश्यमान और दूसरा अदृश्यमान । सृष्टि की कुछ ऊर्जाएँ ऐसी हैं जो दिखाई नहीं देतीं फिर भी जीवन संचालन में सहयोगी होतीं हैं। उसी प्रकार निवेश इस इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्तावों के आकार लेने के बाद इसका परोक्ष प्रभाव भी मध्यप्रदेश के समाज जीवन पर होगा। इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार ने समिट आयोजन से पहले कुछ अतिरिक्त तैयारी की है और औद्योगिक विकास को विरासत से भी जोड़ा है। यह प्रदेश आध्यात्मिक, साँस्कृतिक, प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन सबको जोड़कर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की विधाएँ जोड़कर इन क्षेत्रों में निवेशकों को आमंत्रित किया था। इन चारों विधाओं में मध्यप्रदेश का स्थान सबसे अलग है। इतिहास में जहाँ तक दृष्टि जाती है, वहाँ मध्यप्रदेश की छवि एक समृद्ध और प्रतिष्ठित भूक्षेत्र के रूप में उभरती है। लाखों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता के चिन्ह हैं। समय के साथ भले स्वरूप बदला हो, राजनैतिक सीमाएँ बदलीं, नाम बदले लेकिन मध्यप्रदेश की प्रसिद्धि बनी रही। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक पूरे विश्व में मध्यप्रदेश आकर्षण का केन्द्र रहा है। यही कारण था कि हर काल-खंड विदेशी पर्यटक भारत आते रहे है। ह्वेनसाँग और फाह्यान से लेकर अल्बरूनी तक और कनिघंम से लेकर स्मिथ तक भारत आने वाला कोई शोधकर्ता ऐसा नहीं जो मध्यप्रदेश न आया हो। इन सबके लेखन में मध्यप्रदेश को समृद्धियों का उल्लेख है। मध्यप्रदेश के वैभव और समृद्धि की झलक कण कण में बिखरी है। इसे संजोने में वाकणकर जी ने अपना जिवन समर्पित कर दिया था। इन सभी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों की कहानियाँ, अनूठे चिन्ह, खनिज एवं वन्य संपदा की विविधता भी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। यही प्रसिद्धि मध्यकाल मध्यप्रदेश के विनाश का कारण बनी थी। लगातार आक्रमणों से यह प्रदेश विपन्नता के अंधकार में डूब गया । ऐसा अंधकार कि इसकी छवि एक बीमारू राज्य की बन गई। स्वतंत्रता के बाद भी राजनैतिक कारणों से अनेक स्वरूप बदले गये। मध्यप्रदेश के वर्तमान स्वरूप की सीमाएँ नवम्बर 2000 में बनीं। और विकास की नई यात्रा आरंभ हुई। इसके साथ प्रदेश के औद्योगिक विकास पर जोर दिया गया। डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने विकास यात्रा को नये आयाम दिये। डॉ मोहन यादव ने मोदी मंत्र विकास के साथ विरासत का अमल करते हुये अपने कदम आगे बढ़ाये। कार्यभार संभालने के पहले दिन से डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के इसमंत्र पर काम करना आरंभ किया और भारत को विश्व का सबसे समृद्ध राष्ट्र बनाने के उनके संकल्प को पूरा करने केलिये मध्यप्रदेश की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये। यह तभी संभव है जब भारत का प्रत्येक प्रदेश विकसित और उन्नत हो। 24-25 फरवरी को भोपाल में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसी दिशा में एक क्राँतिकारी कदम है।

समिट की तैयारियों का होमवर्क- मध्यप्रदेश की यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अचानक आयोजित नहीं हुई। इससे पहले राज्य सरकार ने पर्याप्त होम वर्क किया था। यह होमवर्क तीनों प्रकार से हुआ । एक ओर मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में पानी, बिजली, परिवहन और भूमि की उपलब्धता का विवरण तैयार किया गया, दूसरी ओर भारत ही नहीं पूरे संसार के प्रतिष्ठित उद्योग समूहों से उनकी रुचि के उद्योगों को प्राथमिकता में रखकर चर्चा की गई और तीसरा मध्यप्रदेश में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन हुये । सरकार के केवल चौदह महीने के कार्यकाल में सात रीजनल इन्वेस्टर्स समिट संपन्न हुईं। इन तीनों प्रकार की तैयारी के बाद यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ। इन चौदह महीनों में मध्यप्रदेश में निवेश प्रस्तावों का मानों एक नया कीर्तिमान बनाया है। कुल 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 21.40 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। इस ग्लोबल समिट में 300 से अधिक प्रमुख उद्योगों के चेयरमैन, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर्स ने समिट में हिस्सा लिया। भारत का ऐसा कोई उद्योग समूह नहीं जिसके प्रतिनिधि इस समिट में सहभागी न बने हों। उनके साथ 600 से अधिक बिजनेस टू गवर्नमेंट और 5,000 से अधिक बिजनेस टू बिजनेस बैठकें हुईं। निवेशकों और सरकार के बीच इस संवाद से औद्योगिक विकास की दिशा में एक मजबूत विश्वास बढ़ा है। इस ग्लोबल समिट में विभिन्न सेक्टर्स के पच्चीस हजार से अधिक पंजीयन हुये और विभिन्न सेक्टर्स के 85 एम ओ यू पर हस्ताक्षर हुये। इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के साथ मध्यप्रदेश का नाम निवेश की दुनियाँ में चर्चित हुआ और देश में तीसरे स्थान पर आ गया। इस समिट से औद्योगिक विकास और युवाओ को रोजगार के अवसर के साथ समृद्धि के नये द्वार खुले हैं । मध्यप्रदेश की गणना अब वैश्विक स्तर पर भी होने लगी । इस समिट की तैयारी में प्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास एवं उनको वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में भी काम हुआ।

धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन- प्रदेश की साँस्कृतिक, ऐतिहासिक और विविध प्राकृतिक स्थलों को पर्यटन से जोड़कर निवेश आमंत्रित किये गये । निवेशकों ने इस दिशा में भी अपनी रूचि दिखाई। विंध्य, सतपुड़ा और अरावली पर्वतमाला से घिरी मध्यप्रदेश की यह धरती अपनी प्राकृतिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक और लोक संस्कृति की विविधताओं के लिये संसार भर में प्रसिद्ध हैं। रॉक शेल्टर, गर्म पानी के झरने, हरे-भरे हिल स्टेशन, घाटियाँ, गुफाएँ वन्य जीवों और वनस्पति से भरे वन, उनका अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य पर्यटकों केलिये सहज आकर्षण का केन्द्र हैं। रोचक लोक संस्कृतियाँ, उनके नृत्य कौशल, चित्रकारी, नृत्यगीत और उनसे जुड़े लोक जीवन की रोचक कहानियाँ भी शोध कर्ताओं और प्रकृति प्रेमियों को आकृषित करते हैं। इन सब स्थलों को पर्यटन से जोड़ा गया है। और निवेशकों के प्रस्ताव आये। प्रदेश में ऐसे अनेक मन्दिर, किले और विश्व प्रसिद्ध गुफ़ाएँ हैं जिनमें मानव सभ्यता के विकास का क्रम, गौरवशाली इतिहास छिपा है। वे सदैव आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। इनमें कुछ तो ऐसे हैं जिनके प्रतीक चिन्ह कोलकाता के राष्ट्रीय संग्रहालय से लेकर लंदन के म्युजियम में प्रदर्शित हैं। जैसै सतना के पास भरहुत का स्तूप के अवशेष कोलकाता के राष्ट्रीय संग्रहालय में और भोजशाला धार की माता सरस्वती की प्रतिमा लंदन के संग्रहालय में है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित।पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।

संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❀; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।** **रांची** – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com

❀समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ° यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

दिल्ली से दबोचा गया बिहार का इनामी कुख्यात रंजीत, कई सालों से चल रहा था फरार

गया, एजेंसी। बिहार के गया में पुलिस की विशेष टीम ने कई सालों से फरार चल रहे अपराधी की गिरफ्तारी की है. इस अपराधी को दिल्ली से पकड़ा गया. यह 50 हजार का इनामी था. पुलिस इसे बड़ी सफलता मान रही है. इसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम पिछले कई सालों से मशक्कत कर रही थी, लेकिन यह हाथ नहीं आ रहा था.

दिल्ली से गिरफ्तार हुआ 50 हजार का इनामी अपराधी

गया पुलिस की विशेष टीम ने दिल्ली से 50 हजार के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार इनामी अपराधी का नाम रंजीत कुमार बताया जाता है, जो कि मानपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है. तकनीकी सूचनाओं के आधार पर पुलिस की विशेष टीम दिल्ली पहुंची. दिल्ली में पहुंचने के बाद चिन्हित स्थान पर छापेमारी की गई और रंजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया.

गिरफ्तारी नहीं होने पर रखा गया था इनाम

बताया जाता है कि रंजीत कुमार की गिरफ्तारी नहीं होने पर उसके खिलाफ गया पुलिस के द्वारा 50 हजार का इनाम रखा गया था. इनाम रखे जाने के बाद इसके संबंध में पुलिस की टीम को इनपुट मिला और फिर इसकी गिरफ्तारी कर ली गई.

लूट कांड में रंजीत था आरोपी

पुलिस के अनुसार मोहनपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 में लूट की एक घटना हुई थी. जिसमें बाइक सवार अपराधियों द्वारा 50 हजार कैश की राशि एक व्यक्ति से लूट ली गई थी. मामले में गया के धनगाई थाना क्षेत्र के उत्तम कुमार को गिरफ्तार किया गया था. वहीं दूसरे अभियुक्त रंजीत की गिरफ्तारी नहीं हो पा रही थी. इसके बाद इस पर इनाम रखा गया था. गया के सिटी एसपी रामानंद कुमार कौशल का कहना है कि मोहनपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले रंजीत कुमार पर 50 हजार का इनाम था. इस इनामी अपराधी को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है. मोहनपुर थाना में लूट की घटना होने के बाद दो की संलिप्तता सामने आई थी, जिसमें एक उत्तम कुमार और दूसरा रंजीत कुमार था. उत्तम कुमार की उसी समय गिरफ्तारी कर ली गई थी, जबकि रंजीत कुमार अब गिरफ्तार किया गया है.

आपराधिक इतिहास खंगाल रही पुलिस

पुलिस की टीम रंजीत का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है. फिलहाल गया में अब तक उसके खिलाफ दो कांड दर्ज पाए गए हैं. 50 हजार के इनामी रंजीत की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की टीम अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है.

खोदावंदपुर की सीडीपीओ लापरवाही के आरोप में सस्पेंड

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के खोदावंदपुर की बाल विकास परियोजना अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविका एवं सहायिकाओं की उपस्थिति आंगन एप पर ससमय अपलोड नहीं करने के मामले में वरीय अधिकारियों द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण का समुचित जवाब नहीं देने के आरोप में खोदावंदपुर की सीडीपीओ व छौड़ाही प्रखण्ड की प्रभारी सीडीपीओ डॉ. दर्शना कुमारी पर यह कार्रवाई की गई है। सीडीपीओ पर जनवरी 2024 से जून 2024 तक सेविकाओं व सहायिकाओं की उपस्थिति विवरणी आंगन एप पर अपलोड करने में लापरवाही बरतने का आरोप है। वरीय अधिकारी द्वारा निलंबन से सम्बंधित निर्गत पत्र में बताया गया है कि सीडीपीओ की लापरवाही का मुद्दा स्थानीय विधायक राजबंसी महतो द्वारा विधान सभा में 27 फरवरी 2024 को उठाया गया था। विधायक द्वारा उठाए गए इस मुद्दे की जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी को दी गई थी। डीपीओ ने इस मुद्दे को लेकर सीडीपीओ से जवाब तलब किया था। मूल तथ्यों को छिपाकर सीडीपीओ ने असंतोषजनक जवाब डीपीओ कार्यालय को सौंपा था। सीडीपीओ के इस क्रियाकलाप को लेकर समाज कल्याण विभाग के अपर सचिव ने निलंबन की कार्रवाई करते हुए इनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई संचालित करने का निर्णय लेने की बात भी कही है।

संक्षिप्त समाचार

बेटे की शादी का न्योता बांटने गई मां की मौत

● नवादा में तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर, परिवार की खुशियां मातम में बदली

नवादा, एजेंसी। नवादा में एक महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रूपौ थाना क्षेत्र के चारौल गांव की किरण देवी (45) अपने बड़े बेटे की शादी का न्योता बांटने गई थी। इस दौरान रोह प्रखंड के हरला गांव के पास तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने किरण देवी को अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया। इस बीच रास्ते में ही मौत हो गई। लोगों ने नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार को घटना की सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराने के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका के परिजनों ने बताया कि वह न्योता देकर लौट रही थी और रोड के किनारे खड़ी थी। तभी अज्ञात गाड़ी ने तेज रफ्तार में टक्कर मार दिया। इसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

सामाजिक दायित्व के तहत जिले में 44 सामुदायिक केंद्र की मंजूरी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। केंद्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी की पहल पर जिले में 44 सामुदायिक केंद्र स्थापित होने का रास्ता साफ हो गया है। मंत्री के आग्रह पर पावर फाइनांस कॉरपोरेशन बैंक ने इन केंद्रों की स्थापना का प्रस्ताव जिला प्रशासन को दिया है। सार्वजनिक भवन से वंचित पंचायतों में सामुदायिक केंद्रों की स्थापना होगी, जहां सांस्कृतिक और सामाजिक कार्य हो सकेंगे। पावर फाइनांस कॉरपोरेशन बैंक की ओर से सीएमआर प्रबंधक दुर्गेश रंगेरा ने मंत्री को सूचित किया है कि उनके निर्देश पर इस योजना को मंजूरी दे दी गई है। बैंक ने जिले के नौ प्रखंडों में कुल 44 सामुदायिक केंद्र की मंजूरी दी गई है। एक सामुदायिक केंद्र 56 लाख की लागत से बनेगा। सामुदायिक केंद्र के लिए मंत्री ने जिला प्रशासन को स्थलों की जो सूची उपलब्ध करायी है, उनमें औराई का बैंगना, डकरामा, बसुआ, मीनापुर व औराई, गायघाट का कांटा पिरौछा, शिवदाहा, बरुआरी, मैठी व कमरथू, मुशहरी का मुशहरी राधानगर, रोहुआ, नरौली, छपरा मेघ व तरौरा गोपालपुर, बोचहां का करनपुर दक्षिणी, लोहसरी, शर्फुद्दीनपुर, मैदापुर व आदि गोपालपुर, मुरौल का बखरी विशुनपुर, मीरापुर, मुरौल, ढोली व पिलखी, बंदरा का सकरी चांदपुरा, बंदरा, रामपुरदयाल, हत्था, कटरा का सिसवारा, बेरई दक्षिणी, शिवदासपुर, पहसौल व धनौर, सकरा का जगदीशपुर बघनगरी, बाजी बुजुर्ग, दुबहा, मछही व कुढ़नी का पुपरी बोड़ीहारी, खरौना, सुमेरा, मधुबन व तुर्की पंचायत शामिल है।

पटना में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे होमगार्ड जवान

पटना, एजेंसी। बिहार रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ अपनी 21 सूत्री मांगों को लेकर पटना मिलर हाई स्कूल से चलकर गर्दनीबाग धरना स्थल पर पहुंचा, जहां सभी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ गए. वहीं संघ के महासचिव सुदेश्वर प्रसाद ने बताया कि केंद्रीय समिति पटना के निर्देश पर 21 सूत्री मांगों को लेकर यहां अनिश्चितकालीन हड़ताल किया गया है.

होमगार्ड जवानों का अनिश्चितकालीन धरनाः संघ के महासचिव ने कहा कि सरकार को अल्टीमेटम दिया गया कि अगर सरकार नहीं मानेगी तो हम लोग अपने संघ के आह्वान पर आगे जोरदार आंदोलन करेंगे और सरकार की विधि व्यवस्था भी चरमरा जाएगी. पक्ष में आया था सुप्रीम कोर्ट का आदेशः होमगार्ड के कर्मियों ने समान काम के बदले समान वेतन और अन्य सुविधाओं की मांग उठाई. प्रदर्शनकारी सरकार पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगा रहे हैं. उनका कहना है कि पुलिसकर्मियों की तरह काम करने के बाद भी समान वेतन और सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं. सुप्रीम कोर्ट ने भी अविलंब सुविधा देने का निर्देश दिया है.

वर्तमान में 50प्रतिशत महंगाई भत्ता अन्य कर्मचारियों को दिया जाता है. साथ ही महिला होमगार्ड को 2 दिन का विशेष अवकाश एवं मातृत्व अवकाश भी दिया जाए.÷-सुदेश्वर प्रसाद,महासचिव,बिहार रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक संघ

21 सूत्री मांग

जहां एक तरफ विधानसभा सत्र चल रहा है वहीं दूसरी तरफ बिहार गृह रक्षा वाहिनी के कर्मियों के द्वारा धरनास्थल पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है. प्रदर्शन में शामिल होमगार्ड के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार ठाकुर ने बताया कि समान काम का समान वेतन चाहिए. 21 सूत्री मांग हम लोगों की पहले से है, लेकिन अभी तक सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाई है.

होमगार्ड बिहार के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार ठाकुर का कहना है कि कोर्ट का भी फैसला गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) के पक्ष में आया है. 774 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से मिलता है. 33000 प्रति माह के हिसाब से मिलना चाहिए था, लेकिन दोहरी नीति अपनाई जा रही है. पुलिसकर्मियों के बराबर दिन रात हमलोग बिहार सरकार के लगभग विभागों में काम करते हैं. सीएल वगैरह का भी लाभ नहीं मिलता है. यहां तक की बीमार पड़ने पर सैलरी कट जाती है. राज्य भर की विधि व्यवस्था हम ठप करना नहीं चाहते हैं. सरकार आंदोलन समाप्त कराए नहीं तो होमगार्ड मर कर ही यहां से जाएगा.

परिवार पालना हो रहा मुश्किल

होमगार्ड कर्मी नंद किशोर ठाकुर ने बताया कि जितनी सैलरी मिलती है, उसमें घर परिवार नहीं चल पाता है. मजबूरन बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाना पड़ता है. रोस्टर के अनुसार ड्यूटी दी जाती है. रोस्टर से नाम अगर हट गया तो उस दिन की ना ड्यूटी मिलती है और ना सैलरी.

होमगार्ड कर्मी नंद किशोर ठाकुर ने बताया कि ड्यूटी में नाम आने के लिए रोस्टर आने का इंतजार करना पड़ता है. कभी-कभी 10 दिनों तक भी रोस्टर में नाम नहीं आता है. इंतजार में घर पर बैठना पड़ता है. होमगार्ड के जवान बिहार के पुलिस स्टेशन पर भी ड्यूटी करते हैं. आज 50 प्रतिशत जवान काम काज छोड़कर अपने हक की लड़ाई के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं और 50 प्रतिशत ड्यूटी पर हैं.

पटना में कंस्ट्रक्शन साइट से गिरकर 2 मजदूर की मौत

पटना, एजेंसी। पटना में मंगलवार की शाम कंस्ट्रक्शन साइट से गिरकर 2 मजदूरों की मौत हो गई। घटना चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र के पार्वती पथ में हुई है। अनिल सिंह का मकान बन रहा था। इसी मकान के बनने के दौरान हादसा हुआ है। मृतकों में राजू राय उर्फ जयनारायण सिंह और शिवशंकर सिंह शामिल हैं। दोनों वैशाली के रहने वाले थे। पटना में मजदूरी करते थे। वहीं, घटना के बाद मजदूरों में आक्रोश है। सभी मकान मालिक से पीड़ित के परिजन के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया : एक मजदूर ने बताया कि सेंटरिंग का काम चल रहा था। बैलेंस बिगड़ा और हादसा हो गया। चित्रगुप्त नगर थानेदार आलोक कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मृतकों की पहचान कर ली गई है। दोनों वैशाली के रहने वाले थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घटना के बाद जमा हो गए मजदूर : घटना के बाद आसपास के मजदूर भी घटनास्थल पर पहुंच गए। कुछ यूनियन के नेता भी आ गए। सभी लोगों ने परिजन के लिए मुआवजे की मांग की। वहीं, मजदूरों के आक्रोश को देखते हुए मौके पर पत्रकार नगर, कंकड़बाग, जक्कनपुर समेत लगभग 5 थानों की पुलिस मौजूद रही।

बिहार में तो पुलिस वाले का ही चालान कट गया

दरभंगा, एजेंसी। सड़क सुरक्षा को लेकर बिहार पुलिस इन दिनों सावधान दिख रही है. पुलिस की तरफ से लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है. इसी कड़ी में दरभंगा की सड़कों पर वर्दी वाले ही वर्दीवालों का चालान काटते दिखे. पुलिस वाले का चालान कटा : इस दौरान कुछ पुलिसकर्मी भी नियमों का उल्लंघन करते दिखे. इसके बाद यातायात पुलिसकर्मियों ने उनको भी नहीं बख्सा और उनका भी चलान काटा.ट्रैफिक पुलिस ने आमलोगों के दिल में जगह बनाने के लिए बिना हेलमेट के बाइक चला रहे एएसआई विनोद कुमार को 1000 हजार रुपये का चालान काट दिया.

हेलमेट पहनकर बाइक चलाना चाहिए : बिना हेलमेट के बाइक चलाने वाले पुलिस अधिकारी विनोद कुमार ने चालान भरने के बाद कहा कि आम लोगो को भी हेलमेट पहनकर बाइक चलाना चाहिए. ताकि खुद की रक्षा की रक्षा के साथ-साथ दूसरों की भी रक्षा करें. उन्होंने इस काम के लिए यातायात पुलिस की भी तारीफ की.

दरभंगा में लगातार चेकिंग अभियान : इस दौरान सड़क पर सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर चलने वाले वाहन मालिकों के खिलाफ पुलिस ने नकेल कसा. इस पूरे मामले पर यातायात थानाध्यक्ष कुमार गौरव ने बताया कि दरभंगा में लगातार यातायात नियम पालन को देखते हुए चेकिंग अभियान चलाया जाता है. यातायात थानाध्यक्ष कुमार गौरव का कहना है कि वाहन चेकिंग किया जा रहा था, जिसमें एक पुलिस अधिकारी विनोद कुमार जो वर्दी में बिना हेलमेट के बाइक चला रहे थे. उनका 1000 रुपये का चालान काटा गया है. नियम सभी के लिए एक समान हैं, चाहे वे पुलिस वाले हों या प्रेस वाले या फिर आम लोग.

चाकूबाजी में छात्र की मौत, गुस्साए लोगों ने हॉस्टल में लगाई आग, बाइक जलकर राख

बेतिया, एजेंसी। बिहार के बेतिया में चाकूबाजी की घटना सामने आयी है. इस घटना में एक छात्र की मौत हो गयी. घटना मुफ्फसील थाना अंतर्गत आईटीआई कॉलोनी की है. छात्रों के बीच पूर्व से विवाद में पहले मारपीट हुई फिर चाकूबाजी में एक छात्र जख्मी हो गया. इलाज के दौरान मौत हो गई.

छात्र की मौत के बाद हंगामा

मृतक की पहचान सौरभ कुमार, पूर्वी करगहिया निवासी के रूप में हुई है. छात्र की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया है. घटना की सुचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस और सदर एसडीपीओ विवेक दीप घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन की.

दो आरोपी गिरफ्तार

जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार की रात की है. इस मामले में पुलिस ने दो लड़कों को गिरफ्तार किया है. दोनों आरोपी से पूछताछ की जा रही है. जो मझौलिया थाना क्षेत्र धोकरहा के रहने वाले हैं. घटनास्थल पर डॉग स्कवायड की टीम पहुंची है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

पूर्व के विवाद में घटना

सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने बताया कि छात्रों के बिच पूर्व से विवाद था. मंगलवार दोनों गुट में मारपीट हुई है. उसी में एक गुट ने एक छात्र को चाकू मार दी है. जिसका इलाज के दौरान मौत हो गई है. पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है. पुलिस फुटेज की जांच कर रही है. ÷घटना की जानकारी मिली है. चाकूबाजी में एक छात्र की मौत हो गयी है. घटनास्थल का फुटेज खंगाला जा रहा है. दो आरोपी से पूछताछ की जा रही है. इसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पटना में ट्रांसफार्मरों पर कैसे लग रहा सुरक्षा घेरा, वार्निंग सिग्नल भी लगाए जा रहे

ताकि ना हो फिर हादसा

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में हाई-वोल्टेज इलेक्ट्रिक ट्रांसफार्मर की वजह से होने वाली घटनाओं से बचाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए साउथ बिहार पावर ड्रिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने इन इलेक्ट्रिक ट्रांसफार्मर पर बेड़ा लगा रही है। यानी इस विद्युत ट्रांसफॉर्मरों पर सुरक्षा घेरा लगाने का काम किया जा रहा है। पेसू के अंतर्गत करीब 7500 ट्रांसफार्मर खुली जगहों पर लगे हैं। पिछले तीन महीनों में इनमें से करीब 2,000 ट्रांसफार्मरों पर यह सुरक्षा बेड़ा लगाया जा चुका है। इसके अलावा SBPDCL ने अगले छह महीने में सभी ट्रांसफार्मरों के पास सुरक्षा बेड़ा लगाने का लक्ष्य रखा है। इस बड़े काम के लिए एक एजेंसी को भी हायर किया गया है।

यूं हो रही ट्रांसफार्मरों की फेंसिंग : इस फेन्सिंग प्रोजेक्ट के तहत रिहायशी इलाकों, बाजारों और सार्वजिक जगहों पर लगे ट्रांसफार्मरों पर बैरियर लगाने, वार्निंग सिग्ननल लगाने और सुरक्षात्मक कवर लगाने का काम किया जा रहा है। ट्रांसफार्मरों को बैरियर लगा कर सुरक्षित करने का निर्णय ऊर्जा विभाग ने लिया है। दरअसल पिछले साल पटना सिविल कोर्ट के पास लगे एक ट्रांसफार्मर में अचानक ब्लास्ट हो गया था। इस हादसे में दो वकील और एक क्लर्क की मौत हो गई थी। इसके अलावा पिछले ही साल दिसंबर के महीने में परसा बाजार इलाके में ट्रांसफार्मर ब्लास्ट होने की वजह से एक महिला की मौत हो गई थी और दो अन्य लोग जख्मी हो गए थे।

फाइबर के बाड़े लगाए जा रहे : पेसू के जनरल मैनेजर श्रीराम सिंह ने कहा कि पिछले साल नवंबर में उनलोगों ने खुद से ही फेंसिंग का काम शुरू किया। हालांकि, दिसंबर के महीने में एजेंसी को इसमें शामिल किया गया और उसने फाइबर-प्रबलित प्लास्टिक बाड़े लगाने का काम शुरू किया। हालांकि, शुरू में गंगा घाट, राजा बाजार और शगुना मोड़ जैसे कुछ व्यस्त इलाकों में लोहे की फेंसिंग लगाई गई थी। हालांकि, अब हम एजेंसी के साथ काम कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में सबसे पहले बाजार, सार्वजनिक जगहों और ज्यादा आबादी वाली जगहों पर लगे ट्रांसफार्मरों की पहचान की गई थी। यह सुरक्षा फेंसिंग लोगों को ट्रांसफार्मरों से दूर रखेंगे और इससे हादसों को भी टाला जा सकेगा। हालांकि, हाई-वोल्टेज ट्रांसफार्मरों पर फेंसिंग कर खतरे को कम करने के इस काम में चुनौतियां भी काफी हैं। दरअसल संकीर्ण इलाकों में ट्रांसफार्मरों पर फेंसिंग के काम में मुश्किलें आ रही हैं। हालांकि, मुश्किलों के बावजूद बेड़ा लगाने का काम जारी है।

दरवाजा तोड़कर घर में घुसे चोर, कीमती सामान लेकर फरार

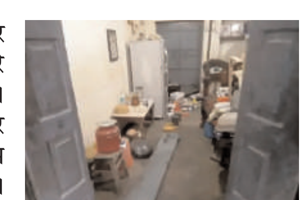

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में चोर एक बंद घर में घुसे और सारे कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घर के अंदर चोर दरवाजा तोड़कर घुसे थे। मकान मालिक निजी काम को लेकर कोलकाता गए हुए थे। वापस लौटे तो देखा ताला टूटा हुआ पाया। पीड़ित मनोज कुमार सरसहाय ने कहा घर में कोई नहीं था, दरवाजा लॉक था, लेकिन, जब हम वापस लौटे तो घर के सारे सामान कमरे में बिखरे थे। दरवाजे का ताला टूटा हुआ था।।करीब लाखों रुपए का सामान चोर ने चोरी किया है। घटना हलगांव थाना क्षेत्र के शिकारगढ़ टोला वार्ड नंबर-7 की है।

कहलगांव पुलिस को आवेदन दिया गया है

मामले में कहलगांव पुलिस को लिखित आवेदन दिया गया है। अज्ञात चोर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में कहलगांव थाना अध्यक्ष से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरुवार, 06 मार्च, 2025

संक्षिप्त समाचार

होली के मौके पर रेलवे ने चलाई आठ स्पेशल ट्रेनें, देखें नई गाड़ियों की समय सारिणी

आगरा, एजेंसी। होली का त्योहार इस बार 14 मार्च को मनाया जाएगा। इस रंगों के त्योहार में लोग अपनों से मिलते हैं और एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। कोई अपने दोस्तों संग, तो कोई अपने परिवार संग इस रंगों के त्योहार को मनाता है। वहीं, जो लोग अपने घरों से पढ़ाई या नौकरी आदि के कारण बाहर रहते हैं, वे भी इस मौके पर घर जाते हैं। ऐसे में लोग घर जाने के लिए ट्रेन से यात्रा करते हैं, लेकिन होली के मौके पर ट्रेन का टिकट मिलना बेहद ही मुश्किल होता है और रेलवे स्टेशन पर भीड़ भी काफी बढ़ जाती है। इसी बात को देखते हुए इस बार होली के लिए रेलवे ने आठ स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं।

ट्रेन नंबर 5734 कटिहार से अमृतसर एक्सप्रेस 6 से 27 मार्च से रोज चार फेरे लगाएगी। ट्रेन नंबर 5733 अमृतसर कटिहार एक्सप्रेस 8 से 29 मार्च तक चलेगी। ट्रेन नंबर 3007 हावड़ा खातीपुरा 9 मार्च व 16 मार्च को आगरा कैंट होकर जाएगी। खातीपुरा से हावड़ा के लिए 11 व 18 मार्च को चलेगी। ट्रेन संख्या 9025 वलसाड से सप्ताह में सोमवार को वापसी के लिए दानापुर से मंगलवार को चलेगी। इस ट्रेन के 18 फेरे होंगे। ट्रेन संख्या 9411 अहमदाबाद ग्वालियर सुपरफास्ट साप्ताहिक चलेगी।

अहमदाबाद से प्रत्येक शनिवार और ग्वालियर से प्रत्येक रविवार को संचालित होगी। ट्रेन संख्या 9117 व 9118 उधना से प्रत्येक शुक्रवार को सूबेदारगंज से प्रत्येक शनिवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 9075 व 9076 मुंबई सेंट्रल काठगोदाम प्रत्येक बुधवार और गुरुवार को चलेंगी। ट्रेन संख्या 9185 और 9186 में मुंबई सेंट्रल कानपुर अनरगंज ट्रेन प्रत्येक बुधवार को गुरुवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 9101 व 9102 को बड़ोदरा हरिद्वार होली स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शनिवार को बड़ोदरा व रविवार को हरिद्वार से चलेगी।

दूल्हे को धमकी...बरात लेकर भिंड आए तो मजबूरन गोली मारनी पड़ेगी

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में एक दूल्हे को बरात ले जाने से दो दिन पहले धमकी मिली है। दूल्हा बाह के बासौनी गांव का रहने वाला है। बताया गया है कि गांव में बाइक से आए दो युवकों ने पर्चे फेंके। इन पर्चों के माध्यम से धमकी दी गई। दुल्हन के नाम के साथ लिखा गया कि भिंड में बरात लेकर नहीं आना। यदि बरात आई तो मजबूरन दूल्हे को गोली मारनी पड़ेगी। बताया गया है कि बासौनी क्षेत्र के युवक का रिश्ता भिंड की युवती से तय हुआ है। 25 फरवरी को लग्नोत्सव और दावत हो चुकी है। पांच मार्च को भिंड बरात जाएगी। इससे पहले सोमवार को बाइक सवार दो नकाबपोश युवक दूल्हे के गांव पहुंचे। यहां इन बाइक सवारों ने पर्चे फेंके, जिन पर दुल्हन के नाम लिखा हुआ है। इसके साथ ही धमकी लिखी है कि भिंड में बरात लेकर नहीं आना। इस धमकी के मिलने के बाद दूल्हा पक्ष के लोगों ने दुल्हन के घरवालों से बात की। इसकी जानकारी मिलने के बाद दुल्हन के परिवार के लोग भी दहशत में हैं। हालांकि उन लोगों ने साफ-साफ कहा कि बरात लेकर आएं। वहीं दुल्हन पक्ष से बात करने के बाद दूल्हा पक्ष के लोगों को भी हिम्मत मिल गई है। उनका कहना है कि बात अब इज्जत की है, बरात लेकर जरूर जाएंगे।

जिस युवती से किया दुष्कर्म, वायरल किए अश्लील फोटो...उसी से करनी पड़ेगी शादी

आगरा , एजेंसी। आगरा के खंदौली में पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा देने आई युवती के साथ दुष्कर्म कर आपत्तिजनक वीडियो बनाया गया था। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए थे। पीड़िता की शिकायत पर थाना खंदौली में दुष्कर्म, आईटी एक्ट व अन्य धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा गया था। 3 अक्तूबर 2024 को जिला जज ने आरोपी की जमानत खारिज कर दी। तब हाईकोर्ट में जमानत प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया। हाईकोर्ट ने राजस्थान के जिला सीकर के थाना जाजोद क्षेत्र के गांव खटुंद्र निवासी नरेश मीणा उर्फ नरसा राम मीणा को सशर्त जमानत दी। आदेश दिए है कि आरोपी जेल से छूटने के तीन महीने के अंदर पीड़िता से शादी करेगा।

औरंगजेब को आदर्श मानने वाले विधायक को यूपी भेजिए, इलाज कर देंगे

अबू आजमी का नाम लिए बिना योगी का हमला

लखनऊ , एजेंसी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी के बजट सत्र में विधान परिषद को संबोधित करते हुए महाकुंभ के आयोजन का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि यह ऐसा आयोजन था जिसे लंबे समय तक दुनिया याद रखेगी। उन्होंने कहा कि कुछ पार्टियां इससे सहमत नहीं थीं और महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार किया फिर भी लोगों की आस्था नहीं डिगी।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ के आयोजन की दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। जो लोग संघ की विचारधारा से नहीं जुड़े हैं वो भी महाकुंभ के आयोजन की प्रशंसा कर रहे हैं। 45 दिन तक चले आयोजन में कोई लूट की घटना नहीं हुई। कोई अपहरण की घटना नहीं हुई। यह सनातन के सामाजिक अनुशासन का प्रभाव है। जो कि कहता है कि पूरा देश एक है और यहां जातिवाद और क्षेत्रवाद की कोई जगह नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये उन लोगों को जवाब है जो कि जल के प्रदूषण और अन्य तमाम छोटी खबरों को लेकर आयोजन पर सवाल उठा रहे थे और दुष्प्रचार कर रहे थे। देश की जनता के लिए गंगा सबसे पवित्र है और विज्ञान कहता है कि बहता हुआ जल खुद को पवित्र करता रहता है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि महाकुंभ में जैसी जिसकी दृष्टि थी वैसा ही उसने वहां देखा। सनातन के मानने वालों के लिए महाकुंभ एक गर्व का विषय है जो कि पूरी दुनिया को एकता का संदेश देता है।

महाकुंभ के आयोजन के दौरान काशी और अयोध्या में भी पर्यटकों की संख्या काफी बढ़ गई। इस दौरान इन नगरों के स्थानीय लोगों ने अभूतपूर्व धैर्य का परिचय दिया साथ ही उनका आतिथ्य सत्कार भी किया।

एक नाविक परिवार ने 30 करोड़ रुपये की कमाई की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आस्था को आजीविका से जोड़ा है। यही कारण है कि प्रयागराज का एक नाविक परिवार जिसके पास 130 नावें थीं। उन्होंने पूरे आयोजन के दौरान 30 करोड़ रुपये की कमाई की। महाकुंभ का वृहद आर्थिक पक्ष है। हमारा अनुमान है कि इस आयोजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को साढ़े तीन लाख करोड़ का लाभ हुआ है।

औरंगजेब सपा के लोगों का नायक

मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर हमला करते हुए कहा कि सपा के लोगों के लिए औरंगजेब गर्व का विषय है जिसने अपने पिता को कैद कर उन्हें पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया था। उन्होंने कहा कि सपा का अपने विधायकों पर नियंत्रण नहीं है। उन्होंने अबू आजमी का नाम लिए बिना कहा कि सपा को उसे पार्टी से निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सपा को उस नेता के बयान का खंडन करना चाहिए और पार्टी से निकाल देना चाहिए। नहीं तो उसे यहां बुलाइये। हम उसका इलाज कर देंगे। यूपी ऐसे लोगों का उपचार अच्छे से करता है। ये लोग महाकुंभ को कोसते हैं और औरंगजेब पर गर्व करते हैं। बता दें कि अबू आजमी ने बयान दिया था कि वह औरंगजेब पर गर्व करते हैं। उसे यूपी भेज दीजिए हम इलाज कर देंगे।

लाख रुपये ले लो, कोर्ट में झूठी गवाही..., गाजीपुर में जेल से धमकी का आरोप

गाजीपुर , एजेंसी। बिहार में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का सरगना विनोद गुप्ता पर जेल के अंदर से फोन करने के मामले में अब जांच के बाद पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज कर लिया है। यह मुकदमा पीड़ित की तहरीर पर शहर कोतवाली में दर्ज कराया गया है।

पूर्वी चंपारण के सुगौली थाना क्षेत्र के श्यामपुर फूलवर निवासी श्याम कुमार की तहरीर पर पुलिस ने यह मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि विनोद गुप्ता ने नौकरी दिलाने के पर 9.80 लाख रुपये ठग लिया है, जिसका मुकदमा भी रेवतीपुर थाने में दर्ज हैं।

आरोपी इस समय गाजीपुर जेल में बंद है। यह भी आरोप है कि बीते 19 फरवरी को जेल में बंद विनोद गुप्ता ने मुकदमा उठाने के लिए धमकी भरा फोन किया। जबकि जेल के बाहर उसका सहयोगी घर पहुंच गए। व शिकायतकर्ता के घर पर मुंह बांधकर आए और धमकी दे रहे हैं, जिससे वह और उसका परिवार भयभीत है।

बीते दिनों शिकायत मिलने पर दो आडियो के सहारे मामले की जांच में जुटी पुलिस अब सच्चाई के करीब पहुंच गई है। एक आडियो में कहा जा रहा है कि दो लाख रुपये पहले ले लो, कोर्ट में झूठी गवाही दे दो। छूटने पर बाकी रुपये दे दूंगा।

आरोप है कि उसने धमकी भी दिया है। हालांकि जेल प्रशासन ने दावा किया कि जेल के पीसीओ से उसने पंजीकृत ही मोबाइल नंबर पर फोन किया है। लेकिन पुलिस की जांच में यह बात सामने आ रही है कि जो मोबाइल नंबर शिकायतकर्ताओं की ओर से दिया गया है वह आरोप के करीब है।

अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। लेकिन पुलिस के मुताबिक मोबाइल नंबर के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ में अहम सुराग मिला है, जिसके आधार पर पुलिस यह साबित हो रहा है कि किसी प्राइवेट व्यक्ति के मोबाइल से यह सब किया गया है। एसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। जल्द सच्चाई सामने आएगी।

छात्रा के ऊपर गिरा तो काटे गए 11 पेड़, चंदन के छोड़ दिए

वाराणसी , एजेंसी। भौतिकी विभाग की शोध छात्रा वृंदा पाल के ऊपर सूखे ताड़ का पेड़ गिर गया था। इस वजह से वह बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में दो माह भर्ती थी। इसके चलते छात्रों के लिए गंभीर खतरा बने बीएचयू कैंपस के 11 पेड़ काटने पड़े थे।

इसके अलावा बीएचयू प्रशासन द्वारा चंदन के पेड़ों की कटाई नहीं कराई गई है। इस संबंध में पुलिस फाइनल रिपोर्ट दाखिल कर चुकी है। अवैध ढंग से पेड़ों की कटाई के मामले में यह जवाब बीएचयू की ओर से एनजीटी में दाखिल किया गया है। इसके साथ ही बीएचयू में अवैध ढंग से पेड़ों की कटाई के मामले में अब सात जुलाई को अंतिम बहस होगी।

बीएचयू में अवैध ढंग से पेड़ों की कटाई के मामले में मंगलवार को एनजीटी की प्रधान पीठ के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल, विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की चार सदस्यीय पीठ के समक्ष मंगलवार को सुनवाई हुई। बीएचयू के वकील द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी खराब तबीयत का हवाला देकर समय की मांग की गई। सुनवाई के दौरान चेयरपर्सन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने याचिकाकर्ता व अधिवक्ता सौरभ तिवारी से पूछा की क्या आपको बीएचयू के जवाब की कॉपी मिल गई है। अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने बताया कि जवाब की कॉपी मिल गयी है और उन्होंने प्रति उत्तर भी दाखिल कर दिया है। बीएचयू के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता के जवाब की कॉपी उनको नहीं मिली है। इस पर एनजीटी ने अधिवक्ता सौरभ तिवारी को एक हफ्ते के अंदर अपने जवाब की कॉपी सभी विपक्षियों को देने का आदेश दिया।

कानपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण की सास लक्ष्मी को भाजपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

- सांसद और यूपी सरकार की पूर्व मंत्री स्वर्गीय कमल रानी वरुण की पुत्री हैं कानपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरूण

सुनील बाजपेई

कानपुर। संसार में जन्म और इसके बाद मृत्यु के क्रम में स्थूल शरीर छोड़कर सूक्ष्म शरीर में प्रवेश करने वाली समाज सेविका भी रही लक्ष्मी देवी को यहां भाजपा के जनप्रतिनिधियों और नेताओं समेत अन्य गण मान्य लोगों ने भी उनके त्रयोदशी संस्कार में भाग लेकर अपनी भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साकेत नगर में रहने वाली लक्ष्मी देवी अपने पीछे भरा पूरा परिवार मनीष सिंह, आशीष सिंह को छोड़ गईं हैं। वह जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वप्निल वरुण की सास भी थीं।

हर किसी के सुख दुख में सदैव खड़े होने वाली सरल और शालीन स्वभाव की व्यवहार कुशल जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा नेता स्वप्निल वरुण की मां कमल रानी वरुण भी घाटमपुर से दो बार सांसद एक बार विधायक के साथ ही यूपी सरकार में मंत्री भी रह चुकी हैं। सन 2020 मृत्यु के मामले में विश्व व्यापी रहे कोरोना महामारी ने उन्हें यह संसार छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था। फिलहाल अब हर जाति, हर धर्म और हर वर्ग के लोगों में मजबूत पकड़ रखने वाली जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण भी समाज सेवा और जनहित के मामले में लोक प्रिय रहीं अपनी मां कमल रानी वरुण के ही पद चिन्हों पर चल रही हैं।

शोषित वंचित और दलितों के हित कार्यों में भी अग्रणी और जन समस्याओं के खिलाफ शुरू से ही जुझारू तेवरों वाली जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण की सास लक्ष्मी देवी को श्रद्धांजलि देने वालों में भाजपा समेत विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि नेताओं में क्षत्रिय जागरण मंच के संयोजक मुखिया और भारतीय प्रधान संगठन यूपी के अध्यक्ष ठाकुर एसके सिंह ,भाजपा नेत्री निशा तिवारी, राकेश शर्मा ,आर के तिवारी केडी तिवारी और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के प्रतिनिधि भाजपा नेता सुरेंद्र अवस्थी समेत अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे।

वाराणसी में छात्र ने लगाया फंदा : कुएं में इकलौते बेटे की लाश देख परिजन बेसुध..., एक दिन पहले हो गया था गायब

वाराणसी, एजेंसी। बीते मंगलवार की दोपहर करीब एक बजे वह अपने मौसा के घर से अचानक गायब हो गया था। एक दिन बाद यानी बुधवार की सुबह उसकी लाश घर से चार सौ मीटर की दूरी पर बगीचे में पर स्थित एक कुएं में मफलर के फंदे से लटकती हुई मिली।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस और फारेंसिक टीम ने लाश को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। वहीं, परिजनों ने घटना को लेकर समाचार दिए जाने तक किसी प्रकार का आरोप-प्रत्यारोप नहीं किया है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय थानाक्षेत्र के भगवानपुर खुटहना गांव निवासी पिता अरविंद कुमार एवं माता ललिता देवी का इकलौता बेटा आर्यन पटेल अपने मौसा के घर रहकर कक्षा नौ में पढ़ता था। मंगलवार की दोपहर में वह घर से निकला और देर शाम तक वापस नहीं लौटा तो मौसा खोजबीन के बाद इसकी सूचना उसके माता-पिता को दिया। इस पर पिता ने कहा कि कहीं गया होगा, लौट आएगा, लेकिन देर रात वह नहीं आया। सब उसकी खोजबीन करते रहे, कोई पता नहीं चला। बुधवार की सुबह गांव के लोग टहलने के लिए बगीचे में गए तो देखा की कुएं की जगत पर लोहे की एक रॉड से बंधा मफलर लटका था। उसी के सहारे किशोर फंदे पर लटका था। इसकी जानकारी मिलते ही काफी संख्या में लोग उपस्थित हो गये और उसकी पहचान आर्यन पटेल के रूप में किए। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, मौसा और पिता का कहना है कि हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। फिलहाल, इस घटना की जांच पुलिस कर रही है।

सर्किल रेट का मूल्यांकन: दो जिलों की सीमा से सटे 144 गांव...सर्किल रेट में 300 फीसदी ज्यादा अंतर

लखनऊ , एजेंसी। सीमावर्ती जिलों के गांवों में सर्किल रेट में भारी असमानता मिली है। शासन के निर्देश पर हुई जांच में दो जिलों की सीमा से सटे 144 गांव मिले हैं, जहां 25 फीसदी से लेकर 300 फीसदी से ज्यादे सर्किल रेट का अंतर पाया गया है। ये गांव गोरखपुर और इससे सटे जिले महराजगंज, संतकबीरनगर, देवरिया, कुशीनगर, मऊ और आजमगढ़ की सीमा वाले हैं। इसके अलावा गोरखपुर की सात तहसीलों की सीमा से सटे 274 गांव भी चिह्नित हुए हैं, जहां सर्किल रेट में 200 फीसदी तक अंतर है। निबंधन कार्यालय से रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। इन गांवों में एक समान सर्किल रेट शासन स्तर से किया जाना है। शासन से पिछले दिनों सीमावर्ती क्षेत्रों के राजस्व ग्राम के मूल्यांकन दरों के तुलनात्मक विवरण की रिपोर्ट मांगी गई थी। साथ ही यह भी कहा गया कि जिलाधिकारी समीक्षा कर ऐसे राजस्व गांवों के सर्किल रेट को एक समान करेंगे। ज्यादा से ज्यादा 10 फीसदी का अंतर ही होना चाहिए।

रोहिंग्या मामला: अवैध कब्जे वालों ने बदला ठिकाना

एटीएस व खुफिया एजेंसी कर रही जांच- अभी तक नहीं मिले रोंहिग्या

गोरखपुर , एजेंसी। पुलिस की जांच शुरू होते ही रेलवे की खाली भूमि पर कब्जा कर झोपड़ी बनाकर रहने वाले लोग सोमवार रात में सामान लेकर कहीं निकल गए। मंगलवार को पुलिस व प्रशासन की टीम पहुंची तो मौके पर खाली झोपड़ियां व बिखरा हुआ सामान बचा था।

भाजपा नेता की शिकायत के बाद आशंका जताई जा रही थी कि झोपड़ी में रोहिंग्या मुसलमान रहते हैं। अभी तक पुलिस की जांच में सामने आया है कि झोपड़ी में रहने वाले लोग भीख मांगने के साथ ही कबाड़ बीनकर और मजदूरी करके गुजारा करते हैं। वहीं कई ऐसे भी हैं, जो कहां के रहने वाले हैं, यहां कैसे पहुंचे, इसका जवाब नहीं दे सके। जांच और कार्रवाई के डर से मंगलवार रात में ये लोग अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर भाग गए।

मंगलवार सुबह जब पुलिस टीम दोबारा जांच के लिए पहुंची, तो वहां सिर्फ खाली झोपड़ियां और बिखरे हुए घरेलू सामान मिले। आसपास की कुछ महिलाएं टूटी-

फूटी झोपड़ी से लकड़ियां और अन्य जरूरी सामान समेटती दिखीं। पूछने पर उन्होंने कहा कि रात में कुछ लोग चले गए। बाकी सुबह बोरिया-बिस्तर लेकर निकल गए। पुलिस बार-बार आ रही थी, इसलिए सब डर गए थे।

गढ़वा गांव में 27 के आधार कार्ड की हुई जांच

सोमवार को सीओ चौरीचौरा के साथ पिपराइच थाने की टीम ने विवादित जमीन पर रहने वालों से पूछताछ की थी। इसके अलावा गढ़वा गांव में जाकर भी पूछताछ की गई थी। यहां 27 लोगों के पास आधार कार्ड मिला था। आधार सत्यापन कराया जा रहा है। इसके अलावा अन्य लोगों से भी पूछताछ कर झोपड़ी में रहने वालों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

एक युवक ने लाकर बसाया: रेलवे की खाली जमीन पर झोपड़ी डालकर रहने वाली इशरावती और प्रभावती ने बताया कि उनका घर पादरी बाजार के पास लक्ष्मीपुर में है। गोभी की पत्नी नीता ने बताया था कि हम लोग काफी दिन तक बड़ी मस्जिद के पास रहे। वहां रहने वाले एक मुस्लिम युवक ने दो साल पहले सरकारी जमीन बताकर रेलवे की जमीन में बसा दिया था।

जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए दिया गया है नोटिस

रेलवे के आईडब्लू केएल लाल ने बताया कि कुछ लोग रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जा कर अपनी जमीन होने का दावा कर रहे थे। कोर्ट के फैसले के आधार पर रेलवे जमीन की पैमाइश कराकर सीमांकन करा दिया गया है। जो लोग अवैध कब्जा किए हैं, उन्हें जमीन खाली करने की नोटिस जारी कर दिया गया है।

पांच नामजद और 50 अज्ञात रोहिंग्या पर दर्ज है केस

नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष अनुपमा आर्या ने रविवार को पांच नामजद व 50 अज्ञात रोहिंग्या के खिलाफ पिपराइच थाने में मारपीट और जानलेवा हमला करने का केस दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि भूमि विवाद में रोहिंग्या की मदद से उनके ऊपर जानलेवा हमला किया गया। मामला सामने आने के बाद एलआईयू, एटीएस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी शख्स ने भारतीय नर्स को बुरी तरह पीटा, चेहरे की हड्डियां फ्रैक्चर

वॉशिंगटन। फ्लोरिडा में 33 साल के एक शख्स ने भारतीय मूल की 66 साल की नर्स को बुरी तरह पीटा। हमले में नर्स के चेहरे की हर एक हड्डी टूट गई। दोनों आंखों की रोशनी जाने की भी आशंका है। जब पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची, तो उसने कहा- भारतीय बुरे होते हैं। मैंने अभी एक भारतीय डॉक्टर की बुरी तरह पिटाई की है। ये घटना 19 फरवरी की है। 27 फरवरी को कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। तब आरोपी का बयान पुलिस अफसर ने कोर्ट में बताया। कोर्ट ने उसे हेट क्राइम और सेकेंड डिग्री मर्डर का दोषी माना है। हमलावर की पहचान स्टीफन स्कैंटलबरी के तौर पर हुई है, जो फ्लोरिडा पाम्स वेस्ट साइड अस्पताल के साइकियाट्रिक वॉर्ड में भर्ती था। लीलम्मा लाल उसी अस्पताल में नर्स हैं। हमले के कुछ देर बाद ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, हमले के बाद आरोपी फरार हो गया था। जब उसे अरेस्ट किया गया तो वह एक सड़क पर बिना शर्ट और जूतों के था। उसके शरीर पर EKG मशीन के तार लगे हुए थे। पुलिस ने पिस्टल दिखाकर उसे सरेंडर कराया।

कन्नड़ एक्ट्रेस एयरपोर्ट पर 15kg सोने के साथ गिरफ्तार, कर्नाटक DGP की सौतेली बेटी हैं

बेंगलुरु। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को 3 मार्च की देर शाम डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) ने 14.8 किलो सोने के साथ गिरफ्तार किया। इसकी जानकारी बुधवार (5 मार्च) को सामने आई है। रान्या कर्नाटक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (DGP) रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। उन्होंने कन्नड़ फिल्मों माणिक्य और पाटकी में काम किया है। कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। DRI अधिकारियों के मुताबिक, रान्या राव दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट के जरिए भारत लौटी थीं। सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही उनकी एक्टिविटी पर नजर रख रही थीं, क्योंकि वह पिछले 15 दिनों में 4 बार दुबई जा चुकी थीं। DRI की दिल्ली टीम को पहले से ही रान्या के सोने की तस्करी में

शामिल होने की जानकारी थी। इसलिए 3 मार्च को उनकी फ्लाइट के लैंड करने से दो घंटे पहले ही अधिकारी एयरपोर्ट पर पहुंच गए थे। पुलिस के जरिए कस्टम से बचने की कोशिश जानकारी के मुताबिक रान्या राव ने एयरपोर्ट पर उतरते ही खुद को कर्नाटक के DGP की बेटी बताया। साथ ही लोकल पुलिस से कॉन्टैक्ट कर एयरपोर्ट से निकालने की कोशिश की, लेकिन DRI की टीम उन्हें बेंगलुरु के DRI हेडक्वार्टर में पूछताछ के लिए ले गई। जांच में पता चला कि रान्या कुछ सोने को अपने कपड़ों में छिपा रही थीं। अवैध सोने की पुष्टि होने के बाद उन्हें 3 मार्च की शाम 7 बजे हिरासत में लिया गया।

मायावती के ऑफर को आकाश आनंद के पिता ने ठुकराया, नेशनल कोऑर्डिनेटर बनने से इनकार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा में शुरू हुआ पारिवारिक विवाद अब बढ़ता जा रहा है। मायावती की भतीजे आकाश आनंद से अनबन के बाद अब भाई आनंद कुमार से भी नहीं बन रही। मायावती ने 3 दिन पहले भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया था। इसके बाद उनके पिता आनंद कुमार को जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, आनंद कुमार ने नेशनल कोऑर्डिनेटर पद पर काम करने से इनकार कर दिया। इसके बाद मायावती ने उनसे जिम्मेदारी वापस ले ली है। बुधवार सुबह मायावती ने X पर 2 पोस्ट किए। इसमें लिखा- आनंद कुमार ने एक पद पर काम करने की इच्छा जाहिर की। इसलिए, वह पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे।

जबकि नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद की जिम्मेदारी उनसे वापस ली जा रही है। इसके अलावा, मायावती ने पार्टी में कई बड़े फेरबदल का ऐलान किया है। सहारनपुर के रहने वाले रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी है। मायावती ने कहा- अब राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और रणधीर बेनीवाल, दोनों पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर के रूप में मेरे निर्देशन में काम करेंगे। इससे पहले, आकाश के ससुर और फिर उन्हें पार्टी से निकाल दिया था।

पुणे रेप केस- पीड़ित के वकील ने दावे खारिज किए, कहा- झूठ फैलाया जा रहा कि सब कुछ सहमति से हुआ

पुणे। पुणे में बस डिपो में महिला के साथ हुए रेप पर सोशल मीडिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का दावा है कि पीड़ित आरोपी को पहले से जानती थी। उससे पैसे लिए थे और सब कुछ सहमति से हुआ था। लेकिन इन आरोपों को पीड़ित पक्ष के वकील ने कोर्ट में मंगलवार को हुई सुनवाई में बेबुनियाद बताया। वकील ने कोर्ट से कहा कि पीड़ित की छवि को खराब किया जा रहा है, जिससे वह मानसिक दबाव में है। ऐसी झूठी कहानियों पर रोक लगाने का आदेश दिया जाए। इस मामले में बुधवार (5 मार्च) को भी सुनवाई होगी। पीड़ित से आरोपी ने कहा था- दीदी कहां जा रही हो घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुणे की डिप्टी कमिश्नर स्मार्तना पाटिल ने कहा- 26 साल की महिला घरों में काम करती है। वह अपने गांव जाने के लिए 25 फरवरी सुबह 5 बजे के आसपास बस का इंतजार कर रही थी। आरोपी ने उसे दीदी कहकर पूछा कि कहां जा रही हो? पीड़ित ने बताया कि मुझे अपने गांव जाना है। इसके बाद उसने उसे कहा कि आपकी बस दूसरी जगह खड़ी है। चलो मैं छोड़ देता हूं। पीड़ित बोली- नहीं बस यहीं पर आती है। इस पर आरोपी ने बोला मैं 10 साल से यहां हूं, चलो मैं छोड़ देता हूं। महिला मान गई और उसके साथ बस पार्किंग एरिया की ओर चली गई। युवक उसे शिवशाही बस की ओर इशारा करते हुए अंदर जाने को कहा। बस में रोशनी नहीं थी। इस पर महिला ने झिझकते हुए युवक से पूछा कि - लाइट नहीं जल रही है। युवक ने उससे कहा कि अन्य यात्री सो रहे हैं, इसलिए अंधेरा है। जैसे ही वह बस में चढ़ी आरोपी ने दरवाजा बंद कर दिया और उसके साथ रेप किया।

हैदराबाद में महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने सुसाइड किया, 6 महीने पहले गोवा में शादी हुई थी

हैदराबाद। हैदराबाद में महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर के सुसाइड का मामला सामने आया है। 25 साल की देविका ने 2 मार्च की रात रायदुर्गम के प्रशांति हिल्स स्थित अपने घर में सीलिंग फैन से फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद मृतक देविका की मां ने FIR दर्ज करवाई। जिसमें कहा कि दामाद सतीश शादी के बाद से ही देविका को दहेज के लिए परेशान करता था। इससे तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली।देविका और सतीश एक ही सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करते थे। दोनों 2 साल से एक-दूसरे को जानते थे। अगस्त 2024 में दोनों की गोवा में शादी हुई थी। रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में देविका की मां ने बताया कि दामाद ने उनके नाम पर रजिस्टर्ड घर को अपने नाम पर करवाने के लिए बेटी पर दबाव डाला। साथ ही दहेज के लिए परेशान किया। देविका के परिवार वालों ने मीडिया से बातचीत में कहा- दहेज को लेकर देविका का पति उसे प्रताड़ित करता था। उसे शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न सहना पड़ा। अब सहन नहीं हुआ तो उसने खुद की जान ले ली। रात में टीवी रिमोट को लेकर लड़ाई हुई थी शुरुआती जांच के बाद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2 मार्च की रात टीवी रिमोट को लेकर पति-पत्नी के बीच बहस हुई, जिसके बाद पति घर छोड़कर चला गया। अगली सुबह जब वह लौटा तो उसने अपनी पत्नी को मृत पाया। इसके बाद उसने ही पुलिस और परिवार को जानकारी दी कि उसकी पत्नी ने फांसी लगा ली है। रायदुर्गम पुलिस ने पति सतीश के खिलाफ दहेज उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है। उस्मानिया अस्पताल में देविका के शव का पोस्टमार्टम हुआ है।

ट्रम्प के टैरिफ लगाने पर चीन की धमकी, कहा

अमेरिका जंग चाहता है तो यही सही, हम लड़ने को तैयार

एजेंसी, बीजिंग

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को चीन पर 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। अब एक दिन बाद चीन ने अमेरिका को जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है।

दो महीने में दूसरी बार लगाया टैरिफः अमेरिका ने फरवरी की शुरुआत में चीन पर 10% टैरिफ लगाया था। इसके एक महीने बाद ट्रम्प सरकार ने फिर चीन पर 10% टैरिफ लगाने का ऐलान किया। इसके बाद प्रवक्ता लिन जियान ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका फेंटेनाइल (ड्रग) मुद्दे पर हर तरह की झूठी जानकारी फैला रहा है, चीन को बदनाम कर रहा है और बलि का बकरा बना रहा है। फेंटेनाइल के बहाने से चीनी सामानों पर टैरिफ बढ़ा रहा है। ऐसे कदम अनुचित हैं और इससे किसी का भी भला नहीं होगा।

चीन बोला- फेंटेनाइल संकट के लिए अमेरिका खुद जिम्मेदारः लिन जियान ने कहा कि चीन की स्थिति साफ है। हम फेंटेनाइल के बहाने चीन पर दबाव डालने, उसे धमकाने और ब्लैकमेल करने का विरोध करते हैं। हम अमेरिका से अपील करते हैं कि वे अपने हितों को ध्यान में रखकर सही कदम उठाए। प्रवक्ता लिन जियान ने यह भी कहा कि चीन, फेंटेनाइल पर सख्ती के लिए काफी पहले से कदम उठा रहा है। चीन ने 2019 में ही फेंटेनाइल से जुड़े दवाओं को मादक दवाओं की लिस्ट में शामिल किया था। तब चीन ऐसा करने वाला पहला देश बना था। लिन जियान ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के भीतर फेंटेनाइल संकट के लिए कोई और नहीं, बल्कि अमेरिका ही जिम्मेदार है। अगर अमेरिका सच में फेंटेनाइल मुद्दे को सुलझाना चाहता है, तो उसे चीन से बात करनी चाहिए और एक-दूसरे को बराबरी का दर्जा देना चाहिए।

2 अप्रैल से जैसे को तैसा टैरिफ लगाएंगे ट्रम्पः ट्रम्प ने बुधवार सुबह अमेरिकी कांग्रेस के जॉइंट सेशन को संबोधित किया। उन्होंने 2 अप्रैल से दुनियाभर में जैसे को तैसा टैरिफ लगाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जो भी हम पर जितना टैरिफ लगाएगा, हम भी उन पर उतना ही लगाएंगे। ट्रम्प ने हंसते हुए कहा कि मैं इसे 1 अप्रैल को लागू करना चाहता था, लेकिन फिर लोग इसे 'अप्रैल फूल' समझते। ट्रम्प ने कहा कि उनके प्रशासन के तहत, अगर कोई कंपनी अमेरिका में अपना प्रोडक्ट नहीं बनाएगी, तो उसे टैरिफ देना होगा। कुछ मामलों में, यह टैरिफ बहुत बड़ा होगा। उन्होंने कहा कि दूसरे देश अमेरिका पर भारी टैक्स और टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका उन पर बहुत कम लगाता है। यह बहुत अन्यायपूर्ण है। दूसरे देश दशकों से हम पर टैरिफ लगाते आ रहे हैं, अब हमारी बारी है।

जेलेंस्की को ट्रम्प से बहस करने का अफसोस

एजेंसी, वॉशिंगटन

♦ कहा- खनिज समझौते के लिए तैयार, ट्रम्प ने यूक्रेन की सभी सैन्य मदद रोकीं

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ पिछले हफ्ते उनकी बैठक उस तरह नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी। जेलेंस्की ने इसे अफसोसजनक बताया और कहा कि यूक्रेन खनिज समझौते के लिए तैयार है। जेलेंस्की का बयान तब आया, जब ट्रम्प ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य मदद रोकने का ऐलान किया। इसमें ऐसी मदद जो अमेरिका से अभी तक यूक्रेन नहीं पहुंची है, उसे भी रोक दिया गया है। इसमें पोलैंड तक पहुंच चुका सामान भी शामिल है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है।

जेलेंस्की ने कहा शुक्रवार को व्हाइट हाउस में हमारी बैठक उस तरह नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी। यह अफसोस की बात है कि यह इस तरह हुआ। अब समय आ गया है कि हम सब कुछ ठीक करें। हममें से कोई भी अंतहीन युद्ध नहीं चाहता। यूक्रेन स्थायी शांति के लिए जल्द से जल्द बातचीत को तैयार है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यूक्रेन खनिज समझौते पर साइन करने के लिए तैयार है। हम इस समझौते को ठोस सुरक्षा गारंटी की तरफ एक कदम के तौर पर देखते हैं। हम जंग खत्म करने के लिए तेजी से काम करने को तैयार हैं।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार रोकी गई मदद तब तक बहाल नहीं की जाएगी, जब तक राष्ट्रपति ट्रम्प को यह यकीन नहीं हो जाता कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वास्तव में शांति चाहते हैं। यूक्रेन की सैन्य मदद रोकने से कुछ घंटे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा जेलेंस्की नहीं चाहते कि जब तक उन्हें अमेरिका का समर्थन हासिल है, तब तक शांति हो।

बोफोर्स केस- CBI की अमेरिका से अपील

एजेंसी, नई दिल्ली

एजेंसी ने कहा- जांचकर्ता से जानकारी चाहते हैं, हर्शमैन ने इन्फॉर्मेशन शेयर करने की इच्छा जताई थी

केंद्रीय जांच एजेंसी (CBI) ने बोफोर्स घोटाले का दावा करने वाले माइकल हर्शमैन से जुड़ी जानकारी अमेरिका से मांगी है। हर्शमैन 2017 में भारत दौरे पर आए थे। उन्होंने दावा किया था कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने घोटाले की जांच को पटरी से उतार दिया था। तब हर्शमैन ने CBI के साथ बोफोर्स मामले से जुड़ी अहम जानकारी शेयर करने की इच्छा जाहिर की थी। बोफोर्स घोटाला साल 1986 का है, तब राजीव गांधी की सरकार थी। आरोप था कि स्वीडिश कंपनी AB बोफोर्स ने सौदे के लिए भारतीय नेताओं और रक्षा मंत्रालय को 60 करोड़ रुपए की घूस दी थी।

हर्शमैन ने क्या दावा किया था फेयरफैक्स ग्रुप के चीफ हर्शमैन ने 2017 में कई इंटरव्यू में दावा किया था कि 1986 में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने विदेशों में भारतीयों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच करने का जिम्मा उन्हें सौंपा था। इसमें कुछ बोफोर्स सौदे से संबंधित थे। दावे से जुड़े सबूत कहां हैं CBI ने 8 साल पहले ही हर्शमैन के उन दावों से जुड़ी जानकारी इकट्ठा करना शुरू कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत सरकार ने उन्हें जांच करने की जिम्मेदारी दी है। हर्शमैन की नियुक्ति से जुड़े दस्तावेज या उनकी तरफ से सबमिट की गई किसी रिपोर्ट की डिटेल जब वित्त मंत्रालय से मांगी गई तो जांच एजेंसी को रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराए गए।

स्टालिन बोले- परिसीमन 1971 की जनगणना के अनुसार हो, साउथ के राज्य जॉइंट एक्शन कमेटी बनाएं

एजेंसी, चेन्नई

♦ मोदी का तमिल से प्यार दिखता नहीं

तमिलनाडु CM एमके स्टालिन के नेतृत्व में बुधवार को जनगणना आधारित परिसीमन और ट्राई लैंग्वेज वॉर पर सर्वदलीय बैठक हुई। स्टालिन ने परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण भारतीय राज्यों के राजनीतिक पार्टियों को मिलाकर एक जॉइंट एक्शन कमेटी बनाने का प्रस्ताव रखा। स्टालिन ने कहा कि अगर संसद में सीटें बढ़ती है तो 1971 की जनगणना को आधार बनाया जाए। उन्होंने यह भी मांग करते हुए कहा कि 2026 के बाद अगले 30 साल तक लोकसभा सीटों के बाउंड्री करते समय 1971 की जनगणना को ही मानक माना जाए। ट्राई लैंग्वेज को लेकर केंद्र पर हमला करते हुए स्टालिन ने कहा कि अगर भाजपा का यह दावा सच है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री को तमिल से बहुत प्यार है, तो यह कभी भी काम में क्यों नहीं दिखता? इस बैठक में AIADMK, कांग्रेस, वाम दल (लेफ्ट पार्टी) और एक्टर विजय की पार्टी TVK समेत कई दलों ने हिस्सा लिया। वहीं, भाजपा, NTK और पूर्व केंद्रीय मंत्री जीके वासन की तमिल माणिला कांग्रेस (मूप्पनार) ने बैठक का बहिष्कार किया।

स्टालिन बोले- केंद्र सरकार के ऑफिस से हिंदी हटएः सोशल मीडिया X पर पोस्ट करते हुए स्टालिन ने लिखा- सिर्फ संसद में सेन्गोल लगाने से तमिल का सम्मान नहीं बढ़ेगा। तमिलनाडु में केंद्र सरकार के ऑफिस से हिंदी हटाओ, तमिल को हिंदी के बराबर ऑफिसीयल भाषा बनाओ और संस्कृत से ज्यादा फंड तमिल को दो। स्टालिन ने संस्कृत और हिंदी के प्रचार-प्रसार पर भी सवाल उठाए। केंद्र सरकार से मांग की कि थिरुवल्लुवर (Thiruvalluvar) की रचनाओं को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर पीएम मोदी सच में तमिल से प्रेम है, तो तमिलनाडु के लिए विशेष योजनाएं बनाए, आपदा राहत कोष दें और नए रेलवे प्रोजेक्ट शुरू करें। हिंदी-संस्कृत थोपने का आरोप स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में हिंदी पखवाड़ा मनाने और योजनाओं में संस्कृत नाम देने पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। तमिलनाडु की ट्रेनों के नाम हिंदी में रखने की बजाय तमिल नाम दिए जाएं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि तेजस और वंदे भारत जैसी ट्रेनों के बजाय 'सेम्मोझि', 'मुथुनगर', 'वैगई', 'मलैकोट्टई' और 'थिरुक्कुरल एक्सप्रेस' जैसे नाम दिए जाएं।

परिसीमन क्या है?: परिसीमन यानी लोकसभा और विधानसभा सीट की सीमा तय करने की प्रक्रिया। परिसीमन के लिए आयोग बनता है। पहले भी 1952, 1963, 1973 और 2002 में आयोग गठित हो चुके हैं। लोकसभा सीटों को लेकर परिसीमन प्रक्रिया की शुरुआत 2026 से होगी। ऐसे में 2029 के लोकसभा चुनाव में लगभग 78 सीटों के इजाफे की संभावना है। दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या आधारित परिसीमन का विरोध किया है। इसलिए सरकार समानुपातिक परिसीमन की तरफ बढ़ेगी, जिसमें जनसंख्या संतुलन बनाए रखने का फ्रेमवर्क तैयार हो रहा है।

किसानों का मार्च, पंजाब-चंडीगढ़ बॉर्डर सील, 100 किसान हिरासत में, ट्रैक्टर की नंबर प्लेट पेंट कर लाए

एजेंसी, मोहाली/चंडीगढ़

♦ CM मान से बहस के बाद भड़के किसान

संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) आज, 5 मार्च से चंडीगढ़ के सेक्टर 34 में अनिश्चितकालीन धरना लगाएगा। किसानों ने ट्रैक्टर ट्रालियां लेकर मोहाली से चंडीगढ़ में घुसने का ऐलान किया है। किसान MSP की गारंटी के कानून समेत 13 मांगों को लेकर यह प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि अभी तक उन्हें चंडीगढ़ प्रशासन से धरने की परमिशन नहीं मिली है। इसे देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने पंजाब से सटे सारे बॉर्डर सील कर दिए हैं। यहां तक कि किसान चंडीगढ़ में न घुसें, इसके लिए पुलिस बाइक–कार सवारों के भी ID प्रूफ चेक कर रही है। मोहाली में रोपड़ जिले से आए 100 किसानों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उनकी 15 ट्रैक्टर ट्रॉलियां कब्जे में ली हैं। किसानों ने अपने ट्रैक्टर की नंबर प्लेट पर रंग किया हुआ है, ताकि CCTV कैमरों से उनकी पहचान न हो पाए। वहीं भारतीय किसान यूनियन (एकता-उगराहां) के प्रधान जोगिंदर सिंह उगराहां ने आंदोलनकारी किसानों से अपील की कि पुलिस जहां रोके, वहीं सड़क किनारे खाली जगह पर बैठ जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क जाम करने का आरोप लगा पंजाब पुलिस पर किसानों को बदनाम करने की साजिश रच रही है।

हथियारों से लैस 3 युवक हिरासत में: चंडीगढ़ मोहाली बॉर्डर पर पुलिस ने नाके पर कार सवार 3 युवकों को हिरासत में लिया है। तीनों के पास हथियार बरामद हुए हैं। पुलिस ने उनसे हथियार से जुड़े लाइसेंस मांगें तो वह नहीं दिखा पाए। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह बिल्डर के सुरक्षाकर्मी हैं। फिलहाल पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

तेलंगाना टनल हादसा, क्षतिग्रस्त कन्वेयर बेल्ट चालू हुआ

एजेंसी, नागरकुर्नूल

♦ हर घंटे 800 टन मलबा बाहर निकाला जा सकेगा, 8 मजदूरों के रेस्क्यू का 11वां दिन

तेलंगाना के नागरकुर्नूल में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (SLBC) टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढहा था। इस दौरान टनल में मौजूद कन्वेयर बेल्ट भी क्षतिग्रस्त हो गया था। 11 दिन बाद रेस्क्यू में जुटी टीमों ने इसे ठीक कर लिया है। अब टनल से हर घंटे 800 टन मलबा निकाला जा सकेगा। टनल में 8 मजदूरों ने अभी तक संपर्क नहीं हो सका है। अधिकारियों ने बताया कि ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) में जहां मजूदरों के होने की जानकारी मिली थी, उन जगहों पर ड्रिलिंग चल रही है। मलबा हटाने और पानी निकाला जा रहा है। हैदराबाद स्थित नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (NGRI) ने GPR सर्वे किया था। रेस्क्यू ऑपरेशन में राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के प्रतिनिधि भी शामिल हुए हैं। NDRF, SDRF, सेना, दक्षिण मध्य रेलवे, रैट माइनर्स और दूसरी रेस्क्यू एजेंसियां घटना के बाद से ही रेस्क्यू में जुटी हुई हैं।

चाईबासा में IED ब्लास्ट में 3 जवान घायल

एजेंसी, चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा के जंगल में नक्सलियों की ओर से लगाया गया IED ब्लास्ट कर गया है। इस IED ब्लास्ट में बटालियन 197 के सहायक कमांडेंट जी जे साईं, हवलदार सह रेडियो ऑपरेटर वीटी राव के अलावा कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक IED ब्लास्ट की यह घटना झारखंड-ओडिशा बॉर्डर के बालिबा और बाबुडेरा जंगल में हुई है।

पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार से एक विशेष जॉइंट अभियान पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा एवं जराइकेला थाना के सीमावर्ती जंगली और पहाड़ी इलाकों में शुरू किया गया है। आज इसी के तहत सुबह 8:40 बजे छोटानागरा थाना अंतर्गत बालिबा के आसपास आईडी विस्फोट हुआ। वहीं रास्ते में गड्ढा करके स्पाइक हॉल (गड्ढे में लगा लोहे का तीर) बनाया गया था। इन दोनों की चपेट में तीन जवान आ गए। सभी सीआरपीएफ के 197 बटालियन के हैं। घायल जवानों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची एयरलिफ्ट किया गया।

हाईकोर्ट जज बोले- महिलाओं की पूजा नहीं, सम्मान जरूरी माइंडसेट बदलना होगा, जेंडर इक्वालिटी अभी भी अधूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

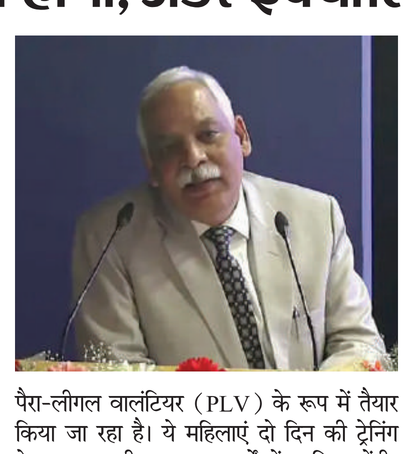

दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि महिलाओं को पूजा से ज्यादा सम्मान की जरूरत है। उन्हें सम्मान दिया जाए। जहां महिलाओं का सम्मान होता है, वहां देवता वास करते हैं। हमें माइंडसेट बदलना होगा। जेंडर इक्वालिटी अभी भी अधूरी है। जस्टिस उपाध्याय मंगलवार को दिल्ली स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी (DSLSA) के कार्यक्रम में मौजूद थे। चीफ जस्टिस ने आगे कहा कि आज भी समाज में महिलाओं को पूरा सम्मान और समानता नहीं मिली है। हमें बदलाव लाने की जरूरत है। इस कार्यक्रम में चीफ गेस्ट सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस केवी विश्वनाथन भी थे। साथ में दिल्ली हाईकोर्ट के कई जस्टिस मौजूद थे। कार्यक्रम में उन महिला वकीलों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने कानूनी सेवाओं में बेहतरीन योगदान दिया है।

क्या है वीरांगना प्रोजेक्टः पीड़ित महिलाओं के लिए एक पहल DSLSA ने वीरांगना प्रोजेक्ट शुरू किया है। जिसके तहत महिलाओं को पैरा-लीगल वालंटियर (PLV) के रूप में तैयार किया जा रहा है। ये महिलाएं दो दिन की ट्रेनिंग के बाद कानूनी सहायता कार्यों में शामिल होंगी। इस योजना में यौन अपराधों और एसिड अटैक पीड़ित, ट्रांसजेंडर, महिला सेक्स वर्कर्स, बाल यौन शोषण की शिकार (अब वयस्क) महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य नागरिक संगठनों के सदस्य शामिल हैं। DSLSA के मेंबर सेक्रेटरी राजीव बंसल ने बताया कि चयनित पैरा-लीगल वॉलंटियर्स (PLVs) को उनके सर्विस पीरियड के आधार पर भुगतान किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का मकसद सिर्फ कानूनी सहायता देना ही नहीं बल्कि महिलाओं को सशक्त बनाना है। सात ही उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने आगे बताया कि 250 महिलाओं में से 104 को चुना गया, लेकिन 80 महिलाओं ने ट्रेनिंग जॉइन की है। DSLSA 4- 8 मार्च तक अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव मनाएगा।

क्राइम विक्टम महिलाओं के लिए होटल मैनेजमेंट कोर्स वीरांगना प्रोजेक्ट के तहत 40 यौन अपराध पीड़िताओं को दिल्ली के पूसा में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (IHM) में फूड एंड बेवरेज कोर्स कराया जाएगा। इस कोर्स की फीस 1.25 से 1.5 लाख रुपये है, लेकिन इंस्टीट्यूट ने इसे बिल्कुल मुफ्त कराने का फैसला किया है। यह बैच 8 मार्च से शुरू होगा। DSLSA जॉब फेयर का भी आयोजन कर रही है। जहां हॉस्पिटैलिटी और मैनेजमेंट सेक्टर के कई ऑर्गेनाइजेशन महिलाओं को रोजगार के अवसर देंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जिताऊ पारी के बाद कोहली बोले- इस पिच पर साझेदारी बनाना सबसे अहम था

एजेंसी, दुबई

भारतीय टीम ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार को सेमीफाइनल में विराट कोहली की संयमित पारी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराते हुए 265 रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया। कोहली ने 98 गेंदों पर 84 रनों की अहम पारी खेली और टीम को जीत की ओर ले गए।

मैच के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए कोहली ने कहा, "ऐसे खेल में दबाव बनाना सबसे अहम होता है, खासकर सेमीफाइनल और फाइनल जैसे बड़े मुकाबलों में। अगर आप अंत तक डटे रहते हैं और विकेट हाथ में होते हैं, तो विपक्षी टीम पर दबाव बढ़ता जाता है और खेल आसान हो जाता है।"

भारत को 30 रन पर पहला झटका लगा, जिसके बाद कोहली क्रीज पर आए। उन्होंने पहले श्रेयस अय्यर (91 रन की साझेदारी), फिर अक्षर पटेल (44 रन की साझेदारी) और अंत में केएल राहुल (47 रन की साझेदारी) के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। हार्दिक पांड्या और राहुल ने मिलकर जीत की औपचारिकता पूरी की।

कोहली ने अपनी पारी के दौरान सिर्फ पांच चौके लगाए और कोई छक्का नहीं मारा। उनकी 84 रनों की पारी में 56 रन सिंगल्स से आए। उन्होंने कहा कि पिच की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह रणनीति अपनाई। कोहली ने कहा"यह हालात पाकिस्तान के खिलाफ मैच की तरह ही थे। उस दिन भी मैंने अपनी पारी में सिर्फ सात चौके लगाए थे। मेरे लिए जरूरी था कि मैं परिस्थिति को समझूं और स्ट्राइक रोटेट करूं, क्योंकि इस पिच पर साझेदारी सबसे अहम थी। मेरा एकमात्र उद्देश्य टीम के लिए उपयोगी साझेदारियां बनाना था।," कोहली पूरे मैच के दौरान संयमित नजर आए और उन्होंने 43वें ओवर तक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश नहीं की। लेकिन जब उन्होंने एडम जंपा की गूगली पर छक्का लगाने की कोशिश की, तो वह लॉन्ग ऑन पर कैच आउट हो गए। "मैंने क्रीज पर खुद को शांत रखा और सिंगल्स लेते हुए अपनी पारी को आगे बढ़ाया। जब एक बल्लेबाज सिंगल लेने पर गर्व महसूस करने लगता है, तो वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा होता है और लंबी साझेदारी बनाने की ओर बढ़ता है," कोहली ने कहा। अब भारत को फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी का इंतजार है। दूसरा सेमीफाइनल बुधवार को लाहौर में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इसके विजेता से भारत का सामना रविवार को दुबई में होगा।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी, नई दिल्ली

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हुई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है। स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी में पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में 73 रनों की पारी भी खेली, लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया को जीत नहीं दिला पाए और टीम को भारत के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फिलहाल स्मिथ टेस्ट और टी20 क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे।

अपने वनडे करियर को अलविदा कहते हुए स्मिथ ने बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी बयान में कहा कि यह एक शानदार सफर रहा है और मैंने हर पल का आनंद लिया। दो विश्व कप जीतना अविश्वसनीय अनुभव था। अब 2027 विश्व कप की तैयारी शुरू करने का सही समय है, इसलिए मुझे लगता है कि यह वनडे से संन्यास लेने का उपयुक्त अवसर है। उन्होंने आगे कहा कि टेस्ट क्रिकेट अभी भी मेरी प्राथमिकता है और मैं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल, वेस्टइंडीज दौरे और फिर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज को लेकर उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मेरे पास अभी भी इस प्रारूप में देने के लिए बहुत कुछ है। स्मिथ, ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल एकदिवीय खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 2010 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑलराउंडर के रूप में अपना वनडे डेब्यू किया था। बाद में वह टीम के प्रमुख बल्लेबाज बन गए। अपने वनडे करियर में उन्होंने 170 मैचों में 43.28 की औसत से 5,800 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 28 विकेट भी हासिल किए। स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 की विश्व कप विजेता टीमों का अहम हिस्सा रहे। उन्होंने 64 वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी भी।

आईपीएल में इस बार आईसीसी नियमों के अनुसार मिलेगी सजा

एजेंसी, मुम्बई

अगले माह होने वाले आईपीएल 2025 में अनुशासन तोड़ना अब खिलाड़ियों को भारी पड़ेगा। इस बार टीमों में काफी बदलाव भी देखने को मिलेगा। कई टीमों ने कप्तान तक बदले हैं। पिछली बार की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी जबकि पिछली बार दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने वाले ऋषभ पंत इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे। आईपीएल प्रबंधन ने मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन से जुड़े कई नियम अब पहले से अधिक सख्त कर दिए गए हैं। अब आईपीएल में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की आचार संहिता का पालन किया जाएगा। गवर्निंग काउंसिल की बैठक में ये अहम फैसला लिया गया। इसके तहत लेवल 1,2 और 3 के उल्लंघन पर खिलाड़ियों को आईसीसी के नियमों के मुताबिक सजा दी जाएगी। पहले लीग के अपने नियम होते थे, लेकिन अब आईसीसी द्वारा निर्धारित कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाएगा। आईपीएल 2025 सीजन का आगाज 21 मार्च से होगा। यानी इस दिन टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला खेला जाएगा जबकि फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर का रूल जारी रहेगा। हालांकि इम्पैक्ट प्लेयर रूल को लेकर पिछले साल काफी बवाल भी हुआ था। रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों ने इस रूल की आलोचना की थी। बावजूद इसके आगामी सीजन में इम्पैक्ट खिलाड़ियों का रूल जारी रहेगा।

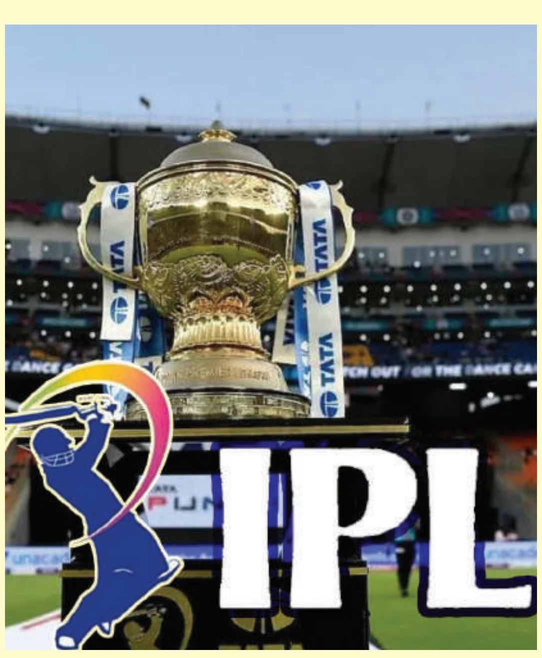

चैंपियंस लीग: बार्सिलोना और बेनफिका के बीच रोमांचक मुकाबले की तैयारी

एजेंसी, मैड्रिड। स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना बुधवार को चैंपियंस लीग के अंतिम-16 के पहले चरण के मुकाबले के लिए लिस्बन में पुर्तगाली क्लब बेनफिका का सामना करेगा। यह मैच ग्रुप चरण में हुई रोमांचक भिड़ंत के दो महीने बाद खेला जा रहा है, जिसमें बार्सिलोना ने शानदार वापसी करते हुए 5-4 से जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में बार्सिलोना 3-1 और 4-2 से पीछे था, लेकिन अंतिम पलों में राफिन्हा के गोल ने टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक की टीम जनवरी के अंत से जबरदस्त फॉर्म में है और वर्तमान में स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है। टीम के पास एटलेटिको मैड्रिड पर एक अंक और रियल मैड्रिड पर तीन अंकों की बढ़त है। रविवार को बार्सिलोना ने रियल सोसिएदाद को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में 17वें मिनट में विपक्षी डिफेंडर एरिट्ज़ इलुस्टोंडो के रेड कार्ड के बाद बार्सिलोना ने आसानी से जीत हासिल की। इस दौरान फ्लिक ने पाउ कुबर्सी, पेड्री, राफिन्हा, डैनी ओल्मो और रोनाल्ड अराउजो को आराम दिया, जबकि डिफेंडर इनिगो मार्टिनेज पूरे मैच में बेंच पर रहे।

भारत से मिली हार के बाद बोले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ- मेरा विकेट गलत समय पर गिरा

एजेंसी, दुबई

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने स्वीकार किया कि भारत के खिलाफ मैच में उनका विकेट अहम मोड़ साबित हुआ। स्मिथ 37वें ओवर में 73 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे और ऐसा लग रहा था कि वह टीम को अंतिम ओवरों तक ले जाएंगे। लेकिन तभी उन्होंने मोहम्मद शमी की फुल टॉस गेंद को खेलने के लिए कदम बढ़ाया, लेकिन चूक गए। गेंद उनके ऑफ स्टंप से टकरा गई और वे क्लीन बोल्ड हो गए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने बचे हुए 75 गेंदों में सिर्फ 66 रन जोड़े। हालांकि, एलेक्स कैरी ने 57 गेंदों पर 61 रन की शानदार पारी खेली और नाथन एलिस ने भी कुछ बड़े शॉट लगाए, लेकिन स्मिथ का विकेट भारत की पकड़ मजबूत करने वाला क्षण साबित हुआ। मैच के बाद स्मिथ ने कहा, "मेरा प्लान तेज गेंदबाजों पर दबाव बनाने और स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रोटेट करने का था, लेकिन मैं इसे अच्छे से लागू नहीं कर पाया। मेरा विकेट गलत समय पर गिरा। अगर मैं थोड़ी देर और टिकता, तो हम 300 के करीब पहुंच सकते थे। एलेक्स कैरी अच्छा खेल रहा था। यह निराशाजनक था, लेकिन क्रिकेट में ऐसा होता है।" ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 265 रनों का लक्ष्य दिया, लेकिन स्मिथ को लगा कि यह पिच टूर्नामेंट की सबसे बल्लेबाजी अनुकूल पिच थी और उनकी टीम को बड़ा स्कोर बनाना चाहिए था। उन्होंने कहा, "हमें 300 के पार स्कोर करने के मौके मिले थे, लेकिन हम महत्वपूर्ण मौकों पर एक विकेट ज्यादा गंवा बैठे। अगर किसी एक साझेदारी को और लंबा खींच पाते, तो 290-300 तक पहुंच सकते थे और भारत पर दबाव बना सकते थे।" इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया की फील्डिंग भी खराब रही। उन्होंने रोहित शर्मा के दो कैच छोड़े और विराट कोहली का कैच भी 51 रन पर टपका दिया। हालांकि, ये सभी कैच मुश्किल थे। स्मिथ ने कहा, "जब आपके पास सिर्फ 260 रन का स्कोर हो, तो हर मौके को भुनाना जरूरी होता है। लेकिन ऐसा होता है, कोई भी जानबूझकर कैच नहीं छोड़ता। ये खेल का हिस्सा है।"

बीजिंग हाफ मैराथन में दौड़ेंगे ह्यूमनॉइड रोबोट

एजेंसी, बीजिंग

इस साल अप्रैल में होने वाले बीजिंग हॉफ मैराथन में मानवरूपी (ह्यूमनॉइड) रोबोट हिस्सा लेंगे, जबकि अगस्त में ह्यूमनॉइड रोबोट खेल प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। यह जानकारी बीजिंग नगर सरकार के सूचना कार्यालय द्वारा मंगलवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी गई।

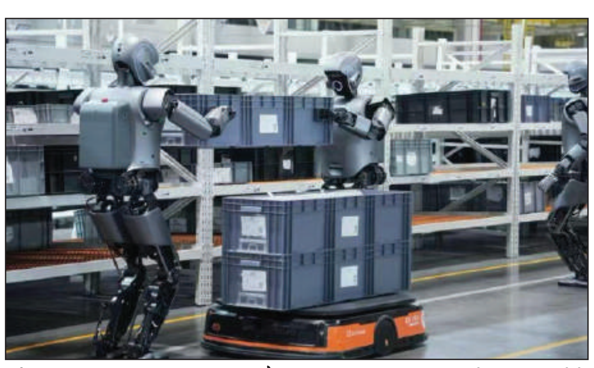

यह हाफ मैराथन बीजिंग के दक्षिण-पूर्व में स्थित बीजिंग आर्थिक-तकनीकी विकास क्षेत्र में 13 अप्रैल को होगी। इस प्रतियोगिता में रोबोट और मानव एथलीट एक ही मार्ग पर दौड़ेंगे, लेकिन रोबोटों के लिए अलग ट्रैक निर्धारित किया जाएगा। इन ट्रैकों को बैरियर या ग्रीन बेल्ट से सुरक्षित किया जाएगा, जिससे मानव और रोबोट दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रतियोगिता के लिए रोबोटों के लिए अधिकतम समय सीमा 3 घंटे 30 मिनट निर्धारित की गई है। इस दौरान टीमें बैटरी बदलने या रिले फॉर्मेट में रोबोट बदलने की अनुमति प्राप्त करेंगी। अंतिम मूल्यांकन में समय और प्रतिस्थापन की संख्या को ध्यान में रखा जाएगा, जहां प्रत्येक प्रतिस्थापन पर 10 मिनट का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा। प्रतिभागी रोबोटों को ह्यूमनॉइड डिजाइन का होना आवश्यक है और वे केवल द्विपाद चाल (बाइपेडल वॉकिंग या रनिंग) में सक्षम होने चाहिए। पहिएदार रोबोटों को इस प्रतियोगिता में अनुमति नहीं होगी। नियंत्रण विधियों में मैनुअल रिमोट कंट्रोल (अर्ध-स्वायत्त सहित) या पूर्ण स्वायत्त संचालन शामिल हो सकते हैं। टीमें यह सुनिश्चित करेंगी कि उनके रोबोट ट्रैक, अन्य रोबोटों या आसपास के लोगों को नुकसान न पहुँचाएं और वे निर्दिष्ट मार्ग और सभी तकनीकी नियमों का पालन करें। प्रतियोगिता में विजेता, उपविजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाले रोबोट को क्रमशः 5,000, 4,000 और 3,000 युआन (लगभग 697, 558 और 418 अमेरिकी डॉलर) का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा, अन्य विशेष पुरस्कार जैसे 'कम्प्लीशन अवॉर्ड', 'बेस्ट एंड्योरेंस अवॉर्ड' और 'मोस्ट क्रिएटिव डिज़ाइन अवॉर्ड' भी प्रदान किए जाएंगे। ह्यूमनॉइड रोबोट विकास टीमों को भी विशेष सम्मान से नवाजा जाएगा। यह प्रतियोगिता वैश्विक रोबोट कंपनियों, शोध संस्थानों, रोबोट क्लबों और विश्वविद्यालयों के लिए खुली है। गौरतलब है कि चीन में रोबोटिक्स उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। मजबूत पूंजी निवेश से इस क्षेत्र को निरंतर प्रगति मिल रही है और इसका उपयोग उद्योगों, स्वास्थ्य सेवा और सेवा क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है।

आईपीएल के पहले मैच में कप्तानी करते दिखेंगे सूर्या!

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उनपर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकते हैं। मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निलंबित कर दिए गए थे। सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं। सीसीआई ने रविवार आईपीएल के 18वें सीजन का शेड्यूल जारी किया। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले जायेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का आगाज ईडन गार्डंस में 22 मार्च को गतविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबले से होगा।

जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्र फेल हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। इस परीक्षा में जो अभ्यर्थी फेल हुए हैं उनके लिए हम यहां पर करियर ऑप्शन बता रहे हैं।

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। जबकि कई छात्र फेल भी हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में हम बताते हैं कि जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन क्या हैं?

दोबारा से करें तैयारी

अगर आप जेईई मेन की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं तो दोबारा से तैयारी करें। क्योंकि कोई भी अभ्यर्थी इस परीक्षा को दो बार दे सकता है। ऐसे में तैयारी बेहतर और नई स्ट्रैटेजी के साथ करें। अगर तैयारी अच्छी होगी तो आपको सफलता पाने से कोई रोक नहीं पाएगा।

इंजीनियरिंग परीक्षा दें

अभ्यर्थी स्टेट स्तर की इंजीनियरिंग परीक्षा दे सकते हैं। देश के लगभग सभी राज्यों की तरफ से स्टेट स्तर की परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके तहत विभिन्न ट्रेड में बीटेक में प्रवेश दिया जाता है। ऐसे में छात्र यूपी, दिल्ली, एमपी, हरियाणा सहित अन्य राज्यों की राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग की परीक्षा दे सकते हैं।

प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में लें दाखिला

जो छात्र जेईई मेंस की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं, वे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में भी दाखिला ले सकते हैं। देश में कई ऐसे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो बीटेक कराते हैं। हालांकि, छात्रों को सलाह है कि वे प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन लेने से पहले वेरिफिकेशन जरूर कर लें।

दूसरे क्षेत्र में भी बना सकते हैं करियर

अगर जेईई मेन की परीक्षा में फेल हुए हैं तो छात्र कोई अन्य कोर्स भी कर सकते हैं। जैसे पांच वर्षीय एलएलबी, पांच वर्षीय एमबीए सहित अन्य। कई ऐसे संस्थान हैं जो पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स कराते हैं।

सरकारी नौकरी की करें तैयारी

अगर छात्र चाहें तो देश की सबसे प्रतिष्ठित नौकरी यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि, उन्हें ग्रेजुएशन में प्रवेश लेना होगा। क्योंकि बिना ग्रेजुएशन किए सिविल सर्विसेज की परीक्षा कोई नहीं दे सकता है। अगर छात्र अभी से सिविल सर्विसेज की तैयारी करेंगे तो तीन साल बाद जब ग्रेजुएशन कर लेंग तो सिविल सर्विसेज की परीक्षा देने पर आसानी से क्लियर कर लेंगे।

वन्य जीवन में करियर जोखिम के साथ पैसा भी

यदि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना है और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण मुहैया करवाना है, तो जीव जंतुओं के बीच की कड़ी को बनाए रखना होगा। अगर आपको वन क्षेत्र और जंगली जीव-जंतुओं से प्यार है, वन क्षेत्र में समय बिताने में आपको आनंद आता है, यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में आप शानदार करियर बना सकते हैं।

कोर्स

- बीएससी इन वाइल्ड लाइफ
- एमएससी इन वाइल्ड लाइफ बायोलॉजी
- एमएससी इन वाइल्ड लाइफ
- पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री इन वाइल्ड लाइफ साइंस
- अंडर ग्रेजुएट कोर्स इन वाइल्ड लाइफ
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एडवांस्ड वाइल्ड लाइफ साइंस
- बीएससी इन फोरेस्ट्री इन वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन जू एंड वाइल्ड एनिमल हैल्थ केयर एंड मैनेजमेंट
- सर्टिफिकेट कोर्स इन वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट

कुछ वर्ष पहले तक पक्षियों की चहचहाहट केवल गांवों में ही नहीं, बल्कि शहरों में भी आसानी से सुनी जा सकती थी, लेकिन बढ़ते शहरीकरण के कारण पक्षियों का कोलाहल शहरों में अब कम ही सुनने को मिलता है। पक्षी व जानवर अपने आवास को छोडऩे पर मजबूर हो गए हैं। कई जीव-जंतु विलुप्त हो गए हैं, तो कई प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं, क्योंकि शहरीकरण बढऩे लगा है और वन सिमटने लगे हैं। ऐसे में यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में शानदार करियर बना सकते हैं। सच पूछिए तो वाइल्ड लाइफ और पर्यावरण हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम छोटे-छोटे इंसेक्ट्स को भी दरकिनार नहीं कर सकते, क्योंकि इन्हीं की वजह से फसलें पॉलिनेट हो पाती हैं। कहने का तात्पर्य है कि हर जीव-जंतु प्राकृतिक संतुलन को कायम रखने में विशेष भूमिका निभाता है। यदि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना है और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण मुहैया कराना है, तो जीव-जंतुओं के बीच की कड़ी को बनाए रखना होगा। अगर आपको वन क्षेत्र और जंगली जीव-जंतुओं से प्यार है, वन क्षेत्र में समय बिताने में आपको आनंद आता है, यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में आप शानदार करियर बना सकते हैं।

कैसे पहुंचें मुकाम पर

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए विज्ञान विषय से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है और 12वीं के बाद बायोलॉजिकल साइंस से बीएससी की डिग्री जरूरी है। एग्रीकल्चर में बैचलर डिग्री भी इस क्षेत्र में प्रवेश दिला सकती है। फोरेस्ट्री या एन्वायरनमेंटल साइंस से भी स्नातक की डिग्री ली जा सकती है। बीएससी के बाद वाइल्ड लाइफ साइंस से एमएससी करने वालों के लिए भी यह क्षेत्र असीम संभावनाओं से भरा हुआ है।

रोजगार के अवसर

आज इस क्षेत्र में संभावनाओं की कमी नहीं है। अपेक्षित डिग्री हासिल करने के बाद मुंबई नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी, वर्ल्ड वाइड फंड, वाइल्ड लाइफ इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया, वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अलावा कई ऐसे आर्गेनाइजेशंज हैं, जिनमें रिसर्चज और प्रोजेक्ट आफिसर्ज के रूप में काम कर सकते हैं। वाइल्ड बायोलॉजिस्ट के क्षेत्र में भी भरपूर अवसर हैं। इस क्षेत्र में कोर्स पूरा करने के बाद वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरीज, एन्वायरनमेंटल एजेंसी, जूलॉजिकल फर्म, एन्वायरनमेंटल कंसल्टेंसी फर्म, नॉन गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशन, एग्रीकल्चरल कंसल्टेंट फर्म, इंडियन काउंसिल ऑफ फोरेस्ट रिसर्च एंड एजुकेशन और ईको रिहैबिलीटेशन फर्मों में नौकरी पा सकते हैं।

पारिश्रमिक

प्राइवेट सेक्टर में वाइल्ड लाइफ साइंटिस्ट को 30 से 35 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता है। यह वेतन सीनियोरिटी और अनुभव के साथ बढ़ता जाता है। पीएचडी होल्डर एक वरिष्ठ वैज्ञानिक का 50 हजार प्रतिमाह वेतन हो सकता है। इसके विपरीत एनजीओ या सरकारी विभाग में वाइल्ड लाइफ साइंस से जुड़े कर्मचारियों को काफी अच्छे वेतनमान पर नौकरियां मिलती हैं।

जोखिम के साथ पैसा भी

यदि आपको प्रकृति और वन्य जीवों से थोड़ा भी लगाव है या इनके क्रियाकलापों और जीवन को जानने में आपकी विशेष रुचि है तो समझ लीजिए आपको रोजगार की राहें खुल गई हैं। क्योंकि सरकारी संस्थाओं के अलावा देश-विदेश के एनजीओ भी वाइल्ड लाइफ से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट की तलाश करते रहते हैं। हालांकि इस क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तरह सुविधाएं नहीं हैं, लेकिन आपमें काम करने का जुनून है तो पैसे कोई मायने नहीं रखते। वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट के काम को समझते हुए संस्थान इस क्षेत्र से जुड़े पेशवरों को धन संबंधी समस्याएं नहीं आने देते।

प्रमुख संस्थान

= वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया,देहरादून =
= हिमाचल फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीच्यूट, शिमला =
= टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, बंगलूर =
= इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलूर =
= नेचर कंजरवेशन फाउंडेशन, मैसूर =
= सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट, गुजरात =
= गुरु घासीराम विश्वविद्यालय बिलासपुर, मध्यप्रदेश =
= अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तरप्रदेश =

दक्षता क्या हो

- बायोलॉजी, मैथमेटिक्स तथा स्टेटिस्टिक्स में मजबूत पकड़ हो।
- वन्य जीवन के प्रति आकर्षण हो।
- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल व आंतरिक दक्षता हो।
- कम्प्यूटर पर काम करने की जानकारी हो।

कार्य स्वरूप

- फील्ड साइट पर पहुंच कर डाटा एकत्र करना।
- फील्ड साइट की भौगोलिक स्थिति के मुताबिक ऊबड़-खाबड़ और मुश्किल रास्तों पर चढ़ाई या ड्राइव करना होता है।
- वन्य जीव विशेषज्ञों से मिलना और बातचीत करना।
- साइंटिफिक पेपर, टेक्निकल रिपोर्ट या पॉपुलर ऑर्टिकल्स का काम पूरा करना या अनुदान या वित्तीय सहायता के लिए लिखना तथा नीति निर्माताओं या कॉलेबोरेटर्स से मुलाकात करना।

कैसे करें इंग्लिश की तैयारी सिलेक्शन में होगी आसानी

डेली प्रैक्टिस से इंग्लिश की तैयारी बेहतर तरीके से की जा सकती है। जिन कैंडिडेट ने इंग्लिश का सब्जेक्ट चुना होगा, उम्मीद होगा कि अब तक उन्होंने इस टॉपिक को कवर कर लिया होगा। ए उन टॉपिक का ज्यादा रिवीजन करें जिनसे एग्जाम में प्रश्न पूछे जाएंगे। इंग्लिश के एग्जाम में कौन से टॉपिक्स से प्रश्न पूछे जाते हैं, यह बताने के लिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से तीन-तीन एक्सपर्ट्स को लेकर आए हैं। जिनके टिप्स की मदद से आप अपने इंग्लिश के सब्जेक्ट और अच्छे से इंप्रूव कर सकेंगे।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एक्सपर्ट प्रमोद ने बताया ने कि छात्रों के पास अब लिमिटेड समय है। इसलिए छात्रों को अब उन्हीं टॉपिक्स पर फोकस करना चाहिए, जिनमें वह खुद कंफर्टेबल हैं। जिनमें उनकी तैयारी पहले से है। लास्ट मौके पर नए टॉपिक्स को पढ़ कर खुद को कंफ्यूजन से बचाना चाहिए। इंग्लिश सब्जेक्ट एक्सपर्ट के अनुसार, कुछ टॉपिक ऐसे होते हैं, जिनसे हर एग्जाम में प्रश्न पूछे जाते हैं। यह टॉपिक भले ही कितने मुश्किल क्यों ने हों, छात्रों का उन्हें अच्छे से तैयार कर लेना चाहिए। इंग्लिश लैंग्वेज के पेपर में एक्टिव वॉइस-पैसिव वॉइस, नरेशन, टेंस, आर्टिकल, प्रीपोजिशन और कंजक्शन से जुड़े अधिकतर सवाल पूछे जाते हैं। इसलिए स्टूडेंट को इन टॉपिक के अच्छे से तैयार करना चाहिए।

फॉलो करें ये टिप्स

- इंग्लिश में सिलेबस को लिटरेचर, फोनेटिक्स ग्रामर और कॉम्प्रिहेंशन में बांटकर तैयारी करें।
- ग्रामर के टापिक्स को क्लियर करने के लिए डिटेल में पढ़ने की जगह चैप्टर की थ्योरी को पढ़कर उसके मल्टीपल चॉइस के सवालों सॉल्व करें।
- साल्ट समय में ज्यादा से ज्यादा पैसेज सॉल्व कर प्रैक्टिस पर फोकस करें। प्रैक्टिस करने से पेपर में आपको फायदा मिलेगा।
- एग्जाम में वोकेबलरी के कुछ सवाल पूछे जाते हैं। वोकेबलरी की लिस्ट तैयार कर रिवीजन करें। वोकेबलरी अच्छी होने से आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर पाएंगे।
- स्टूडेंट्स को एग्जाम टाइम में सबसे पहले सोशल मीडिया से दूरी बना लेनी चाहिए। क्योंकि एग्जाम के दौरान एक गलत जानकारी आपके पूरे माइंडसेट को बिगाड़ सकता है।
- इंग्लिश में अनसीन पैसेज बहुत महत्वपूर्ण हैं।
- फोनेटिक्स की यूनिट में सिंबल्स को जरूर देखना चाहिए। पेपर में इस पोर्शन से सवाल आने की पूरी संभावना है।
- इंग्लिश लैंग्वेज में Tense से लेकर सभी भागों को कवर करना जरूरी है।
- पेपर में अनसीन पैसेज और कॉम्प्रिहेंशन का एक हिस्सा भी आता है।
- इंग्लिश में जो टॉपिक हैवी हैं, उन्हें छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। शर्ट नोट्स बनाकर इन टापिक्स की तैयारी करें।
- एग्जाम की तैयारी के दौरान हर पार्ट को अलग-अलग डिवाइड कर उसको सॉल्व करें।
- एग्जाम के दौरान एक ही पोर्शन में ज्यादा समय न लगाएं। क्योंकि इससे आपका पेपर छूट सकता है।
- मॉडल पेपर को सॉल्व करने के दौरान स्पीड पर भी ध्यान दें। क्योंकि एग्जाम की समय सीमा होता है।
- टेस्ट सीरीज के सवालों और लास्ट ईयर के पेपर को भी ज्यादा से ज्यादा सॉल्व करने की कोशिश करें।

इन टिप्स को करें फॉलो

- इंग्लिश के प्रश्नों का लेवल मॉडरेट रहेगा इसलिए सिर्फ बेसिक पर ज्यादा फोकस करना चाहिए। ऐसे में प्रैक्टिस सेट से अपनी तैयारी को अधिक मजबूत करें। प्रैक्टिस सेट सॉल्व करने के बाद मॉडल पेपर का एनालिसिस करना न भूलें। क्योंकि जो गलतियां आप प्रैक्टिस सेट में करेंगे उन पर अधिक ध्यान देना चाहिए।
- पेपर में कुछ महत्वपूर्ण टॉपिक जैसे एक्टिव-पैसिव, डायरेक्ट-इनडायरेक्ट, टेंस, इवैल्यूएशन और प्रिंसिपल्स ऑफ टीचिंग इंग्लिश को अच्छे से तैयार करना चाहिए।
- प्रश्न-पत्र सॉल्व करते उसकी लैंग्वेज पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। कई बार लैंग्वेज समझ नहीं आने पर आपका आंसर गलत हो सकता है। इसलिए पेपर को अच्छे से पढ़कर तभी आंसर लिखें।
- पेपर में छात्र सभी प्वाइंट्स को ध्यान में रखकर अगर आंसर देते हैं तो उन्हें अच्छा स्कोर करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरुवार, 06 मार्च, 2025

मेघा बरसेंगे में शॉकिंग अवतार में लौटे किंशुक महाजन

टीवी शो मेघा बरसेंगे में किंशुक महाजन अब एक नए और शॉकिंग अवतार में नजर आएंगे। इस शो में कभी चालाक और बेहद खतरनाक रहे मनोज में अब एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन क्या मेघा इस बात को अपना पाएंगी या नहीं।

क्या वाकई में बदल गया है मनोज

मेघा बरसेंगे में एक चालाक खलनायक रहे मनोज अब पूरी तरह से बदले नजर आए। मनोज के स्वभाव में अब बिल्कुल एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन मोनज के स्वभाव में यह बदलाब मेघा (नेहा राणा) और अर्जुन (नील भट्ट) के लिए एक नई चुनौती लेकर आती है, जो उनके नाजुक रिश्ते को और भी जटिल बना देती है। मेघा, जो पहले मनोज की याददाश्त खोने की बात पर शक करती है, लेकिन फिर धीरे-धीरे समझ जाती है कि मनोज अब सचमुच बदल गया है। लेकिन जब मेघा, मनोज की मासूमियत का इस्तेमाल अर्जुन को जलाने के लिए करती है, तो क्या वह अब सब कुछ खो देगी, जो उसके लिए अनमोल है?

किंशुक महाजन

इस शो में अपने कमबैक के बारे में किंशुक महाजन ने कहा, अभिनेताओं को एक ही शो में अलग तरह के दो किरदार निभाने का मौका शायद ही मिलता होगा। एक खलनायक से लेकर एक ऐसे व्यक्ति तक का सफर, जिसका दिमाग बचपन में अटक गया हो। मेरे लिए यह नया अवतार रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों ही है। आगे किंशुक ने कहा, यह सिर्फ एक किरदार का बदलाव नहीं है बल्कि यह एक बिल्कुल नया किरदार है, जिसके लिए एक अलग सोच, ऊर्जा और समझ की जरूरत है। मनोज के किरदार में मैंने वास्तविक जीवन के केस स्टडीज देखी, ताकि मैं समझ सकूं कि भावनात्मक रूप से समय में ठहर जाना क्या होता है।

अपने किरदार मनोज के बारे में किंशुक की राय

किंशुक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मनोज एक अप्रत्याशित किरदार है। मुझे यकीन है कि मनोज की वापसी कहानी को अनोखा रूप देगी। मुझे उम्मीद है कि दर्शक शो के इस नए अवतार को उतना ही पसंद करेंगे, जितना मुझे इसे निभाने में आया। मेघा बरसेंगे एक ड्रामा सीरीज है, जिसका प्रीमियर 6 अगस्त 2024 को कलर्स टीवी पर हुआ था। सौरभ तिवारी द्वारा निर्मित इस शो में नेहा राणा, नील भट्ट और किंशुक महाजन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस शो को आप हर रोज शाम सात बजे कलर्स पर देख सकते हैं।

लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी साइड रोल देते हैं प्रोडक्शन हाउस

ज्योतिका ने हिंदी और साउथ दोनों ही लैंग्वेज की फिल्मों में एक्टिंग की है। हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में वह नजर आईं। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी चैलेंजिंग है। लेकिन अब तक के करियर में जो रोल उन्हें ऑफर हुए हैं, उससे उन्हें कहीं ना कहीं कुछ शिकायत भी है।

हीरो के सामने साइड रोल मिले

ज्योतिका ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए गए इंटरव्यू में बताया कि एक लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी उन्हें जब बड़े फिल्म मेकर्स, प्रोडक्शन हाउस कोई रोल देते हैं तो वह हीरो के सामने साइड रोल जैसा होता है। यह बहुत ही खराब बात लगती है। ज्योतिका को समझ नहीं आता है कि ऐसे फिल्म मेकर्स करते क्यों हैं?

डिब्बा कार्टेल में उम्दा एक्टिंग

वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी के साथ ज्योतिका को काम करने का मौका मिला है। यह सीरीज 28 फरवरी को ओटीटी पर स्ट्रीम हुई है। अपने रोल में ज्योतिका ने जान डाल दी है। लेकिन सीरीज से पहले शबाना ही नहीं चाहती थी कि ज्योतिका को रोल में लिया जाए। इस बात का खुलासा शबाना ने कुछ दिन पहले किया था।

शबाना ने बाद में एक्टिंग को सराहा

पिछले दिनों 'डिब्बा कार्टेल' के एक इवेंट में शबाना आजमी ने ज्योतिका से माफी मांगी। दरअसल, शबाना ने बताया कि वह दूसरी किसी एक्ट्रेस को ज्योतिका वाले रोल के लिए सजेस्ट कर रही थीं। लेकिन बाद में ज्योतिका की एक्टिंग देखकर वह उनकी कायल हो गईं। वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' की बात की जाए है तो इसकी कहानी कुछ ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। इस शो में शबाना आजमी, ज्योतिका के अलावा शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस भी नजर आएंगी।

अगले साल रिलीज होगी नानी स्टारर द पैराडाइज

निर्देशक श्रीकांत ओडेला की बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर 'द पैराडाइज' की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म से जुड़े एक वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने एक वीडियो के साथ बताया कि एक्शन फिल्म अगले साल 26 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'द पैराडाइज' के निर्माताओं ने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो भी शेयर किया, वीडियो की शुरुआत एक कमेंट्री से होती है। महिला की आवाज है। वह कहती है, हर किसी ने तोते और कबूतर के बारे में लिखा है। फिर भी किसी ने कौवों की कहानी लिखने की हिम्मत नहीं की। यह उन कौवों की कहानी है, जो उत्पीड़न का शिकार हुए। महिला आगे कहती है, युगों से भटकती बेचैनी की गाथा। एक ऐसी जाति की कहानी जिसे मां के स्तन में दूध की जगह खून मिला। एक चिंगारी ने पूरे समुदाय में वीरता की चिंगारी जलाई। कौवे, जो कभी तिरस्कृत थे, उन्होंने तलवारों को हाथ में थामा। यह मेरे बेटे की कहानी है, जिसने सबको एकजुट किया और नेता बनकर उभरा। टीजर से यह स्पष्ट होता है कि फिल्म समाज से बहिष्कृत एक उत्पीड़ित वर्ग की कहानी है, जो बलवान नेता के नेतृत्व में अपनी लड़ाई लड़ता है।

द पैराडाइज के लिए दर्शक बेहद उत्साहित नजर आए। फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला नानी के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। दोनों इससे पहले 'दसारा' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में नानी के साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अहम भूमिका में थीं। 'द पैराडाइज' के निर्माता सुधाकर चेरुकुरी हैं। इस फिल्म में देश के सबसे लोकप्रिय संगीत निर्देशकों में से एक अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत दिया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है और संपादन नवीन नूली करेंगे। विनय सागर जोन्नाला फिल्म के मुख्य सह-निर्देशक हैं, जबकि संवाद थोटा श्रीनिवास और अज्जू महाकाली ने लिखे हैं।

जान्हवी कपूर और राम चरण 'आरसी 16' के अगले शेड्यूल के लिये तैयार!

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर साउथ इंडियन अभिनेता राम चरण के साथ आगामी फिल्म 'आरसी 16' में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पहले ही शुरू हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनो अब फिल्म के अगले शेड्यूल के लिए कमर कस रहे हैं। आइए जानते हैं फिल्म का अगला शेड्यूल किस शहर में शूट होगा।

इस शहर में शूट होगा अगला शेड्यूल

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक राम चरण और जान्हवी की फिल्म का अगला शेड्यूल कथित तौर पर नई दिल्ली में होने वाला है। हालांकि, फिल्म की टीम या अभिनेताओं की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। इसे लेकर सिर्फ अटकलें लगाई जा रही हैं। एआर रहमान इस फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म के रिलीज की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है।

अभिनेत्री प्रीति शुक्ला जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ फिल्म बयान में आएंगी नजर

टेलीविजन, वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से पहचान बना चुकीं वर्सटाइल एक्ट्रेस प्रीति शुक्ला जल्द ही बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के साथ आगामी फिल्म बयान में नजर आने वाली हैं। अपने अभिनय के जुनून और हर माध्यम में खुद को साबित करने की चाहत के चलते प्रीति ने हमेशा चुनौतीपूर्ण किरदारों को चुना है। प्रीति शुक्ला ने अपने अभिनय करियर में कई दमदार भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने सोनी सब के चर्चित शो मैडम सर, एंड टीवी के बेगूसराय, और एमएक्स प्लेयर की लोकप्रिय वेब सीरीज माधुरी टॉकीज में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इसके अलावा, उनकी तेलुगु फिल्म बिग ब्रदर और हिंदी फिल्म एक अंक को भी खूब सराहना मिली। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि प्रीति फैशन इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं। वे कई नामी ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं और पॉल एडम्स और लोटस हर्बल जैसे बड़े ब्रांड्स की ब्रांड एंबेसडर भी रह चुकी हैं। उनकी खूबसूरती और स्टाइल सेंस सोशल मीडिया पर भी छाया रहता है, जहां वे अपनी स्टनिंग तस्वीरों से फैंस का दिल जीतती हैं। इसके अलावा भी फैशन की दुनिया में उनकी अच्छी खासी पकड़ रही है। अब प्रीति जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ बयान में नजर आएंगी।

संदीप वांगा ने सलमान खान की इन फिल्मों की तारीफ की

फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनका एक इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने सलमान खान की दो फिल्मों को क्लासिक फिल्म कहा है साथ ही इनका सीक्वल ना बनाने की बात भी कही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान संदीप से जब पूछा गया कि वह फ्यूचर में हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं में से किस फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे। तो इस पर संदीप ने कहा, ये फिल्में उस समय बनाई गई थीं जब व्यावसायिक सिनेमा अपने चरम पर था। इन दोनों ही फिल्मों को काफी विश्वास के साथ तैयार किया गया था और मैं उन क्लासिक्स को छूने की हिम्मत नहीं कर सकता था।

दोनों ही फिल्मों में सलमान खान हैं

हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं दोनों सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्में हैं। हम आपके हैं कौन में सलमान खान के अलावा माधुरी दीक्षित ने मुख्य अभिनय किया था। इस फिल्म को सुरज बड़जात्या ने लिखा और निर्देशित किया है और यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। फिल्म हम आपके हैं की कहानी से लेकर इस फिल्म के गाने आज भी दर्शकों को बेहद पसंद हैं।

वहीं फिल्म हम साथ साथ हैं में भी सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हम साथ साथ हैं एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस के तहत सूरज बड़जात्या द्वारा लिखित और निर्देशित है। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, नीलम कोठारी, करिश्मा कपूर, तब्बू, महेश ठाकुर, रीमा लागू, आलोक नाथ, शक्ति कपूर, सतीश शाह, सदाशिव अमरापुरकर, अजीत वाचानी हिमानी शिवपुरी और मनीष बहल ने अहम भूमिका निभाई थी। रिलीज के बाद अपनी आपार सफलता और दर्शकों के प्यार ने इसे क्लासिक फिल्म बना दिया।

मीका सिंह को बिपाशा के साथ काम करने का अफसोस

सिंगर मीका सिंह ने बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर के साथ फिल्म में काम करने के अनुभव को साझा किया है। एक इंटरव्यू में मीका ने कहा है कि क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में अभिनेत्री बिपाशा बसु के साथ काम करना उनके लिए बुरा अनुभव रहा।

नखरे की वजह से नहीं मिल रहा काम

एक इंटरव्यू में गायक ने कहा कि बिपाशा ने सीरीज में काम करते समय नखरे दिखाए। वो अपने रवैये के कारण आज काम से बाहर हैं। मीका कहते हैं- 'आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे अब काम से बाहर हैं? भगवान सब देख रहा है। मैं करण को बहुत पसंद करता था और एक कम बजट की फिल्म बनाना चाहता था। लगभग 4 करोड़ रुपए की।'

बिपाशा प्रोजेक्ट में जबरदस्ती शामिल हुईं

मीका आगे कहते हैं कि उस समय वो विक्रम भट्ट को बतौर निर्देशक अफोर्ड नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने उन्हें भूषण पटेल को डायरेक्टर के लिए चुना। हालात तब बदल गए जब बिपाशा ने इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की जिद की। मैं किसी और एक्ट्रेस को लेने पर विचार कर रहा था, लेकिन वह इसका हिस्सा बनना चाहती थीं। शूटिंग लंदन में सेट की गई थी। बजट 4 करोड़ से बढ़कर 14 करोड़ हो गया। फिर बिपाशा ने जो नाटक क्रिएट किया, उससे यह तय हो गया कि मुझे प्रोडक्शन में आने का हमेशा अफसोस रहेगा। यह एक ऐसी टीम थी जिसके साथ वह सहज थीं और वे दोनों एक कपल की भूमिका निभा रहे थे। उनका किसिंग सीन भी था। अचानक, वो नखरे दिखाने लगीं कि वह ऐसा नहीं करेंगी। मीका ने यह भी साझा किया कि उन्होंने कभी भी उनके पेमेंट में देरी नहीं की। लेकिन जब डबिंग की बात आई तो वो भी पूरा करना मुश्किल होने लगा। उन्होंने कहा, 'किसी न किसी का गला हमेशा खराब रहता है। अगर एक समय बिपाशा बीमार थी तो दूसरे समय करण बीमार थे। बता दें कि एमएक्स ओरिजिनल की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' 2020 में रिलीज़ हुई। मीका इस सीरीज के प्रोड्यूसर थे। विक्रम भट्ट ने इसकी कहानी लिखी थी।

क्या रवि दुबे-सरगुन मेहता की जोड़ी छोटे पर्दे पर साथ आएगी नजर?

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रवि दुबे और सरगुन मेहता एक नए टीवी सीरियल में साथ नजर आएंगे। यह दोनों एक फैमिली ड्रामा सीरियल का हिस्सा जल्द ही बनेंगे। रवि दुबे और सरगुन मेहता असल जिंदगी में भी पति-पत्नी हैं, दोनों की शादी साल 2013 में हुई थी। सरगुन मेहता ने कई टीवी सीरियल्स किए हैं। इन दिनों वह पंजाबी फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के तौर पर एक्टिव हैं। रवि दुबे भी कई टीवी सीरियल कर चुके हैं। होस्टिंग भी करते हैं। जल्द ही वह रणबीर कपूर की फिल्म रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।